THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 198 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.8 2082 मंगलवार, 14 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पाकिस्तान में फायरिंग 250 की मौत

गाजा पीस डील के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, 1500 लोग घायल

इस्लामाबाद, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में गाजा पीस प्लान को समर्थन देने के खिलाफ पिछले पांच दिनों से प्रदर्शन जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक (टीएलपी) ने दावा किया है कि पुलिस की फायरिंग में अब तक उनके 250 से ज्यादा कार्यकर्ता और नेता मारे गए हैं, जबकि 1,500 से अधिक घायल हुए हैं।

दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने ट्रम्प के पीस प्लान का समर्थन किया है। इसे लेकर कई पार्टियां नाराज हैं। टीएलपी चीफ साद हुसैन रिजवी विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने सरकार विरोधी, गाजा समर्थक और इजराइल विरोधी अभियान के तहत लाहौर से इस्लामाबाद तक लंबा मार्च किया।

मार्च के दौरान रिजवी को भी 3 गोली लगी है। पार्टी के प्रवक्ता के मुताबिक, रिजवी की हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें पास के एक मेडिकल सेंटर ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना कहां हुई या कितने लोग मरे हैं, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। टीएलपी प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तानी पंजाब के कई हिस्सों में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और झड़पें जारी हैं।

2 पुलिस अधिकारियों की भी मौत : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सुरक्षा बलों और तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के प्रदर्शनकारियों के बीच सोमवार को हिंसक झड़पें हुईं। इसमें 2 पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई और दर्जनों दूसरे अधिकारी घायल हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन रात 2 बजे शुरू हुआ और सुबह 7 बजे तक चला।

मुरीदके में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की। पाकिस्तान रेंजर्स सहित सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया।

कोल्ड्रिफ बनाने वाली श्रीसन फार्मा बंद, लाइसेंस रद्द

चेन्नई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स का मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस पूरी तरह से रद्द कर दिया। साथ ही कंपनी को हमेशा के लिए बंद करने की घोषणा की। सरकार को श्रीसन फार्मा की फैक्ट्री में 350 से ज्यादा गंभीर श्रेणी की गड़बड़ियां मिली थीं।

कोल्ड्रिफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश में अब तक 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। चेन्नई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को श्रीसन फार्मा से जुड़े सात ठिकानों पर छापेमारी भी की है। श्रीसन फार्मा के प्रमुख कर्मचारियों और तमिलनाडु फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के गिरफ्तार डायरेक्टर इन-चार्ज पी यू कार्तिकेयन के ठिकानों पर भी रेड की गई। कार्तिकेयन को जुलाई, 2025 में रिश्वतखोरी के एक मामले में तमिलनाडु विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ने गिरफ्तार किया था। ईडी की ताजा कार्रवाई मिलावटी कोल्ड्रिफ सिरप बनाने और बिक्री से जुड़े वित्तीय लेन-देन मामले में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत (पीएमएलए) की जा रही है।

मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत दौरा

कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा, कहा 'लद्दाख के लोगों से वादखिलाफी कर रही पार्टी'

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने एक बार फिर बीजेपी को जमकर घेरा है। कांग्रेस नेता ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा देने का वादा किया था, लेकिन अब उसे पूरा करने से पीछे हट रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के भारत दौरे का उल्लेख करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मंगोलिया के राष्ट्रपति आज एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंध दिसंबर 1955 में स्थापित हुए थे।

चुनाव आयोग ने जारी की अधिसूचना : झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर में होंगे उपचुनाव

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने तीन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में खाली हुई विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की। झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर की विधानसभा की कुछ सीटें हाल ही में खाली हुई हैं, जिन्हें भरने के लिए चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की तारीखें तय की हैं। यह उपचुनाव 16 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। झारखंड की 45-घाटशिला (एसटी) विधानसभा सीट (जो राम दास सोरेन के निधन के कारण 15 अगस्त, 2025 को खाली हुई थी) पर उपचुनाव होने जा रहा है। चुनाव आयोग ने इस सीट के लिए उपचुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए कहा है कि 16 नवंबर तक नया विधायक चुना जाएगा।

निर्वाचन के लिए 21 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तारीख रहेगी। 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी। 24 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे। 11 नवंबर को मतदान होगा। मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। मिजोरम की 2-डांपा (एसटी) विधानसभा सीट भी खाली हुई थी, जब लालरिंतलुआंगा सैलो का निधन 21 जुलाई, 2025 को हुआ।

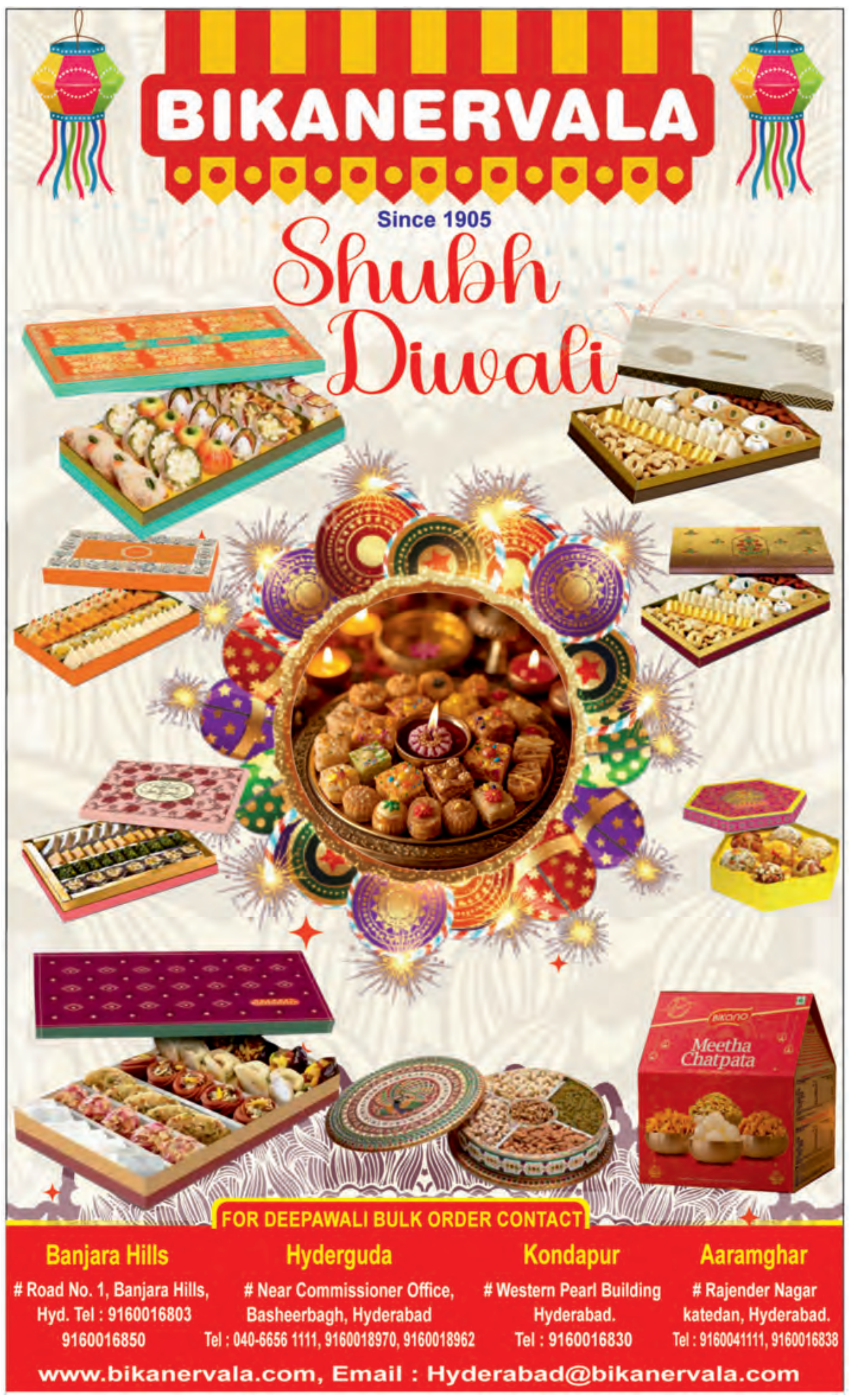

करूर भगदड़: सुप्रीम कोर्ट ने दिया सीबीआई जांच के आदेश

3 सदस्यीय कमेटी निगरानी करेगी; एक्टर विजय की रैली में 41 लोगों की मौत हुई थी

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने एक्टर विजय की पार्टी और भाजपा नेता उमा आनंदन की मामले की सीबीआई जांच याचिका पर फैसला सुनाया। मद्रास हाईकोर्ट ने मामले की जांच एसआईटी को सौंपी थी।

बेंच ने कहा- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय कमेटी जांच की निगरानी करेगी। इसमें दो आईपीएस अधिकारी (तमिलनाडु कैडर के हो, लेकिन यहां के मूल निवास नहीं) इसमें शामिल होंगे, जो आजीपी रैंक से नीचे के नहीं होने चाहिए।

बेंच ने 10 अक्टूबर को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से पूछा था कि जब एआईडीएमके को करूर में कम जगह होने के कारण रैली की अनुमति नहीं दी गई तो फिर टीवीके को 27 सितंबर की रैली को कैसे इजाजत दी गई।

कोर्ट ने यह भी पूछा था कि मद्रास हाईकोर्ट ने SIT जांच का आदेश कैसे दिया, जबकि मामला मदुरै बेंच में था। दरअसल, 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हुई थी। 100 से ज्यादा लोग घायल थे।

आदेश में क्या कहा गया...

सीबीआई के अधिकारियों से अपील है कि वे कमेटी के समक्ष जांच की मंथली रिपोर्ट पेश करें। SOP की सुनवाई बेंच को सौंपी जाएगी। हमने रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी है कि इसे आपराधिक याचिका के तौर पर कैसे लिस्ट किया गया। मद्रास हाईकोर्ट में सिंगल जस्टिस ने चीफ जस्टिस की परमिशन के बिना याचिका पर विचार किया, जो सही नहीं माना गया। उन्होंने मदुरै बेंच के पहले के फैसले को नजरअंदाज करके मामला उठाया, जबकि उसी विषय पर मदुरै बेंच की डिवीजन बेंच पहले से ही जानकारी में थी। ऐसा करना यह दर्शाता है कि मामले को संवेदनशील और सही तरीके से संभालने में कमी रही। इसके कारण अलग-अलग कोर्ट में मामला चलने लगा। यह चिंता की बात है कि SOP से जुड़ी रिट याचिका WP क्रिमिनल में कैसे आ सकती है। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

टीवीके की ओर से एडवोकेट गोपाल सुब्रमण्यम और सीए सुंदरम ने कहा कि हाईकोर्ट में याचिका केवल राजनीतिक रैलियों के लिए एसओपी (मानक प्रक्रिया) बनाने को लेकर थी, लेकिन मद्रास हाईकोर्ट ने पहले ही दिन एसआईटी बना दी। उन्होंने कहा था कि विजय को पुलिस ने सुरक्षा कारणों से स्थल से हटाया था, लेकिन कोर्ट ने इसे 'घटनास्थल छोड़कर भागने' जैसा बताया, जो राजनीतिक रूप से गलत धारणा पैदा करता है। इधर, तमिलनाडु की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सीबीआई जांच की जरूरत नहीं है, क्योंकि पुलिस की बड़ी चूक साबित नहीं हुई है।

वहीं, मुकुल रोहतगी और पी विल्सन ने कहा- भगदड़ इसलिए हुई क्योंकि भीड़ सुबह से जमा थी, जबकि विजय शाम 7 बजे पहुंचे।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी बोले- इस्तीफा देना चाहता हूं

मेरी इनकम बंद, अब फिर से फिल्में करूंगा, राज्यसभा सांसद सदानंदन को मंत्री बनाएं

कुन्नूर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और केरल के त्रिशूर से भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। उन्होंने रविवार को कन्नूर में एक कार्यक्रम में कहा, 'मैं अपना एक्टिंग करियर दोबारा शुरू करना चाहता हूं, मुझे ज्यादा इनकम की जरूरत है, मंत्री बनने के बाद मेरी कमाई पूरी तरह से रुक गई है।'

गोपी ने कहा कि मैंने कभी मंत्री बनने की प्रार्थना नहीं की, चुनावों से एक दिन पहले भी मैंने पत्रकारों से कहा था कि मैं मंत्री नहीं बनना चाहता, मैं अपने सिनेमा में बना रहना चाहता हूं। मेरी जगह राज्यसभा सांसद सी. सदानंदन मास्टर को केंद्रीय मंत्री बनाया जाए।

गोपी ने कहा- केरल से पहला भाजपा सांसद होने के कारण पार्टी ने मुझे मंत्री बनाने का फैसला लिया। गोपी वर्तमान में केंद्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री और पर्यटन मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

सुरेश गोपी केरल के चुने भाजपा के इकलौते सांसद हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में CPI के वीएस सुनीलकुमार को 74 हजार वोटों से हराया था। उन्होंने पहली बार ही चुनाव लड़ा था। गोपी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के फेमस एक्टर हैं।

गोपी ने त्रिशूर की जनता को 'प्रजा' कहने पर हुए विवाद पर सफाई भी दी। उन्होंने कहा- पहले सफाई कर्मचारियों को 'कचड़ा उठाने वाला' कहा जाता था, लेकिन अब 'सेनिटेशन इंजीनियर्स' कहा जाता है, उसी तरह मेरे विरोधियों ने 'प्रजा' और 'प्रजातंत्र' शब्दों का गलत मतलब निकाला और प्रचार किया। क्या प्रजा शब्द का इस्तेमाल करना गलत है?

साल 2019 में सुरेश गोपी त्रिशूर से लोकसभा चुनाव हार गए थे। उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी हार का सामना करना पड़ा था। चुनाव में गोपी को पहली जीत 2024 लोकसभा चुनाव में मिली थी। उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार सुनील कुमार को 74 हजार वोटों से हराया था। कांग्रेस के सीनियर नेता और सांसद मुरलीधरन इस सीट से तीसरे नंबर पर रहे।

सुरेश ने 1965 में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी की करीब 250 फिल्मों में काम किया है। 1992 से 1995 तक उन्हें सुपरस्टार का टैग मिला था। 1998 में उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड और केरल राज्य अवॉर्ड मिला था। वे BJP के राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं।

सुरेश गोपी विवादों से भी चर्चा में आए हैं। महिला पत्रकार से दुर्व्यवहार करने के मामले में सुरेश गोपी का नाम सामने आया था।

केरल में इंजीनियर ने की आत्महत्या

इंस्टाग्राम पर लिखा, 4 साल हो रहा था सेक्सुअल हैरेसमेंट

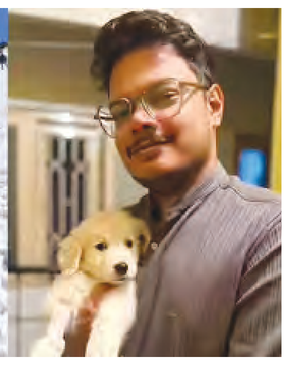

तिरुवनंतपुरम , 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। 26 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर आनंदू अजी की लाश तिरुवनंतपुरम के थम्पनूर स्थित एक होटेल के कमरे में मिली। पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है। पुलिस का दावा है कि केरल निवासी आनंदू कथित तौर पर बचपन में बार-बार हुए यौन शोषण के कारण गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहे थे।

उनका आरोप था कि यह शोषण संघ के सदस्यों ने किया। मरने से पहले आनंदू ने इंस्टाग्राम पर एक आखिरी पोस्ट में की। इस पोस्ट में उसने दुर्व्यवहार से उपजे वर्षों के अवसाद और आघात का वर्णन किया। वहीं इस घटना पर सियासत गरमाने लगी है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोपों की गहन जांच की मांग की है। प्रियंका गांधी ने एक पोस्ट में कहा कि आनंदू अजी ने अपने आत्महत्या संदेश में आरोप लगाया कि आरएसएस के कई सदस्यों ने उनके साथ बार-बार दुर्व्यवहार किया। आरएसएस नेतृत्व को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। आनंदू ने लिखा, 'मैं किसी लड़की, प्रेम संबंध, कर्ज़ या ऐसी किसी भी वजह से आत्महत्या नहीं कर रहा हूं। मैं अपनी चिंता और अवसाद के कारण ऐसा कर रहा हूं। साथ ही, अपनी दवाओं की वजह से, मैं अपने काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा हूं।' आनंदू, जो बचपन में आरएसएस से जुड़े थे, ने आरोप लगाया कि उनकी मानसिक बीमारियों के लिए यह संगठन ज़िम्मेदार है, जो बचपन में उनके साथ हुए बार-बार यौन और शारीरिक शोषण के कारण हुई थी। आनंदू न लिखा, 'मैं किसी से नाराज़ नहीं हूं सिवाय एक व्यक्ति और एक संगठन के। यह संगठन आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) है, जिससे मेरे पिता (जो एक बहुत अच्छे इंसान थे) ने मुझे जोड़ा था। यहीं मुझे संगठन और उस व्यक्ति से जीवन भर का सदमा मिला है। जब मैं बच्चा था, तब एक व्यक्ति ने मेरा लगातार यौन शोषण किया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे अकेले पीड़ित नहीं हैं और आरएसएस के शिविरों में बड़े पैमाने पर यौन शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यह सच है, तो यह भयावह है। पूरे भारत में लाखों छोटे बच्चे और किशोर इन शिविरों में जाते हैं। आरएसएस नेतृत्व को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए।

लिव इन पार्टनर से झगड़ा, 80 फुट गहरे कुएं में कूदी

बचाने में फायर फाइटर और लवर की मौत, केरल में दर्दनाक हादसा

कोल्लम , 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के कोल्लम में एक दर्दनाक घटना हुई है। नेदुवथुर में एक महिला कुएं में कूद गई। महिला को बचाने की कोशिश में देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। इस रेस्क्यू ऑपरेशन ने उस समय दुखद रूप ले लिया जब एक अग्निशमन अधिकारी समेत तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों में कोट्टाराक्कारा अग्निशमन एवं बचाव इकाई की अग्निशमन कर्मी सोनी एस कुमार (36), कुएं में कूदने वाली महिला अर्चना (33) और उसका दोस्त शिवकृष्णन (22) शामिल है।

घर पर नर्स के रूप में काम करने वाली अर्चना का अफेयर शिवकृष्णन से था। वह पिछले दो महीने से उसके साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी। रात शिवकृष्णन कथित तौर पर नशे में घर लौटा और हंगामा मचाया। अर्चना ने आगे कोई विवाद न हो, इसके लिए बची हुई शराब घर में छिपा दी।

गुस्से में आकर शिवकृष्णन ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की। झगड़े के बाद अर्चना अपने घर के आंगन में बने कुएं में कूद गई। घटना रात करीब 12:15 बजे की है जब कोट्टाराक्कारा अग्निशमन एवं बचाव केंद्र को नेदुवथुर में एक 80 फुट गहरे कुएं में गिरी एक महिला के बारे में आपातकालीन कॉल मिली। जब बचाव दल पहुंचा, तो अर्चना के दो बड़े बच्चे सड़क किनारे इंतज़ार कर रहे थे और उन्होंने अधिकारियों को उनके घर तक पहुंचाया और बताया कि उनकी मां कुएं में फंसी हुई हैं।

अग्निशमन अधिकारी सोनी एस कुमार रस्सियों और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद से अर्चना को बचाने के लिए कुएं में उतरे। हालांकि, उसे ऊपर खींचने की कोशिश करते समय, कुएं का सहारा देने वाला मुंडेर ढह गया, जिससे सोनी और अर्चना दोनों गहरे पानी में गिर गए।

हंगामे के दौरान, पास में खड़ा शिवकृष्णन भी कुएं में गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों ने बताया कि जब शिवकृष्णन सहारे के लिए रस्सी पर झुका, तो कमज़ोर मुंडेर ढह गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, अर्चना और शिवकृष्णन कुछ समय से साथ रह रहे थे और कथित तौर पर रात में उनके बीच घरेलू विवाद हुआ था, जिसके कारण अर्चना ने कुएं में छलांग लगा दी। घंटों चले बचाव अभियान के बाद तीन बच्चों की मां अर्चना और अन्य लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

बंगाल मेडिकल स्टूडेंट गैंगरेप केस में अब तक 5 आरोपी गिरफ्तार

ममता के बयान पर पीड़ित के पिता बोले- मेरी बेटी आधी रात बाहर नहीं गई थी

कोलकाता/दुर्गापुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एमबीबीएस स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने सोमवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने रविवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 2 आरोपी फरार थे।

वहीं, पीड़ित के पिता ने घटना पर सीएम ममता के बयान को असंवेदनशील बताते हुए दावा किया कि उनकी बेटी आधी रात को बाहर नहीं गई थी। पीड़ित के पिता ने कहा- मेरी बेटी का शुक्रवार (10 अक्टूबर) रात 8 बजे से 9 बजे के बीच रेप हुआ था।

उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री ममता ने झूठा दावा किया कि घटना आधी रात के बाद हुई। ममता खुद एक महिला हैं। उसके बावजूद उन्होंने असंवेदनशील टिप्पणी की और कहा कि महिलाओं को रात में बाहर नहीं निकलने देना चाहिए। सीएम ममता ने रविवार को मामले पर कहा था- मैं इस घटना को देखकर स्तब्ध हूं, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों को भी अपने छात्रों, खासकर लड़कियों का ध्यान रखना चाहिए। पीड़ित रात के 12:30 बजे बाहर कैसे आ गई। लड़कियों को रात में बाहर नहीं निकलने देना चाहिए। उन्हें अपनी सुरक्षा खुद करनी होगी। खासकर सुनसान इलाकों में सतर्क रहना चाहिए। इस घटना की पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की है। निजी कॉलेजों को छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ममता के इस बयान के बाद बंगाल भाजपा ने उनकी कड़ी आलोचना की। इसके बाद ममता ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा- मीडिया ने मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। आप मुझसे एक सवाल पूछते हैं, मैं उसका जवाब देती हूं। इस तरह की राजनीति न करें।

दुर्गापुर में 10 अक्टूबर की रात एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया था। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थी। पीड़ित के मुताबिक, वापस लौटते समय कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोका। उसका दोस्त उसे छोड़कर भाग गया, जिसके बाद आरोपियों ने उससे दरिंदगी की। पुलिस ने 11 अक्टूबर को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैंपस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सूरत के स्कूल में नॉनवेज पार्टी पर प्रिंसिपल को नोटिस

मां सरस्वती की मूर्ति ढंककर चिकन-मटन परोसा गया, पूर्व छात्रों ने पार्टी रखी थी

सूरत, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में सूरत के गोडादरा स्थित शिक्षण समिति के स्कूल में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में नॉनवेज परोसने पर विवाद हो गया है। जानकारी के मुताबिक, 1987 से 1991 के बीच स्कूल में पढ़े तेलुगु समाज के छात्रों ने यह कार्यक्रम रखा था।

स्कूल कैंपस में लगी मां सरस्वती की मूर्ति को चुनरी से ढंककर चिकन और मटन परोसा गया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल भी मौजूद थे।

जब मीडिया स्कूल पहुंचा तो शिक्षक और स्टाफ फरार हो गए। स्कूल चौकीदार ने कहा कि सभी लोग सुबह आए थे, कार्यक्रम दोपहर में हुआ।

सूरत नगर निगम की शिक्षा समिति द्वारा संचालित पंडित दीनदयाल प्राथमिक विद्यालय क्रमांक 342 और 351, गोडादरा क्षेत्र में स्थित है, जिसमें 12 अक्टूबर, रविवार को स्कूल में 1987 से 1991 तक के कक्षा 7 के छात्रों का एक मिलन समारोह आयोजित किया गया था। ये सभी पूर्व छात्र 38 साल बाद स्कूल में एकत्र हुए और उसी के चलते मिलन समारोह रखा गया था। कार्यक्रम में प्रिंसिपल भी मौजूद थे।

इस मामले पर शिक्षण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कपाड़िया और प्रवक्ता विनोद गजेरा ने कहा कि उनकी बात प्रिंसिपल से हुई है। प्रिंसिपल ने गलती मान ली है। उन्होंने बताया कि कल इस मामले पर समिति की बैठक होगी, जिसमें पूरी जांच की जाएगी और उसके बाद प्रिंसिपल के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

आजीवन कारावास की सजा पाए तीन अभियुक्तों को सुप्रीम कोर्ट ने किया बरी

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने लगभग 18 साल पहले दस साल साल के बच्चे की हत्या के जुर्म में तीन अभियुक्तों को बड़ी राहत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 2007 में 10 साल के बच्चे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाए तीन अपराधियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष उनके अपराध को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उत्तराखंड हाईकोर्ट को गंभीर प्रक्रियात्मक खामियों को नजरअंदाज करने, वैज्ञानिक रिपोर्टों की जांच करने में विफल रहने और किशोर होने के दावों को सरसरी तौर पर खारिज करने के लिए फटकार लगाते हुए पीठ ने तीनों की अपील स्वीकार कर ली, जिन्हें 2014 में काशीपुर के अतिरिक्त सत्र जज ने दोषी ठहराया था और जिनकी दोषसिद्धि को 2017 में हाई कोर्ट ने बरकरार रखा था। आपको बता दें कि मृतक बच्चा 5 जून, 2007 को किशनपुर के पास अपने परिवार के आम के बाग में मृत पाया गया था।

जांच में पता चला था कि बच्चे की मौत गला घोंटकर की गई है। बच्चे के पिता ने अपने छह पड़ोसियों वाहिद, मुस्लिम, अरमान, जहाँगीर, जाहिद और बाबू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड सावधान!

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुत बड़ी साजिश रच रहा चीन

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। तिब्बती एक्सपर्ट ने भारत को आगाह किया है कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के उस पार चीन की हरकतों को लेकर फौरन सचेत हो जाए। दरअसल, चीन पहले से ही अरुणाचल सेक्टर में सीमा के उस पार निर्माण कार्यों में बहुत ज्यादा सक्रिय रहा है। लेकिन, अब इसने एलएसी के पश्चिमी सेक्टर में भी ऐसी रेलवे लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है, जिसे रणनीतिक तौर पर बहुत ही संवेदनशील माना जा रहा है। कहने के लिए तो शी जिनपिंग की सरकार ने अपने नियंत्रण वाले तिब्बत की राजधानी ल्हासा तक रेलवे लाइन बिछाकर उसे रेलवे मैप पर लाने का अभियान शुरू किया है, लेकिन इसके भारत पर पड़ने वाले सैन्य और सुरक्षा प्रभावों को कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

तिब्बत में चीन ने लगाया रेलवे लाइन में हाथ

चीन ने मध्य तिब्बत में कनेक्टिविटी बढ़ाने के नाम पर जिस नए स्ट्रैटजिक रेलवे लाइन में हाथ लगाया है, उससे भारत से सटे सीमावर्ती इलाकों में उसके सैनिकों की आवाजाही और अन्य सैन्य संसाधनों को ढोने की उसकी क्षमता में अप्रत्याशित इजाफा होने वाला है। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार जानकारों की मानें तो बीजिंग ने जिस रफ्तार से इस कठिन प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू किया है, वह इसे पांच साल में पूरा कर सकता। वैसे तो तिब्बत के पठार में वह अगले दशक में वह कुल 5,000 किलोमीटर का रेल नेटवर्क बनाने वाला है।

तिब्बत पॉलिसी इंस्टीट्यूट स्टडिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट इन द हिमालयाज में एक रिसर्च स्कॉलर त्सेवांग दोर्जी का कहना है कि भारतीय सीमा के पास चीन की ओर से नई रेलवे लाइन और हाइवे प्रोजेक्ट मौजूदा सुरक्षा गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। दोर्जी ने कहा, 'पूर्वी सेक्टर में अरुणाचल प्रदेश के पास चीन ने पहले ही दक्षिण एशियाई देशों के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए जल संसाधनों पर नियंत्रण कर लिया है। अब पश्चिमी सेक्टर में लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड से सटी सीमा के पास यह एक नई रेलवे लाइन बिछा रहा है।

एयर इंडिया के सभी बोइंग 787 विमानों की पावर यूनिट की दोबारा हो जांच

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमानन सुरक्षा नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया को सभी बोइंग 787 विमानों में रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) प्रणाली, एक इमरजेंसी पॉवर सोर्स, का पुनः निरीक्षण करने का निर्देश दिया है, जहां हाल ही में पावर कंडीशनिंग मॉड्यूल (पीसीएम) को बदला गया था।

आपको बता दें कि यह कदम एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों से जुड़ी दो हालिया तकनीकी घटनाओं के बाद उठाया गया है। साथ ही, डीजीसीए ने अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग से भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए निवारक उपायों की रूपरेखा वाली एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

नियामक ने बोइंग से बोइंग 787 विमानों पर वैश्विक स्तर पर रिपोर्ट किए गए इसी तरह के आरएटी तैनाती के मामलों के साथ-साथ पीसीएम प्रतिस्थापन के बाद सेवा संबंधी किसी भी कठिनाई की रिपोर्ट की भी जानकारी मांगी है। यह कार्रवाई इस महीने की शुरुआत में लगातार हुई दो घटनाओं के बाद की गई है।

दुबई की ओर मोड़ दी गई फ्लाइट

4 अक्टूबर को, एयर इंडिया की अमृतसर-बर्मिंघम उड़ान (एआई-117) पर आरएटी लैंडिंग से ठीक पहले ऑटोमैटिक रूप से तैनात हो गई थी। पांच दिन बाद, 9 अक्टूबर को, एयर इंडिया की वियना-दिल्ली उड़ान (एआई-154) का संचालन कर रहे एक अन्य बोइंग 787 विमान को ऑटोपायलट सिस्टम के अचानक फेल होने और कई तकनीकी खराबी आने के बाद दुबई की ओर मोड़ दिया गया।

बिजली पैदा करने के लिए पवन ऊर्जा का करता है इस्तेमाल

आरएटी को इंजन, इलेक्ट्रिकल या हाइड्रोलिक के पूरी तरह से फेल होने की स्थिति में ऑटोमैटिक तैनात होने के लिए डिजाइन किया गया है। यह महत्वपूर्ण सिस्टम्स को चालू रखने के लिए इमरजेंसी इलेक्ट्रीसिटी पैदा करने हेतु पवन ऊर्जा का उपयोग करता है। डीजीसीए के एक अधिकारी के अनुसार, एयर इंडिया को उन सभी विमानों का पुनः निरीक्षण करने के लिए कहा गया है जिनमें पीसीएम मॉड्यूल, एक आवश्यक विद्युत घटक जो पूरे विमान में बिजली वितरण का प्रबंधन करता है, हाल ही में बदला गया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025 3

सुविचार: बड़ी मुश्किल से मिलती है ये समझ कि हम नासझ है।

रेवंत ने कल्याण छात्रावासों के आपातकालीन खर्चों के लिए 60 करोड़ रुपये जारी किए

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावासों की आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीएमआरएफ (मुख्यमंत्री राहत कोष) से 60 करोड़ रुपये जारी करने की घोषणा की। इस धनराशि का उपयोग छात्रावासों में भोजन शुल्क, अस्थायी कर्मचारियों के वेतन, मोटर मरम्मत और आवासीय छात्रावासों में अन्य आपातकालीन कार्यों के लिए किया जा रहा है।

सोमवार को सभी कल्याण विभागों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा में, मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को 60 करोड़ रुपये के चेक सौंपे। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाकर कल्याण छात्रावासों को उन्नत बनाया जाना चाहिए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक छात्रावास में रहने वाले छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की चेहरे की पहचान की व्यवस्था करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि अच्छे शैक्षणिक परिणामों के साथ छात्रावासों को चलाने के लिए जवाबदेही और सभी आंकड़ों की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को छात्रों को नियमित रूप से दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता जानने के लिए एक ऐप विकसित करने के भी निर्देश दिए। छात्रों को उनके नियमित आहार में मिलने वाली कैलोरी सहित उचित पोषक तत्वों से युक्त गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कल्याण छात्रावासों में छात्रों को गणवेश और पुस्तकों की आपूर्ति की समीक्षा की और अधिकारियों को छात्रावासों के प्रबंधन और आवास सुविधाओं का विवरण प्रतिदिन डैशबोर्ड पर अपलोड करने के विशिष्ट निर्देश दिए। छात्रावासों में छात्रों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में छात्रावासों और सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और क्षेत्रीय अस्पतालों के बीच एक नेटवर्क विकसित करने का सुझाव दिया। अधिकारियों को छात्रावासों में चिकित्सा शिविर आयोजित करने और आपात स्थिति में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए। जिला कलेक्टरों और अतिरिक्त कलेक्टरों को भी छात्रावासों का नियमित रूप से दौरा करने और छात्रों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने एक हॉटलाइन स्थापित करने का भी सुझाव दिया ताकि डॉक्टर 24 घंटे ऑनलाइन उपलब्ध रहें और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 'एड टेक' का उपयोग किया जा सके। रेवंत रेड्डी ने कहा कि झूठे प्रचार को रोकने के लिए छात्रावास के छात्रों को दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से भी दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को इन सभी के लिए ऐप विकसित करने का आदेश दिया।

प्रशासनिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और छात्रावासों को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए, रेवंत रेड्डी ने मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव और कल्याण विभाग के विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष को छात्रवृत्ति, कर्मचारियों के वेतन, आहार शुल्क, निर्माण लागत, अन्य खर्च, बकाया भुगतान, छात्रावास चलाने के लिए मासिक खर्च और पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक छात्रावासों के लिए बकाया भुगतान के लिए आवश्यक राशि के संबंध में एक कार्य योजना प्रस्तुत करने का आदेश दिया। अधिकारियों को छात्रावासों के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं से धन जुटाने और राज्य सरकार के मिलान अनुदान को तुरंत जारी करने का भी आदेश दिया गया। समीक्षा से पहले, विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष ने छात्रावासों की स्थिति पर एक प्रस्तुति दी। बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, एससी, एसटी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, राज्य सरकार के सलाहकार शब्बीर अली, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. शेषाद्री, मुख्यमंत्री के ओएसडी वेमुला श्रीनिवासुलु, बीसी, एससी, एसटी, अल्पसंख्यक, विकलांग विभाग के अधिकारी ज्योति बुद्धप्रकाश ज्योति, बी. शफीउल्लाह, अनिता रामचंद्रन, क्षितिजा, निर्मला क्रांति वेस्ले, कृष्णा आदित्य और अन्य उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने चेरलापल्ली जेल को भारत के लिए एक आदर्श बताया

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोमवार को चेरलापल्ली जेल का दौरा किया और कैदियों के कल्याण के लिए लागू किए जा रहे सुधारों की सराहना करते हुए इसे पूरे देश के लिए एक आदर्श बताया। उन्होंने कैदियों को बीमा प्रदान करने, उनके परिवारों को ब्याज मुक्त ऋण देने और महिला कैदियों के बच्चों की स्कूल फीस भरने जैसी पहलों की सराहना की। उन्होंने महानिदेशक जेल सौम्या मिश्रा के दृष्टिकोण की भी सराहना की और कहा कि वह 'हिरासत-देखभाल-सुधार' को व्यावहारिक रूप दे रही हैं।

अपने दौरे के दौरान, बंडी संजय ने जेल में विकास कार्यों का निरीक्षण किया, जिसमें कैदियों द्वारा संचालित उद्योग और उनके द्वारा निर्मित उत्पाद शामिल थे। उन्होंने गौशाला का दौरा किया, गायों को स्वयं चारा खिलाया और एक गाय का नाम 'कृष्णा' रखा, मनोरंजन क्लब, बॉलफ़्लावर गार्डन का दौरा किया और कैदियों को शहद निकालते हुए देखा। अधिकारियों ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सुधारों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। 25 साल पहले बनी चेरलापल्ली जेल को विकास के लिए केंद्र सरकार से 11.60 करोड़ रुपये मिले हैं, जिनमें से 11.30 करोड़ रुपये पहले ही खर्च हो चुके हैं। सौम्या मिश्रा के महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद से, परिवारों के लिए वीडियो लिंक मुलाकात, कौशल विकास केंद्र, स्वास्थ्य सेवा प्रोफ़ाइलिंग, दैनिक योग, ध्यान और पीईटी सत्र सहित कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। कैदियों को शिक्षा प्राप्त करने और डिग्री हासिल करने के भी अवसर मिलते हैं। रिहाई के बाद, कैदियों को रोजगार प्रदान किया जाता है, जैसे कि पेट्रोल पंपों पर न्यूनतम 18,000 रुपये प्रति माह वेतन पर नौकरी। स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं सहित जेल कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी उपायों पर भी प्रकाश डाला गया। तेलंगाना कारागार विभाग को हाल ही में उसके विकास और सेवा पहलों के लिए प्रतिष्ठित स्कोडा पुरस्कार मिला है। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने प्रगति की सराहना की और कैदियों द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए हैदराबाद में एक 'विशेष मेला' आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कारागार विभाग को केंद्र से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और अन्य राज्यों के अधिकारियों को इसी तरह के सुधारों को लागू करने के लिए चेरलापल्ली जेल का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विशेषज्ञों ने इंडियन रोलर के संरक्षण के लिए योजना बनाने का किया आग्रह

राज्य पक्षी की आबादी में गिरावट और शिकार पर रोक की मांग

संगारेड्डी, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन्यजीव विशेषज्ञों ने तेलंगाना सरकार से आग्रह किया है कि वह राज्य पक्षी पलापिट्टा (भारतीय रोलर) के संरक्षण के लिए एक व्यापक योजना बनाए, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने इसे पहली बार अपनी लाल सूची में शामिल किया है। विशेषज्ञों ने सरकार से राज्य भर में इंडियन रोलर की आबादी में गिरावट के कारणों का अध्ययन करने और इसके लिए विस्तृत संरक्षण रणनीति तैयार करने के लिए समिति बनाने का सुझाव दिया। पशु अधिकार कार्यकर्ता शिव कुमार ने दशहरा उत्सव के दौरान अवैध शिकार और इंडियन रोलर के प्रदर्शन पर रोक लगाने की अपील की और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

वन्यजीव फोटोग्राफर श्रीराम रेड्डी ने खुली घास के मैदानों में पक्षियों के घोंसले और आवासों की सुरक्षा पर बल दिया और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण भोजन स्रोतों की कमी के चलते हैदराबाद और अन्य क्षेत्रों में इंडियन रोलर की आबादी में तेज गिरावट होने की चेतावनी दी। उनके अनुसार, इस साल फरवरी और अगस्त में हैदराबाद और आसपास 70,000 पक्षियों में से केवल 30 भारतीय रोलर ही देखे गए। एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी के संस्थापक प्रदीप नायर ने कहा कि शिकार के खिलाफ साल भर निगरानी होनी चाहिए। वन विभाग ने इस साल हैदराबाद और सिद्दीपेट में दशहरा उत्सव के दौरान 26 इंडियन रोलर्स को बचाया, लेकिन मानव संसाधन और कार्य योजना की कमी के कारण पूरे राज्य में अभियान का विस्तार नहीं हो सका।

छात्राओं ने गणित शिक्षक की नियुक्ति की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

मेदक, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण आवासीय बालिका खेल विद्यालय की छात्राओं ने सोमवार को चेगुंटा मंडल मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से स्कूल के लिए तुरंत गणित शिक्षक की नियुक्ति करने की मांग की। छात्राओं ने बताया कि उन्हें परीक्षाओं की तैयारी में मुश्किल हो रही है क्योंकि शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत से ही इंटरमीडिएट की कक्षाओं के लिए कोई गणित शिक्षक नियुक्त नहीं किया गया। विरोध के दौरान उन्होंने कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दी, जिससे यातायात बाधित हो गया। विद्यालय में इंटरमीडिएट के प्रथम वर्ष में 33 और द्वितीय वर्ष में 29 छात्राएं पढ़ रही हैं। कई छात्राओं ने अपनी कठिनाइयों को व्यक्त करते हुए भावुक हो गईं। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमति ने बताया कि गणित की शिक्षिका लगभग चार महीने पहले भद्राचलम तबादल हो गई थीं। अधिकारी उनकी जगह किसी अन्य शिक्षिका की नियुक्ति के लिए सहमत हो गए हैं, लेकिन नियुक्ति अभी तक पूरी नहीं हुई। प्रधानाचार्या ने कहा कि उच्च अधिकारियों से कोंडामल्लेपल्ली से चेगुंटा में शिक्षिका के तबादले के बारे में जल्द सूचना मिलने की उम्मीद है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, A Raghu, Father of No.14682167F, Hav, Raja R, R/o, Vill &PO : Thenmathur, Dist: Tiruvannamalai, Tamil Nadu, changed my name from A Raghu to Raghu A, vide Affidavit No.282198 dt.11.10.2025, before Court at Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

कलेक्ट्रेट में महिला कर्मचारी के साथ बलात्कार के प्रयास का मामला

आरोपी वरिष्ठ सहायक इरफान सोहेल निलंबित

हनमकोंडा, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा कलेक्ट्रेट में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित बलात्कार के प्रयास का मामला सामने आया है। आरोपी की पहचान स्थापना विभाग के वरिष्ठ सहायक इरफान सोहेल के रूप में हुई है, जिस पर पहले भी कलेक्ट्रेट में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को परेशान करने के आरोप रहे हैं।

हाल ही में उसने कथित रूप से अपनी एक सहकर्मी के साथ बलात्कार करने की कोशिश की, लेकिन महिला किसी तरह बच निकली और तुरंत सुबेदारी पुलिस स्टेशन पहुंची, जहां उसने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इरफान सोहेल के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत भी कार्रवाई की। कलेक्टर ने आरोपी को सेवा से निलंबित कर दिया है। इस घटना ने कलेक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, और आरोप है कि सोहेल को कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन भी प्राप्त था।

जुआ खेलते हुए आठ लोग गिरफ्तार

कुमराम भीम, आसिफाबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स के जवानों ने रविवार रात सिरपुर मंडल के लोनावेली गांव में प्रतिबंधित जुआ खेलने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया।

उनके पास से 17,650 रुपये बरामद किए गए। दो अन्य आरोपी फरार हैं। एसपी कांतिलाल पाटिल ने बताया कि बेंडारी श्रीनिवास, प्रिशिंगुला लाचन्ना, बोड्डू रवि, अलुरी किशोर, डोंगरे रूपलाल, टेकुला शंकर, बुड्डा स्वप्निल और बोनगरी नवीन को एक गुप्त सूचना के बाद अलुरी प्रकाश के घर पर जुआ खेलते हुए पकड़ा गया। फरार आरोपी पुलजले अनिल और जुनारी प्रशांत को आगे की कार्रवाई के लिए सिरपुर (टी) को सौंपा गया। इस ऑपरेशन में टास्क फोर्स के एसआई कंदूरी राजू, हेड कांस्टेबल महमूद, कांस्टेबल विजय, रमेश और होमगार्ड शेखर ने हिस्सा लिया।

सुराराम में सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

तेज रफ़्तार बाइक कार से टकराई, साई कुमार की मौके पर मौत

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात सुराराम इलाके में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना साईंबाबा नगर 'एक्स' रोड के पास उस समय हुई जब तेज रफ़्तार से जा रही केटीएम बाइक एक कार से जा टकराई। पुलिस के अनुसार, हादसे में बाइक चला रहे साई कुमार (38) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पीछे बैठे साथी को गंभीर चोटें आईं। घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए मल्ला रेड्डी अस्पताल ले जाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बाइक काफी तेज गति से चल रही थी और अचानक नियंत्रण खोने के बाद वह कार से टकरा गई। हादसे के बाद कुछ समय तक इलाके में ट्रैफिक जाम लग गया, जिसे पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन हटाकर बहाल किया। सुराराम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि दुर्घटना का कारण तेज रफ़्तार थी या लापरवाही।

कर्ज के बोझ से परेशान किसान ने की आत्महत्या

चेन्नूर में फसल नुकसान और कर्ज न चुका पाने से टूटी उम्मीद

आदिलाबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर कस्बे के महांकालीवाड़ा में सोमवार को एक 60 वर्षीय किसान ने कर्ज के दबाव में आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गडाला मोंडी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने कस्बे के पास एक नाले के पास कीटनाशक पी लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि लगातार फसल खराब होने से मोंडी गहरे तनाव में थे और वे कपास व धान की खेती के लिए लिए गए ऋण को चुकाने में असमर्थ थे। उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी।

स्थानीय किसानों ने बताया कि चुनाव के दौरान श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने गोदावरी नदी पर बाढ़ रोकने के लिए दीवार बनाने का वादा किया था, लेकिन अब तक उस पर कोई कदम नहीं उठाया गया। किसानों ने मंत्री पर अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि फसल नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए और जलवायु के प्रतिकूल प्रभावों से जूझ रहे किसानों की सहायता के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। किसानों ने कहा कि सरकार को जागने से पहले और कितनी जानें जानी पड़ेंगी, यह अब बड़ा सवाल बन गया है।

पूर्व विधायक कोंडा लक्ष्मा रेड्डी का निधन

पत्रकारिता और राजनीति दोनों में निभाई अहम भूमिका

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला के पूर्व विधायक के प्रबंध निदेशक कोंडा लक्ष्मा रेड्डी का सोमवार तड़के हैदराबाद के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे और कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। लक्ष्मा रेड्डी ने 1980 में पत्रकारिता के प्रति अपने जुनून के चलते स्थानीय समाचार एजेंसी एनएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने जुबली हिल्स जर्नलिस्ट्स कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी और हैदराबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

वह अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री कोंडा वेंकट रंगा रेड्डी के पोते थे। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने आंध्र प्रदेश कांग्रेस समिति के प्रवक्ता और शिकायत प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इसके अलावा, वह आंध्र प्रदेश खेल परिषद के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने 1999 और 2014 में हैदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों बार हार का सामना करना पड़ा।

तेलंगाना में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

वलिगोंडा में तीन घंटे में 190 मिमी बारिश दर्ज, कई जिलों में अलर्ट

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार की सुबह हैदराबाद में मौसम धुंधला और बादल भरा रहा, हालांकि शहर में बारिश कम हुई। लेकिन तेलंगाना के कई जिलों में रविवार रात हुई भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। नलगोंडा, यादाद्री-भुवनगिरी, सूर्यापेट, वारंगल, खम्मम और भद्राद्री जिलों के कई इलाकों में बारिश और तेज हवाओं से नुकसान की खबरें हैं।

तेलंगाना राज्य विकास और योजना सोसायटी (टीएसडीपीएस) के अनुसार, वलिगोंडा (यादाद्री-भोंगिर) में पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 190.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसमें से अधिकांश बारिश सिर्फ तीन घंटों में हुई। आत्मकुर में 131 मिमी और मोथकुर में 120.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग (आईएमडी-हैदराबाद) ने सोमवार को भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

महिला की संदिग्ध मौत पर परिवार ने हत्या का आरोप लगाया

अश्विनी की मौत के बाद ससुराल पर विरोध प्रदर्शन और तनाव

सिद्दीपेट, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट के मुलुग मंडल के कोक्कंडा गांव में एक महीने की बच्ची की मां, 23 वर्षीय अश्विनी, सोमवार को अपने घर पर फांसी पर लटकी हुई पाई गई। प्रारंभिक रिपोर्ट में इसे आत्महत्या बताया गया था। हालांकि, अश्विनी के माता-पिता ने आरोप लगाया कि उनके पति और ससुराल वालों ने उसकी हत्या की और इसे आत्महत्या का रूप दिया गया। परिवार और रिश्तेदारों ने आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग ससुराल वालों पर हमला करने की कोशिश करने लगे, जिससे तनाव फैल गया। पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला दर्ज किया और स्थिति को नियंत्रण में किया। अश्विनी के परिवार में एक छह साल का बेटा और एक महीने की बेटी है।

मीट कारोबारियों पर इनकम टैक्स की रेड

4 शहरों में छापेमारी; शकील कुरैशी, इमरान ब्रदर्स के ठिकानों पर 70 गाड़ियों में पहुंचीं टीम

बरेली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में मीट कारोबारियों के ठिकानों पर इनकम टैक्स और जीएसटी टीम ने रेड डाली। सोमवार तड़के टीम संभल, बरेली और हापुड़ पहुंची। अफसर 70 से ज्यादा गाड़ियों में आए और अलग-अलग ठिकानों पर छापा मारा।

संभल और गाजियाबाद में आयकर टीम हाजी इमरान और हाजी इरफान के घर और फैक्ट्री पर पहुंची। इरफान इंडिया फ्रोजन फूड के मालिक हैं। दोनों भाइयों का एक हजार करोड़ के करीब का कारोबार है। कंपनी के 4 बड़े अफसरों के आवास पर भी टीम ने रेड डाली है।

रेली में शकील कुरैशी की कंपनी मार्या फ्रोजन पर छापेमारी की। संभल में इंडिया फ्रोजन जिस बिल्डिंग में चलती है, उसके मालिक शकील कुरैशी हैं। शकील ने 2003 के करीब कारोबार की शुरुआत की थी। उनके ग्रुप की कंपनियां मिडिल ईस्ट, एशिया-पैसिफिक और अफ्रीकी देशों में भी अपने प्रोडक्ट्स भेजती हैं।

ापुड़ में मीट कारोबारी हाजी यासीन के यहां भी रेड चल रही है। उनकी मीट फैक्ट्री गाजियाबाद में है। हापुड़ में ही कारोबारी असलम कुरैशी और वकील नितिन गर्ग के घर पर भी छापा पड़ा है। ये दोनों हाजी यासीन की कंपनी से जुड़े हुए हैं।

आयकर सूत्रों ने बताया कि मीट कारोबारियों के यहां इस छापेमारी में अफसरों के साथ ही करीब 200 कर्मचारियों की टीम लगी है। अभी कुल कितने ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। इसकी डिटेल सामने नहीं आई है।सुरक्षा को देखते हुए संभल, बरेली और हापुड़ में पीएसी मौजूद है।

सपा विधायक ने रामायण जलाने वालों की तारीफ की

कहा- इतिहास पढ़ो, दिमाग खुलेगा, तब बच्चों को कुंभ-अयोध्या नहीं भेजोगे

अम्बेडकरनगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के अंबेडकरनगर में सपा के विधायक और पूर्व परिवहन मंत्री राम अचल राजभर के विवादित बयान का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में राजभर रामायण जलाने वालों की तारीफ करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा- इतिहास पढ़िए। इससे आपके दिमाग का ताला खुल जाएगा। तब आप कुंभ नहीं जाओगे, अयोध्या नहीं जाओगे। अपने बच्चों को स्कूल भेजोगे। तुम्हारा बच्चा आईएएस बनेगा।

वीडियो में राजभर ने सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। 27 सेकेंड के इस वीडियो में वे रामायण को जलाने वालों की तारीफ में कसीदे पढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में पोस्टर पर पीडीए कार्यक्रम लिखा दिखाई दे रहा है। हालांकि, वीडियो कब का और कहां का है, इसकी पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है।

इस वीडियो को लेकर भाजपा और हिंदूवादी संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने राम अचल राजभर के इस्तीफे और उन्हें पार्टी से निष्कासित करने की मांग की है। बता दें कि राम अचल राजभर अकबरपुर विधानसभा से छह बार के लगातार विधायक हैं।

सपा विधायक ने कहा, 'बातें तो बहुत हैं, चाहे संत गार्डगिल हों या पेरियार रामास्वामी नायकर, जो गड़ेरिया पाल बिरादरी के थे, उन्होंने सबसे पहले दक्षिण भारत में रामायण जलाने का काम किया था। पेरियार ललई यादव ने 'सच्ची रामायण' लिखी थी। अरे पढ़िए अपने संतों, महापुरुषों और गुरुओं का इतिहास, तब दिमाग का ताला खुलेगा। तब आप कुंभ नहीं जाओगे, अयोध्या नहीं जाओगे, बल्कि अपने बच्चों को स्कूल भेजोगे, पाठशाला भेजोगे, ताकि वे आईएएस बनें।'

कहा- भाजपा के जितने बड़े नेता, सबके दामाद मुस्लिम

राम अचल राजभर ने कहा कि भाजपा के जितने बड़े नेता हैं, सबके दामाद मुस्लिम हैं। मुरली मनोहर जोशी, लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी की भतीजी, अशोक सिंघल शामिल हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री पर कहा कि एक बाबा हैं, पर्ची खोलते हैं और उनके भाई कट्टा में पकड़ कर जेल गए हैं।

बाबा साहब को अपमानित किया गया

सपा विधायक ने कहा कि बाबा साहब को अपमानित किया गया। देश आजाद हुआ तो दो दावेदार हुए। नंबर एक पंडित जवाहर लाल नेहरू, नंबर दो सरदार बल्लभ भाई पटेल। सबसे ज्यादा वोट सरदार वल्लभभाई पटेल को मिला और प्रधानमंत्री किसको बना दिया गया? कम वोट पाने वाले पंडित जवाहर लाल नेहरू को।

भाजपाई बोले- सनातन पर हमला, माफी मांगें

राम अचल का यह बयान सामने आने के बाद भाजपा नेताओं ने इसे सनातन धर्म के अपमान बताया है। उनकी तरफ से इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी गई। भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. रजनीश सिंह ने कहा- राजभर का यह बयान हिंदू समाज की आस्था पर प्रहार है। सपा को उन्हें तत्काल पार्टी से निकाल देना चाहिए। हालांकि, सपा की ओर से इस विवाद पर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

दरभंगा में मैथिली ठाकुर का स्थानीय लोगों ने किया विरोध

कहा- बाहरी उम्मीदवार स्वीकार नहीं, स्थानीय प्रत्याशी चाहिए

दरभंगा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। दरभंगा के अलीनगर विधानसभा क्षेत्र के कई स्थानीय नेता व भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व को चेतावनी दी है। चेतावनी है कि यदि यहां बाहरी उम्मीदवार को टिकट दिया गया तो वे संगठन से नाराज़ होकर समर्थन वापस ले लेंगे और सामूहिक रूप से इस्तीफा दे देंगे।

स्थानीय नेताओं, ग्रामीणों, भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं का कहना है कि पिछले पांच सालों में क्षेत्र के लोगों को ठगा गया महसूस हुआ और अब वे केवल लोकल, जवाबदेह व सक्रिय प्रतिनिधि चाहते हैं। मैथिली ठाकुर के नाम पर अलीनगर के लोग नाराज दिखे। कार्यकर्ताओं ने बाहरी भागो अलीनगर बचाओ,बाहरी हमें स्वीकार नहीं स्वीकार नहीं स्वीकार नहीं,बाहरी उम्मीदवार हमें बर्दाश्त नहीं आदि नारा लगाया।

विकास के लिए कोई ठोस काम नहीं किए

स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि उनका भरोसा उन नेताओं पर नहीं रहा जिन्होंने पिछले कार्यकाल में इलाके के विकास के लिए कोई ठोस काम नहीं किए। घुरन मुखिया ने कहा कि "पांच साल तक यहां की जनता को जीरो काम मिला - अब लोकल विधायक ही करेंगे; यदि बाहर का प्रत्याशी आता है तो हम पार्टी छोड़ देंगे।"

प्रभाकर झा ने कहा कि स्थानीय विधायक होने पर ही जनता अपनी बात कह पाती है; बाहरी विधायक के आने से जनता का सम्पर्क टूट जाता है। उन्होंने प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व से अपील की कि वे केंद्र से बड़े-बड़े नाम थोपने की मानसिकता से हटकर स्थानीय उम्मीदवार को प्राथमिकता दें।

स्थानीय महिला सुधा देवी ने कहा कि वे मोदी व नीतीश के काम की सराहना करती हैं, पर प्रत्याशी लोकल होना चाहिए; उन्होंने आगाह किया कि "बाहरी को भेजा गया तो अलीनगर की जनता उसका विरोध करेगी और उसे एक वोट भी नहीं मिलेगा।

राष्ट्रीय नेतृत्व से पुनर्विचार की गुहार

सुभाष कुमार यादव ने पिछले चुनावों का हवाला देते हुए कहा कि मिश्रीलाल यादव के कार्यकाल के बाद भी कोई संपर्क व काम नहीं हुआ, इसलिए अब जनता ठगे जाने का अनुभव नहीं दोहराएगी। उन्होंने प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व से पुनर्विचार की गुहार लगाई।

अमित कुमार ने साफ कहा कि स्थानीय कार्यकर्ता किसी भी कीमत पर बाहरी उम्मीदवार को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया व चैनलों में जो नाम (मैथिली ठाकुर) आ रहे हैं, वे क्षेत्र की वास्तविकता से अनभिज्ञ हैं — "उनका राजनीति या क्षेत्र का कोई अनुभव नहीं; ऐसी उम्मीदवार अलीनगर के लिए घातक होगी।"

मैथिली ठाकुर के संभावित नाम पर आपत्ति

कुन्दन कुमार ने भी मैथिली ठाकुर के संभावित नाम पर आपत्ति जताई और पूछा कि किस आधार पर उन्हें यहां से टिकट दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार का स्थानीय ज्ञान, प्रखंड-पंचायत व गांवों की समझ जरूरी है; अन्यथा पार्टी यहां अपना किला खो देगी। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय सातों प्रखंड अध्यक्ष, 61 कार्यसमिति, 38 पंचायत अध्यक्ष, 324 बूथ अध्यक्षों ने मिलकर कथित रूप से निर्णय लिया है कि यदि उम्मीदवारों के ऐलान के तुरंत बाद बाहरी प्रत्याशी का नाम सामने आया तो वे सामूहिक इस्तीफा दे देंगे और भाजपा का साथ छोड़कर अन्य विकल्पों का समर्थन करेंगे।

अब सवाल यह है कि प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व इस चेतावनी को किस तरह लेते हैं — क्या वे अलीपुर में स्थानीय दावेदारों को प्राथमिकता देंगे या बाहर से नाम थोप कर संगठन को जोखिम में डालेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार — आधिकारिक उम्मीदवार की घोषणा से पहले स्थानीय स्तर पर गतिरोध और बातचीत जारी है।

ड्रग्स से युवा जिंदगी खराब कर रहेः अवध यूनिवर्सिटी में राज्यपाल बोलीं

जब टुकड़े किए जाते, तब मां-बाप कहां रहते, लिव-इन रिलेशनशिप चिंता का विषय

अयोध्या, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 125 मेधावी छात्र-छात्राओं को 140 मेडल दिए। यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने मंच से कहा- मित्रों पढ़ना है तो पढ़ो, खूब आगे बढ़ो। लेकिन जो गंदी आदतें हैं उन्हें छोड़ दो। आज पंजाब का युवा नशे की जद में बर्बाद है। इसलिए अपने उज्जवल भविष्य को संवारो। ये सब कुछ अपने माता-पिता के लिए छोड़ दो।

आनंदी बेन पटले ने आगे कहा- उत्तराखंड की धामी सरकार नया नियम लाई है कि अगर लड़के-लड़कियों को लिवइन रिलेशनशिप में रहना है तो माता-पिता की परमीशन लेनी होगी। पता तो चले बेटी कहां रहती है। किसके साथ रहती है। कैसा लड़का है। लड़का क्या करता है। लेकिन अब लोगों ने इसका भी विरोध किया। मैं इसकी विरोधी नहीं हूं।

लिव-इन रिलेशनशिप चिंता का विषय

क्योंकि जब टुकड़ें किए जाते हैं, निकाल दिया जाता है, वीडियो बनाया जाता है, लड़कियों को परेशान किया जाता है तो उस समय ये मां-बाप कहां जाते हैं। ये चिंता का विषय है आज की जेनरेशन और युवा पीढ़ी के लिए। हमें अपने दादा हो, दादी हो, नाना-नानी हो, सास-ससुर हो, माता-पिता हो सबके साथ समय बिताना चाहिए। जीवन में अनुभव ही आपको सिखाता है।

इसके साथ ही उन्होंने यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं को बताया कि स्नातक और परा स्नातक स्तर के 1,89,119 विद्यार्थियों की डिग्रियां और मार्कशीट डिजिलॉकर पर अपलोड की जाएंगी। इससे आपकी डिग्रियां सुरक्षित रहेंगी। आपको हर जगह उन्हें अपने साथ ले जाने की जरूरत नहीं होगी।

राजभर बिहार में एनडीए से अलग होंगे

सीटें नहीं मिलने से नाराज, बोले-153 सीट पर चुनाव लड़ेंगे

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने बिहार में एनडीए से अलग होने की तैयारी कर ली है। वह विधानसभा चुनाव में एनडीए की ओर से एक भी सीट नहीं मिलने से नाराज हो गए हैं। राजभर ने बिहार में एनडीए से अलग होकर अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा- वह बिहार में 153 सीट पर चुनाव लड़ेंगे।

सीट बंटवारे में अलग-थलग पड़े राजभर ने रविवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मुलाकात की थी। राजभर बीमारी के बाद पहली बार पाठक से मिलने पहुंचे थे। बता दें कि राजभर और भाजपा के बीच ब्रजेश पाठक ही समन्वयक की भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन इस बार बात नहीं बनने पर राजभर ने बागी तेवर दिखाए हैं

उन्होंने कहा- बिहार में रहने वाली प्रजापति, राजभर, राजबंशी जातियों की आबादी 20 से लेकर 80,000 वोटों की है, लेकिन Snz(रामविलास), भाजपा, आरजेडी और जेडीयू, सभी का कहना है कि वे उनके वोट हैं। ऐसे में हम एक मोर्चा बनाकर वहां लड़ेंगे। राजभर ने कहा- जब उपचुनावों में मदद की जरूरत थी, तो हम बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल मदद की गुहार लगा रहे थे। हमने विनोद तावड़े और जेपी नड्डा को अपनी बात बताई। उन्होंने स्वीकारा। हमने गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की और उन्हें अपने कार्यक्रमों की सूची दी।

जब चुनाव आएंगे, तो हम साथ बैठकर फैसला करेंगे

उन्होंने कहा- जब चुनाव आएंगे, तो हम साथ बैठकर फैसला करेंगे और मिलकर लड़ेंगे। हमने उन पर भरोसा किया, धर्मेंद्र प्रधान और अन्य लोगों से बात की और सभी ने आश्वासन दिया।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा- भारतीय समाज पार्टी फिलहाल वहां अकेले चुनाव लड़ने के लिए बातचीत कर रही है। हम प्रेमचंद प्रजापति और कुछ अन्य लोगों से बात कर रहे हैं। हम एक मोर्चा बनाकर वहां लड़ेंगे। हम 153 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

दुकान में आग के बाद 3 सिलेंडर में ब्लास्ट

बेतिया में धमाके के बाद 15 फीट दूर गिरे लोग

4 झुलसे; 1 कि.मी दूर तक सुनाई दी आवाज

बेतिया, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेतिया में सोमवार सुबह एक मिठाई दुकान में आग लग गई। आग से दुकान में रखे 3 सिलेंडर एक-एक कर ब्लास्ट हुए। आग ने आसपास की 3 दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने पहुंचा पुलिसकर्मी समेत 4 लोग झुलसे हैं। मौके पर मौजूद रोहित ने बताया कि, दुकान में आग लगने के बाद आसपास के लोग काबू पाने में जुट गए। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी भी इसी काम में लगे थे। तभी दुकान में रखे 3 सिलेंडर एक-एक कर ब्लास्ट हुए।

धमाका इतनी तेज था कि रेस्क्यू में लगे लोग 15 फीट दूर जाकर गिरे। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसकी आवाज करीब 1 किमी दूर तक सुनाई दी। 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से 3 दुकानों में 10 लाख का नुकसान हुआ है। घटना मझौलिया गांव की है। चीनी मिल बाबू क्वार्टर के सामने मिठाई दुकान में ये आग लगी थी। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि, 'दुकानदार बृजलाल साह का बेटा संदीप साह सुबह करीब 9 बजे मिठाई तैयार कर रहा था, तभी अचानक गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हुआ। एक के बाद एक कुल तीन सिलेंडर ब्लास्ट हुए। जिससे आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते आग ने पास स्थित आशीष कुमार की मिठाई दुकान और सुरेश साह की किराना दुकान को अपनी चपेट में ले लिया।' आग बुझाने के दौरान मझौलिया थ ाने के ड्राइवर अविनाश कुमार झुलसे हैं। मनीष कुमार उर्फ मोनू और जितेंद्र साह भी हादसे में झुलसे हैं। सभी को तुरंत स्थानीय सीएचसी मझौलिया में भर्ती कराया गया। यहां से पुलिसकर्मी को जीएमसिएच रेफर किया गया है।

पवन सिंह की पत्नी चुनाव लड़ेंगी

पिता बोले- बेटी को एक्टर अपना लें तो इलेक्शन नहीं लड़ेंगी; हाल ही में पीके से मिली थीं ज्योति

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी। ज्योति के पिता रामबाबू सिंह ने बताया कि पवन यदि उसे फिर से अपना लें तो ज्योति चुनाव नहीं लड़ेगी।

किस सीट से और किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगी, यह जल्द तय होगा। हालांकि, काराकाट सीट बेटी को पसंद है। इस सीट के लोगों का ज्योति से नाता तब बना, जब उन्होंने लोकसभा चुनाव में पवन सिंह के लिए प्रचार किया। हाल ही में ज्योति सिंह ने जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से पटना में मुलाकात की थी।

इधर, बीजेपी में वापसी करने के बाद पावर स्टार पवन सिंह ने बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। 11 अक्टूबर को पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं पवन सिंह अपने भोजपुरिया समाज को बताना चाहता हूं कि मैंने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी जॉइन नहीं की थी। न ही मुझे विधानसभा चुनाव लड़ना है। मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं और रहूंगा।'

पवन सिंह भोजपुरी एक्टर और सिंगर हैं। उनके गीत 'लॉलीपॉप लागेलू' से लेकर 'कमरिया हिला रही है' तक ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई।

उनका जन्म 5 जनवरी 1986 को बिहार के आरा में हुआ। 1997 में उन्होंने पहला एल्बम रिलीज किया और 2008 में आया उनका गाना 'लॉलीपॉप लागेलू' भोजपुरी संगीत का ग्लोबल हिट साबित हुआ।

भोजपुरी फिल्मों प्रतिज्ञा, क्रैक फाइटर, धड़कन, हर हर गंगे आदि ने उन्हें भोजपुरी सिनेमा का सबसे चर्चित नाम बना दिया।

बेटा एनकाउंटर में मारा गया

पिता बोले- अच्छा हुआ, मेरठ में शहजाद के सीने में गोली लगी, 7 साल की बच्ची से गैंगरेप किया था

मेरठ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में गैंगरेप के आरोपी को मार गिराया। मुठभेड़ सरुरपुर थाना क्षेत्र के जंगलों के पास हुई। पुलिस से घिरता देख बदमाश ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। गोली लगने से 25 हजार का इनामी शहजाद उर्फ निक्की (34) ढेर हो गया। उसके सीने में गोली लगी। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया- बदमाश मेरठ के बहसूमा में मोहम्मदपुर शकिस्त का रहने वाला था। उस पर गैंगरेप, छेड़छाड़, पॉक्सो, चोरी के सात मुकदमे दर्ज हैं। इसने 7 साल की एक बच्ची से दोस्त के साथ मिलकर रेप किया था। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर की आधी रात बाद 12.47 बजे शहजाद ने उस रेप पीड़ित बच्ची के घर बहसूमा में जाकर दो फायर किए थे। फायरिंग के 30 घंटे में ही शहजाद एनकाउंटर में मारा गया। यूपी में पिछले आठ घंटे में यह दूसरा और 16 दिन में 7वां एनकाउंटर है, जहां बदमाशों को ढेर कर दिया गया है।

शहजाद के पिता रहीसुद्दीन और मां नसीमा ने बेटे की डेडबॉडी लेने से इनकार कर दिया है। दोनों ने कहा- हमें ऐसे दरिंदे बेटे से कोई मतलब नहीं है। उससे हमने 15 साल पहले ही रिश्ते खत्म कर दिए थे, मेरे लिए वो 15 साल पहले ही मर चुका था। उसे पुलिस ने सही सजा दी है। पुलिस ही लावारिस में उसे दफना दे। एसएसपी ने बताया- रविवार दिन में रेप पीड़ित बच्ची के परिजनों ने बहसूमा थाने में आरोपी शहजाद पर हत्या की धमकी देने और फायरिंग करने की शिकायत की। इसके बाद से पुलिस की टीमें लगाई गईं। रात को एसओजी की टीम भी बदमाश की तलाश में लग गई।

बिहार में थर्ड फ्रंट की तैयारी, चेहरा होंगे तेजप्रताप ?

ओवैसी, पारस, तेजप्रताप और चंद्रशेखर की पार्टी के साथ चुनाव लड़ने की चर्चा

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में तीसरे मोर्चे की आहट तेज हो गई है। एनडीए में सीट शेयरिंग हो चुकी है। महागठबंधन में चल रही खींचतान के बीच अब एक नए गठबंधन की सुगबुगाहट सामने आई है।

सूत्र की माने को ओवैसी की पार्टी AIMIM, पशुपति पारस की पार्टी रालोजपा (RLJP), चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आज़ाद समाज पार्टी और तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल को साथ लाने की कवायद जारी है। अगर यह प्रयास सफल होता है, तो बिहार में तीसरी शक्ति के रूप में एक नया गठबंधन चुनावी मैदान में उतर सकता है।

जानकारी के अनुसार एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान और रालोजपा प्रमुख पशुपति पारस के बीच हाल ही में फोन पर बातचीत हुई है। इस बातचीत में संभावित गठबंधन की दिशा, सीटों की रणनीति और साझा एजेंडा पर चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने एक राजनीतिक विकल्प तैयार करने की जरुरत पर सहमति जताई है।

थर्ड फ्रंट में लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल को भी इस नए मोर्चे में शामिल करने की पहल चल रही है।

बताया जा रहा है कि उन्हें एक महत्वपूर्ण भूमिका देने का प्रस्ताव दिया गया है। चर्चा ये भी है कि तेजप्रताप को गठबंधन का चेहरा बनाने की संभावना पर भी विचार हो रहा है। अभी उनकी पार्टी से बातचीत जारी है।

पारस ने ठुकराया राजद में विलय का ऑफर

रविवार को रालोजपा की मीटिंग हुई। खबर है कि मीटिंग के बाद पारस ने पार्टी के नेताओं को बताया कि महागठबंधन में रालोजपा को 4 सीट ऑफर की गई है। 4 सीट हमारी पार्टी के लिए काफी नहीं है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि लालू यादव ने पारस को राजद में विलय का ऑफर दिया है। बैठक में पशुपति पारस और सूरजभान सिंह के सामने पार्टी नेताओं ने RJD में विलय का विरोध तो किया ही, साथ ही सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़े। आगे क्या करना है, यह फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस पर छोड़ दिया गया। पारस ने कहा कि एक-दो दिन में तय कर लेंगे।

पारस ने बैठक में सबको बताया कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की पार्टी उनके संपर्क में है। रालोजपा अब उनके साथ गठबंधन की बात आगे बढ़ाएगी। बैठक के बाद पारस ने पत्रकारों से इतना ही कहा है कि 17 अक्टूबर तक समय है, परसों तक बताएंगे। बता दें कि 17 अक्टूबर को पहले चरण के नामांकन का आखिरी दिन है। एआईएमआईएम ने बिहार विधान चुनाव के ऐलान से पहले राजद के साथ गठबंधन करने की पेशकश की थी। बकायदा प्रदेश अध्यक्ष एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने लालू यादव को चिट्ठी लिखकर महागठबंधन में शामिल कराने की बात कही थी, लेकिन राजद ने इसका कोई जवाब नहीं दिया था।

फतेहपुर में सिपाही ने पिता की पीट-पीटकर हत्या की

फिर लाश के पास बैठा रहा, मां-भाई पर भी किया हमला

फतेहपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। फतेहपुर में सिपाही बेटे ने पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पिता से पैसे मांगे थे। मना करने पर गुस्से में धक्का देकर गिरा दिया। फिर ईंट से सिर कूचकर मार डाला। आरोपी ने पिता को बचाने आई मां को भी धक्का दिया। भाई और भाभी पर भी हमला किया। हमले में भाई को गंभीर चोटें आई हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद वह शव के पास ही बैठा रहा। सूचना पर पुलिस पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ FIR दर्ज कर ली गई है। आरोपी वर्तमान में कन्नौज में सिपाही के पद पर तैनात है। मामला रविवार को हुसैनगंज थाना क्षेत्र के गौरा चुरियारा गांव का है। मृतक की पहचान किशोर चंद्र पटेल (70) के रूप में हुई। वो हुसैनगंज थाना क्षेत्र के गौरा चुरियारा गांव में परिवार के साथ रहते थे। किशोर 2000 में ग्राम प्रधान थे। उनके पास 16 बीघा जमीन है। इसलिए वो खेती किसानी करते थे। उनके दो बेटे आनंद प्रकाश (28) और आदित्य पटेल (26) हैं।

आनंद उर्फ काका पिता के साथ खेती के काम में मदद करता था। हुसैनगंज कस्बे में टाइल्स की दुकान चलाता था। आदित्य 2018 में यूपी पुलिस में सिपाही के पद चयनित पर हुआ था। वर्तमान में वह कन्नौज में तैनात था। आदित्य ने 2021 में ज्योति पटेल नाम की लड़की से लव मैरिज की। दोनों की डेढ़ साल की एक बेटी है। ज्योति, कन्नौज में विकास भवन में कार्यरत हैं। किशोर चंद्र पटेल की बहनें हैं। प्रीति पटेल की शादी हाडिया प्लंहा, थाना हुसैनगंज में हुई थी। जबकि, शालू पटेल की शादी हरसिंगपुर गांव, थाना बिंदकी, जिला फतेहपुर में हुई थी। आरोपी बेटा आदित्य फसल की आमदनी लेने घर आता था। जब भी वह घर आता, पिता के साथ विवाद हो जाता था।

आईआरसीटीसी घोटाले में लालू-राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ आरोप तय

तेजस्वी बोले- शाह ने एक महीने पहले धमकी दी थी चुनाव लड़ने लायक नहीं छोड़ेंगे

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को आईआरसीटीसी घोटाले में आरोपी माना। अब तीनों के खिलाफ केस चलेगा। कोर्ट ने कहा, 'लालू की जानकारी में टेंडर घोटाले की पूरी साजिश रची गई। टेंडर में उनका हस्तक्षेप था। इससे लालू परिवार को फायदा हुआ।' उधर लालू ने इन आरोपों को निराधार बताया। यह मामला रांची और पुरी स्थित आईआरसीटीसी की 2 होटलों के टेंडर में भ्रष्टाचार से जुड़ा है। बिहार चुनाव के बीच यह फैसला लालू और आरजेडी के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

इससे पहले लालू व्हील चेयर पर कोर्ट पहुंचे। राबड़ी और तेजस्वी भी उनके साथ थे। लैंड फॉर जॉब्स मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में आज फैसला टला। कोर्ट अब 10 नवंबर को फैसला सुनाएगा। इधर, सुनवाई के बाद तेजस्वी यादव ने X पर लिखा- 'जब तक दंगाई और संविधान विरोधी बीजेपी सत्ता में है और मेरी उम्र है बीजेपी से लड़ते रहेंगे। एक महीना पहले बिहार आकर गृहमंत्री अमित शाह जी हमें धमकी दे रहे थे कि हमको चुनाव लड़ने लायक नहीं छोड़ेंगे। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। हम बिहारी है बिहारी, बाहरी से नहीं डरते।'

तेजस्वी यादव ने कहा, 'हम इस मामले की कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हमने शुरू से ही कहा था कि जैसे-जैसे चुनाव करीब आएंगे, ऐसी बातें होंगी। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं और अदालत में

अपनी बात रखेंगे। जिस व्यक्ति ने रेलवे को 90,000 करोड़ रुपए का मुनाफा दिया, जिसने हर बजट में किराया घटाया, वह ऐतिहासिक रेल मंत्री के रूप में जाने जाते हैं। हार्वर्ड और IIM के छात्र लालू जी से सीखने आए थे। उन्हें मैनेजमेंट गुरु कहा जाता है। बिहार और देश की जनता सच्चाई जानती है।'

लालू,राबड़ी और तेजस्वी पर केस चलेगा। लालू यादव पर भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप है। इसके अलावा, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120B (आपराधिक साजिश) के तहत आरोप लगे हैं। अगर तीनों के खिलाफ आरोप साबित हुए तो इन्हें एक से 7 साल तक की सजा हो सकती है।ज़मीन के बदले रेलवे में नौकरी से जुड़े लैंड फॉर जॉब स्कैम में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला टल गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट मे 10 नवंबर को आरोप तय करने पर फैसला आ सकता है।

सीबीआई ने कहा था कि इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है, कुछ सेल डीड को छोड़कर, ज़मीन की खरीद के लिए ज़्यादातर पैसों का लेनदेन कैश में हुआ। सीबीआई ने मामले में IPC की धारा 120, 420, 468, 467, 471 और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 1988 की धारा 11,12,13,,8,9 के तहत चार्जशीट दाखिल की थी।

सुप्रीम कोर्ट से गायिका नेहा सिंह राठौर को नहीं मिली राहत

प्राथमिकी रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर गायिका और कार्यकर्ता नेहा सिंह राठौर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और उन्हें मुकदमे का सामना करने को कहा। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रही है। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि इस समय वह 'विद्रोह के आरोप' (भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने) के

मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने उन्हें आरोप तय करते समय ये मुद्दे उठाने की भी स्वतंत्रता दी। गायिका ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 19 सितंबर के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। प्राथमिकी में राठौर पर एक खास धार्मिक समुदाय को निशाना बनाने और देश की एकता को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने अप्रैल के आखिरी हफ्ते में हजरतगंज थाने में अभय प्रताप सिंह नाम के एक व्यक्ति द्वारा अपने खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी को चुनौती दी थी। सिंह ने राठौर पर 'धार्मिक आधार पर एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की बार-बार कोशिश' करने का आरोप लगाया था।

राठौर ने अपनी याचिका में दलील दी कि उन्हें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत फंसाया गया है, जिसमें सांप्रदायिक नफरत को बढ़ावा देना, सार्वजनिक शांति को भंग करना और भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालना शामिल है। उन पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत भी आरोप हैं।

पुलिस की गोली पैर में ही क्यों लगती है?

सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने एनकाउंटर को फर्जी बताया

हाथरस, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के मुरसान थाना पुलिस ने 3 दिन पहले एक युवक को लूट की घटना के आरोप में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। इस मुठभेड़ में पुलिस ने आरोपी ओमवीर सिंह उर्फ सोनू के पैर में गोली मारी थी। वहीं, उसके साथी देवा को गिरफ्तार किया था। अब इस मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं और मामले में जमकर राजनीति शुरू हो गई है। पुलिस एनकाउंटर में घायल युवक जाट समुदाय से है, इसलिए जाट समाज एकजुट हो गया और मुरसान थाना पुलिस पर कार्रवाई की मांग करते हुए मुठभेड़ में पकड़े गए दोनों युवकों को निर्दोष बता रहा है।

वहीं, इस मामले में आज

(सोमवार) थाना इगलास के गांव बड़ा नगला में पहुंचे समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने हाथरस पुलिस के इस एनकाउंटर को फर्जी बताया। साथ ही एनकाउंटर में शामिल दोषी पुलिस वाले पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि पुलिस शरीफ आदमी को अपराधी बना रही है। जल्द इसमें प्रभावी कार्रवाई की जाए अगर कुछ नहीं होता तो हम जगह-जगह पंचायत करेंगे। इस फर्जी मुठभेड़ के खिलाफ आंदोलन करेंगे। जब तक दोषी पुलिस कर्मी दंडित नहीं हो जाएंगे, तब तक चुपचाप नहीं बैठेंगे। पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोली पैरों में ही लगती है और कही नहीं लगती। विशुद्ध रूप से यह फर्जी एनकाउंटर है।

वहीं, इस मामले में अन्य राजनीतिक दलों ने आज जिलाधिकारी हाथरस को एक ज्ञापन सौंपते हुए दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और मुठभेड़ में घायल हुए युवक को तत्काल रिहा करने की मांग की है। वहीं, जिलाधिकारी राहुल पांडे ने मामले में जांच का आश्वासन दिया है।

भोपाल में 100 मीटर सड़क धंसी

हादसे के बाद एक लेन का ट्रैफिक रोका गया

भोपाल, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोपाल के बिलखिरिया के पास एक सड़क का करीब 100 मीटर का हिस्सा धंस गया। इसके बाद एक तरफ का रास्ता बंद करा दिया गया है। यह सड़क एमपीआरडीसी की है, जो इंदौर, होशंगाबाद, जबलपुर, जयपुर, मंडला, सागर को जोड़ती है।

घटना सोमवार दोपहर 12 से 1 बजे के बीच की है। मंडीदीप से ईंटखेड़ी की ओर जाने वाला ब्रिज के पास का हिस्सा करीब 100 मीटर धंस गया है। गनीमत रही की इस दौरान वहां से कोई नहीं गुजर रहा था। रिटेनिंग वॉल गिरने का वीडियो भी सामने आया है।

सूचना मिलते ही मध्यप्रदेश

सड़क विकास निगम के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षतिग्रस्त क्षेत्र को बैरिकेड कर दिया गया है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। फिलहाल, सड़क धंसने के कारणों की जांच के साथ ही मरम्मत शुरू कर दी गई है।

सूखी सेवनिया थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि ब्रिज धंसने के बाद ट्रैफिक को डायवर्ट किया है। मौके पर पुलिस बल की भी तैनाती की है।

जिस किसान आशीष यादव के खेत के किनारे ये सड़क धंसी है, उनका कहना है कि हर साल यहां मेंटेनेंस का काम चलता रहता है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जाता। यदि समय रहते मेंटेनेंस किया जाता तो यह सड़क नहीं धंसती।

घटना पर एमपीआरडीसी ने जांच दल गठित किया है, जिसमें मुख्य अभियंता बीएस मीणा, जीएम मनोज गुप्ता और जीएम आरएस चंदेल शामिल हैं।

यह दल आर-ई वॉल के धंसने के कारणों की तकनीकी जांच कर जल्द ही अपनी रिपोर्ट शासन को देगा। इसके आधार पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

सिंगर जुबीन की मौत, सिंगापुर से एनआरआई असम पहुंचे

पुलिस ने पूछताछ शुरू की, कहा- जुबीन की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पब्लिक नहीं होगी

गुवाहाटी, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के समय मौके पर मौजूद रहे तीन और एनआरआई (असम के रहने वाले) सोमवार को असम पहुंचे। पुलिस ने इन्हें दूसरा नोटिस भेजा था। पुलिस की सीआईडी ब्रांच ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। स्पेशल डीजी मुन्ना प्रसाद गुप्ता कहा- जिओलंगसत नारजारी, परीक्षित शर्मा और सिद्धार्थ बोरा सुबह मुख्यालय पहुंचे, जबकि एक अन्य प्रवासी भास्कर ज्योति दत्ता भी शाम तक पहुंच सकते हैं।

वहीं, पुलिस ने जुबीन की पोस्टमॉर्टम और विसरा रिपोर्ट पर चर्चा के लिए सिविल सोसाइटी के मेंबर्स को मंगलवार को शाम 4 बजे बुलाया है। पुलिस ने कहा- हम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पब्लिक नहीं करेंगे, इस पर चुनिंदा लोगों से ही बातचीत होगी। हालांकि पुलिस ने उन लोगों के नाम नहीं बताए जिन्हें बुलाया गया है।

सिंगर जुबीन की 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र में डूबने से मौत हो गई थी। उस वक्त जुबीन नाव में कुल 17 लोगों के साथ सवार थे। इस केस में अब तक 7 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

इनमें जुबीन के चचेरे भाई डीएसपी संदीपन गर्ग, मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, को-सिंगर अमृतप्रभा महंत, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकनु महंत, बैंड के ड्रम मास्टर शेखर ज्योति गोस्वामी शामिल हैं।

डांस फ्लोर पर नाचती महिला की हार्ट अटैक से मौत

बरनाला, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के बरनाला में करवा चौथ की पार्टी में नाचते वक्त महिला को अचानक हार्ट अटैक आ गया। वह वहीं गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। यह मामला करवा चौथ की रात का है। लेकिन अब इसका वीडियो सामने आया है। जिस वक्त महिला को हार्ट अटैक आया, उससे थोड़ी देर पहले वह पंजाबी सिंगर हरभजन मान के गाने 'मौज मस्तियां मार, पता नहीं की होणे, कल सुबा नूं यार, पता नहीं की होणे (मौज-मस्ती करो पता नहीं क्या होगा, कल सुबह को पता नहीं क्या होगा) पर जमकर नाच रही थी। हार्ट अटैक के तुरंत बाद पति उसे अस्पताल लेकर गया। लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि उसकी पहले ही मौत हो चुकी है।

बिहार चुनाव से पहले विपक्ष को बड़ा झटका

'वोट चोरी' के आरोपों की नहीं होगी एसआईटी जांच, एससी ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने सोमवार को बेंगलुरु सेंट्रल और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों की जांच के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अपनी याचिका भारतीय निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। पीठ ने आदेश देते हुए कहा कि हमने याचिकाकर्ता के वकील की बात सुनी है और हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं, जो कथित तौर पर जनहित में दायर की गई है। याचिकाकर्ता को हम सलाह देते हैं कि वे चुनाव आयोग के समक्ष अपनी याचिका प्रस्तुत कर सकते हैं। याचिकाकर्ता के वकील रोहित पांडे, जो पेशे से वकील हैं, ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग के समक्ष अपना अभिवेदन पहले ही दाखिल कर दिया है, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग द्वारा याचिका पर निर्णय लेने के लिए एक समय सीमा निर्धारित करने का अनुरोध किया, जिसे पीठ ने अस्वीकार कर दिया।

याचिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से चुनावों में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी₹ होने का विस्फोटक दावा किया था और इसे वोट चोरी करार दिया था। उन्होंने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची के विश्लेषण का हवाला दिया था। याचिका में सर्वोच्च न्यायालय से यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि अदालत के निर्देशों का पालन होने और मतदाता सूचियों का स्वतंत्र ऑडिट पूरा होने तक मतदाता सूचियों में कोई और संशोधन या अंतिम रूप न दिया जाए।

महंगा हुआ गोल्ड तो बढ़ गई तस्करी, केरल एयरपोर्ट पर लावारिस पड़ा मिला 73 लाख का सोना

तिरुवनंतपुरम, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। : कुछ समय की शांति के बाद सोने के तस्कर फिर से एक्टिव हो गए हैं और केरल के हवाई अड्डों पर तस्करी की गतिविधियां बढ़ गई हैं। सीमा शुल्क और राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने रविवार को तिरुवनंतपुरम और कोच्चि एयरपोर्ट पर तस्करी का सोना जब्त किया। तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर पहुंचे एक यात्री से 360 ग्राम सोना जब्त किया गया। वहीं, कोच्चि के सीमा शुल्क आयुक्तालय द्वारा जारी एक बयान में अधिकारियों ने कहा कि हाल में एयरपोर्ट के माध्यम से सोने की तस्करी के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बयान में कहा गया है कि रुझान सोने की तस्करी में फिर से वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। प्रतीत होता है कि सोने की ऊंची कीमतों के कारण तस्करी की गतिविधियां बढ़ी हैं।

सोना छिपाने के अनोखे तरीके अपना रहे तस्कर

सीमा शुल्क के अनुसार, पिछले हफ्ते तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर अलग-अलग घटनाओं में 1.6 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी के प्रयास में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था। बयान में कहा गया है, ''तस्कर अपने शरीर या कपड़ों में सोना छिपाने के अनोखे तरीके अपना रहे हैं। सोने को मोतियों या मनकों के हार के रूप में छिपाने का भी एक मामला सामने आया है।'' बयान में कहा गया है, ''सीमा शुल्क विभाग सतर्क है और तस्करी की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए हवाई अड्डों पर अपनी निगरानी और प्रवर्तन उपायों को और मजबूत कर रहा है।''

जनवरी से जुलाई के बीच सामने आए 87 मामले

डीआरआई ने रविवार को कोच्चि एयरपोर्ट पर एक विमान में लावारिस हालत में पड़ा 630 ग्राम सोना बरामद किया। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जुलाई के बीच केरल में लगभग 32 करोड़ रुपये मूल्य के 40.6 किलोग्राम सोने की जब्ती के 87 मामले सामने आए। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा सोने पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने के बाद सोने की तस्करी में कमी आई थी, लेकिन सोने की कीमतों में हालिया वृद्धि के कारण यह रुझान उलटता दिख रहा है। एक अधिकारी ने कहा, ''मौजूदा उछाल सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण है। कीमत कम होने पर तस्करी में भी कमी आने की संभावना है।'

महागठबंधन में सीट बंटवारे पर सस्पेंस!

आरजेडी-कांग्रेस की इस फॉर्मूले पर बन सकती है बात

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने सीट बंटवारा कर लिया है। इस बीच महागठबंधन (इंडिया गठबंधन) की सीट शेयरिंग को भी लेकर सस्पेंस खत्म हो गया है। सूत्रों का कहना है कि, राजधानी दिल्ली में दो दिन चली बैठकों के दौर के बाद सीटों का बंटवारा फाइनल हो गया है। रविवार रात को दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की बैठक हुई। इसके बाद दूसरे दौर की बैठक सोमवार को छत्तीसगढ़ की राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम के घर हुई। इस बैठक में राजद की तरफ से तेजस्वी यादव, सांसद संजय यादव और मनोज झा शामिल हुए। जबकि कांग्रेस की तरफ से संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम, सीएलपी शकील अहमद मौजूद रहे।सोमवार रात को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव अपने परिवार के साथ पटना के लिए रवाना होंगे। इसके बाद वे अपने निवास पर पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। फिर तेजस्वी मंगलवार शाम तक महागठबंधन के अन्य घटक दलों के नेताओं के साथ मिलकर सीट शेयरिंग की आधिकारिक घोषणा करेंगे। गठबंधन सूत्रों के मुताबिक, दो दिनों की बैठक में सभी दलों के बीच सीटों पर सहमति बन चुकी है, बस औपचारिक एलान बाकी है। उम्मीदवारों के नामों पर भी चर्चा लगभग पूरी हो चुकी है। इस बीच वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी को भी दिल्ली बुलाया गया है। सूत्रों की माने तो मुकेश सहनी को राजद ने 18 सीट का ऑफर दिया है। इन 18 सीटों में से राजद ने 10 अपने उम्मीदवार बनाने की शर्त रखी है। यानी 8 उम्मीदवार मुकेश सहनी के होंगे और 10 उम्मीदवार राजद के होंगे, जो वीआईपी के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगे। बताया जा रहा है कि राजद ने साहनी को साफ कर दिया है, अगर चुनाव लड़ना है तो इसी शर्त पर लड़ना होगा। सूत्रों का कहना है कि, आरजेडी के नेताओं की बैठक के बाद मंगलवार को कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो सकती है। इसके बाद संभव है कि पार्टी अपने कोटे की सभी सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी। बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू का कहना है कि, सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जल्द ही उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी जाएगी। हमारी कोशिश बिहार की जनता के लिए एक अच्छी सरकार बनाने की है। जिससे गठबंधन को भी नुकसान न हो और बिहार को फायदा हो।

दूसरी तरफ सीट शेयरिंग से पहले लेफ्ट ने सीटों पर उम्मीदवारों को सिंबल देना शुरू कर दिया है।

घोसी से रामबली यादव, तरारी से मदन सिंह चंद्रवंशी और पटना के दीघा से दिव्या गौतम, अगिआंव से शिव प्रकाश रंजन, आरा से क्यामुद्दीन अंसारी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, राजद ने भी नामांकन शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को निर्देश दिया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने बिहार की सत्ता से एनडीए को हटाने के लिए आरजेडी और कांग्रेस से त्याग की भावना दिखाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के बिहार विधानसभा चुनाव का नामांकन शुरू हो गया है, लेकिन महागठबंधन में अभी तक सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है।

इससे महागठबंधन के कार्यकर्ताओं में मायूसी छाई है। महागठबंधन के अंदर सीटों का जो फॉर्मूला तय हुआ है, उसके मुताबिक आरजेडी को सबसे बड़ा हिस्सा मिला है- यानी 134 सीटें। जबकि कांग्रेस को 54, वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) को 18, सीपीआई (एमएल) को 22, सीपीआई को 4, सीपीएम को 6, झारखंड मुक्ति मोर्चा को 2, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी को 3 और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी को 2 सीटें मिलने की बात सामने आई है।

आईपीएस सुसाइड में केंद्रीय राज्यमंत्री ने बताया पेंच कहां फंसा

आईएएस पत्नी बोलीं- डीजीपी हटाकर गिरफ्तारियां हों

चंडीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और दिवंगत IPS वाई पूरन कुमार की पत्नी IAS अमनीत पी. कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने IPS के परिवार को पोस्टमॉर्टम के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन IAS पत्नी ने साफ कह दिया कि हरियाणा के DGP शत्रुजीत कपूर को हटाने और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही पोस्टमॉर्टम हो सकेगा।

वहीं, जब केंद्रीय राज्यमंत्री ने सीएम सैनी से मुलाकात कर अफसरों को गिरफ्तार करने की बात कही तो सीएम ने पहले पोस्टमॉर्टम करवाने की बात कही। बाद में मंत्री ने कहा कि वह IPS सुसाइड केस में परिवार को न्याय दिलाने पहुंचे हैं। यह उनकी जिम्मेदारी बनती है।

बता दें कि 7 अक्टूबर को IPS

अफसर वाई पूरन कुमार ने अपने घर के बेसमेंट में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने एक नोट छोड़ा, जिसमें हरियाणा के DGP समेत कई IAS-IPS अफसरों के नाम हैं। परिवार इन अफसरों पर कार्रवाई पर अड़ा है, जबकि प्रशासन परिवार की सहमति से शव का पोस्टमॉर्टम करवाना चाहता है।

IPS की पत्नी को पोस्टमॉर्टम के लिए मनायाः केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि उन्होंने सबसे पहले IPS के परिवार से मुलाकात की। वह IPS की IAS पत्नी अमनीत पी. कुमार के सेक्टर 24 स्थित आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने IAS अमनीत से मुलाकात कर उन्होंने IPS के शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए मनाया।

IAS पत्नी डीजीपी को हटाने पर अड़ीं: मंत्री ने बताया कि IAS अमनीत नहीं मानीं। उन्होंने सीधे कहा कि पहले हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को पद से हटाया जाए। साथ ही बाकी सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। इसके बाद ही पोस्टमॉर्टम के लिए आगे बढ़ा जाएगा। मंत्री ने बताया कि वह परिवार से दोबारा मुलाकात करेंगे।

मंत्री आठवले ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ भी करीब 40 मिनट तक बैठक की। उन्होंने आश्वासन दिया है कि IPS सुसाइड केस में पूरी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही CM सैनी ने कहा कि उससे पहले बॉडी का पोस्टमॉर्टम होना जरूरी है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि आईपीएस अधिकारी को प्रताड़ित करने वाले पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार कर उन्हें सस्पेंड किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईपीएस पूरन कुमार के फाइनल नोट में जिन लोगों के नाम लिखे हैं, कार्रवाई इसी के आधार पर होगी।

दिलीप बिल्डकॉन पर इनकम टैक्स की रेड

अमृतसर से भोपाल आई टीम, 2 ठिकानों पर सर्चिंग; कंपनी के पास मेट्रो समेत कई बड़े प्रोजेक्ट

भोपाल, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने सोमवार सुबह दिलीप बिल्डकॉन और उससे जुड़े सहयोगियों के ठिकानों पर रेड मारी है। अमृतसर से आई इनकम टैक्स टीम भोपाल में दो जगहों पर दस्तावेज खंगाल रही है। दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के मालिक दिलीप सूर्यवंशी के चूनाभट्टी स्थित दफ्तर पर भी सर्चिंग की जा रही है। पंजाब के चंडीगढ़ रीजन के आयकर विभाग की डीजी इन्वेस्टिगेशन बत्सला झा ने दैनिक भास्कर से बातचीत में दिलीप बिल्डकॉन के भोपाल में दो ठिकानों में छापे की पुष्टि की है।

अमृतसर की आईटी टीम ने एमपी एसएएफ की मदद ली है। लोकल पुलिस या केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को नहीं बुलाया है। अमृतसर से आई टीम ने इस छापेमारी में भोपाल के विभागीय अफसरों को साथ नहीं लिया है। सोमवार सुबह से चल रही इस कार्रवाई की जानकारी मीडिया में आने के बाद स्थानीय अफसरों के संज्ञान में आई है।

भोपाल मेट्रो रेल का ठेका दिलीप बिल्डकॉन के पास है। कंपनी को हाल ही में केरल में बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। इसके अलावा गुरुग्राम मेट्रो का काम दिलीप बिल्डकॉन और रंजीत बिल्डकॉन को 1,503.63 करोड़ में मिला है, जिसमें मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी

दिलीप सूर्यवंशी

तक 26.65 किमी के कॉरिडोर में वायडक्ट और 14 एलिवेटेड स्टेशन का निर्माण शामिल है।

डीबीएल को मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित (एमपीजेएनएम) से स्वीकृति पत्र (एलओए) मिला है। यह कैप्टिव मोड के तहत 100 मेगावाट की ग्रिड-कनेक्टेड ग्राउंड-माउंटेड सौर फोटोवोल्टिक परियोजना के विकास के लिए है।

दिलीप बिल्डकॉन के कार्यक्षेत्र में सौर परियोजना की डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है। इसमें 25 वर्षों तक संचालन और रखरखाव सेवाएं प्रदान करना भी शामिल है।

चालू होने के बाद, यह परियोजना 25 वर्षों तक एमपीजेएनएम को 2.09 रुपए प्रति किलोवाट घंटे की दर से बिजली की आपूर्ति करेगी। प्रोजेक्ट का काम मंदसौर जिले के रामनगर और धनवाडा गांवों में होगा।

दिलीप बिल्डकॉन का कंस्ट्रक्शन का काम है। यह कंपनी देशभर में हाईवे और रेल प्रोजेक्ट से जुड़े ठेके लेती है। दिलीप सूर्यवंशी ने 1988 में दिलीप बिल्डकॉन के नाम से कंपनी बनाई। पहले तो उन्होंने छोटे रिहायशी प्रोजेक्ट, सरकारी इमारतों और पेट्रोल पंपों का निर्माण किया।

इसके बाद 1995 में 21 वर्षीय इंजीनियर देवेंद्र जैन को काम पर रखा। जैन अब उनकी कंपनी में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। 2000 के दशक की शुरुआत में एनडीए सरकार ने सड़क निर्माण के टेंडर निकालने शुरू किए। तब उन्होंने तय किया कि उनकी कंपनी सड़क निर्माण भी करेगी।

कंपनी एमपी समेत देश के 17 से अधिक राज्यों में काम कर रही है। इनमें केरल, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्य भी शामिल हैं। दिलीप बिल्डकॉन के प्रोजेक्ट सड़क, रेलवे, सुरंग, औद्योगिक गलियारा, मेट्रो रेल और शहरी विकास परियोजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं। कंपनी में 17 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 14 अक्टूबर- 2025

घुसपैठिए सिर्फ राजनीतिक मुद्दा नहीं

राजेश कुमार पासी

देश के गृह मंत्री अमित शाह नरेंद्र मोहन स्मृति व्याख्यान और साहित्य सृजन पुरस्कार समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे । वैसे यह एक बौद्धिक कार्यक्रम था लेकिन गृह मंत्री होने की हैसियत से उन्होंने देश में बढ़ती घुसपैठ की समस्या को वहां उठा दिया। उन्होंने कहा कि देश में मुस्लिम आबादी में बढ़ोतरी बांग्लादेश और पाकिस्तान से हो रही घुसपैठ का नतीजा है । उन्होंने आगे कहा कि हम घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकालने की प्रक्रिया जारी रखेंगे । मतदान का अधिकार सिर्फ उन लोगों को मिलना चाहिए जो इस देश के नागरिक हैं । उन्होंने कहा कि घुसपैठ को राजनीति की नजर से नहीं देखना चाहिए और न ही ऐसे लोगों को राजनीतिक संरक्षण मिलना चाहिए । उनका कहना है कि अगर दुनिया का हर व्यक्ति बिना रोक-टोक यहां आने लगे तो हमारा देश धर्मशाला बन जाएगा ।

इसके अलावा जनगणना के आंकड़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से हिन्दू आबादी घट रही है, जबकि मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ी है । उन्होंने कहा कि 1951 में देश में हिन्दू आबादी 84% थी और मुसलमान 9.8% थे । 2011 तक हिन्दू घटकर 79% रह गए जबकि मुसलमानों की जनसंख्या बढ़कर 14.2% हो गई । उन्होंने बताया कि अब मुस्लिम आबादी लगभग 24.6% तक पहुंच चुकी है और इसकी बड़ी वजह घुसपैठ में बढ़ोतरी है । देखा जाए तो अमित शाह ने घुसपैठ के मुद्दे को पहली बार नहीं उठाया है, वो विभिन्न मंचों से इस मुद्दे को उठाते रहे हैं । गृह मंत्री होने के कारण इस पर कार्यवाही करना भी उनकी जिम्मेदारी है । इस पर वो कई बार जवाब दे चुके हैं कि सीमा को पूरी तरह से सील करना संभव नहीं है, इसलिए घुसपैठिए देश में आ रहे हैं । उन्होंने वादा किया है कि वो बांग्लादेश की सीमा को पूरी तरह से सील करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इसमें राज्य सरकारों का सहयोग नहीं मिल रहा है । इसकी वजह यह है कि जमीन का अधिग्रहण करना राज्य सरकारों का काम है लेकिन कई राज्य सरकारें इस काम में केंद्र का सहयोग नहीं कर रही हैं ।

भारत में हर मुद्दे पर राजनीति होती है. इसी तरह घुसपैठ का मुद्दा भी राजनीतिक हो गया है। कुछ ऐसे मुद्दे होते हैं जो कभी खत्म नहीं होते । ये मुद्दे पिछले 78 सालों से चलते आ रहे हैं। जो भी विपक्ष में होता है, वो सत्ता पक्ष के खिलाफ उन मुद्दों को उठाता है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ऐसे ही मुद्दे हैं जो हर चुनाव में विपक्ष का हथियार बनते हैं फिर चाहे सत्ता में कोई भी हो । इसकी वजह यह है कि ये मुद्दे कभी खत्म होने वाले नहीं हैं ।

भारत में 1971 से घुसपैठ की समस्या शुरू हुई थी, जब पाकिस्तानी सेना के जुल्मों से डर कर बांग्लादेशियों ने भारत में शरण लेना शुरू किया । तब से लेकर आज तक यह घुसपैठ जारी है और अब पाकिस्तानी और रोहिंग्या भी इस घुसपैठ का हिस्सा बन गए हैं। उपरोक्त तीन मुद्दों की तरह घुसपैठ भी अब एक ऐसा मुद्दा बन गया है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। इसमें बदलाव यह आया है कि भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है। विपक्ष को इस मुद्दे पर बचाव करने की जरूरत नहीं थी लेकिन घुसपैठिए उसके वोट बैंक बन चुके हैं इसलिए वो इस मुद्दे का बचाव कर रहा है। आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ रक्षा नीति है, इस पर चलते हुए विपक्ष घुसपैठ न रोक पाने की विफलता के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को घेर रहा है । विपक्ष का बड़ा आरोप यह है कि जब पिछले 11 सालों से भाजपा केंद्र सरकार में है तो वो घुसपैठ को क्यों नहीं रोक पाई है। इसके अलावा विपक्ष का कहना है कि सरकार को बताना चाहिए कि वो अब तक कितने घुसपैठियों को देश से बाहर निकाल सकी है । विपक्ष का कहना है कि भाजपा मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए घुसपैठ का मुद्दा लेकर आई है। सवाल यह है कि क्या घुसपैठ कोई समस्या नहीं है, ये सिर्फ भाजपा का एक राजनीतिक मुद्दा है? क्या देश को इस मुद्दे की अनदेखी कर देनी चाहिए और दूसरे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। सवाल यह भी है कि भाजपा चुनाव के समय घुसपैठ का मुद्दा क्यों ले आती है। विपक्ष भी भाजपा पर आरोप लगाता है कि भाजपा हर चुनाव में घुसपैठ का मुद्दा ले आती है। विपक्ष के लिए भी सवाल है कि वो इस मुद्दे से भागना क्यों चाहता है और इस मुद्दे पर चर्चा से डरता क्यों है।

विपक्ष कुछ भी कहे लेकिन आज घुसपैठिये भारत का नहीं बल्कि पूरी दुनिया का मुद्दा बन चुके हैं। पूरा यूरोप, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं। यूरोप सहित कई देश तो शरणार्थियों से परेशान हैं क्योंकि उनके कारण वहां सामाजिक सद्भाव बिगड़ रहा है । ये शरणार्थी उन देशों की कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी समस्या बन गए हैं और उनकी डेमोग्राफी भी तेजी से बदल रही है । जो समस्या उन देशों में शरणार्थियों के कारण पैदा हो रही है, वही समस्या भारत में घुसपैठियों की वजह से पैदा हो रही है । भारत के सीमावर्ती राज्यों सहित पूरे पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों की डेमोग्राफी में घुसपैठियों की वजह से बड़ा बदलाव आ रहा है । ये घुसपैठिए भविष्य में भारत की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं । अमित शाह ने घुसपैठ की समस्या को सिर्फ राजनीतिक कारणों से नहीं उठाया है, वो इसकी गंभीरता की ओर इशारा कर रहे हैं । विपक्ष घुसपैठियों के मुद्दे को भटकाने के लिए इसे मुस्लिम समाज से जोड़ देता है । कई राज्यों में बांग्लादेशियों के खिलाफ चल रही कार्यवाही को टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बांग्ला भाषियों के खिलाफ कार्यवाही बता दिया है । वास्तव में पूरा विपक्ष घुसपैठियों का समर्थक है, क्योंकि ये विपक्ष का बड़ा वोट बैंक बन चुके हैं । घुसपैठ की समस्या लगभग 50 साल पुरानी है । विपक्ष देश को एक गंभीर बीमारी देकर गया है और अब वो लाइलाज हो चुकी है। अब वो राजनीति कर रहा है कि सरकार इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रही है जबकि वो अभी भी सरकार के काम में रोड़े अटका रहा है । जो घुसपैठिए पिछले 50 सालों से देश में रह रहे हैं, उन्हें निकालना लगभग असंभव काम है । इसकी वजह यह है कि उनके पास भारतीय नागरिक होने के सारे दस्तावेज आ चुके हैं । वो अब इस देश की मुस्लिम आबादी में इस तरह से समायोजित हो चुके हैं कि उन्हें अलग कर पाना संभव नहीं है । सरकार सिर्फ पिछले 10-15 साल पहले आए कुछ घुसपैठियों के खिलाफ कार्यवाही कर सकती है । यह भी आसान नहीं है क्योंकि इस काम में उसे विपक्षी दलों की सरकारों का सहयोग मिलना बहुत मुश्किल है । भारत सरकार को यह भी पता नहीं है कि भारत में कितने लोग घुसपैठ करके रह रहे हैं । विपक्ष भी यही सवाल सरकार से पूछता रहता है कि देश में घुसपैठियों की संख्या क्या है । विपक्ष को अंदाजा है कि घुसपैठियों के खिलाफ कार्यवाही करना आसान नहीं है, इसलिए वो सरकार को ही घेरने की कोशिश में लगा रहता है ।

भाजपा इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर हिन्दुत्व की राजनीति कर रही है, यहां से विपक्ष की समस्या शुरू होती है । अमित शाह बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिन्दुओं को घुसपैठिया नहीं मानते हैं बल्कि सीएए के माध्यम से उन्हें नागरिकता देने का प्रावधान भी कर दिया गया है । भाजपा बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की घुसपैठ को मुद्दा बना रही है ताकि विपक्ष को राष्ट्र विरोधी और हिन्दू विरोधी साबित किया जा सके । विपक्ष ने जब एसआइआर का विरोध किया तो भाजपा ने इसे घुसपैठियों को बचाने की मुहिम घोषित कर दिया ।

जाति है कि जाती नहीं है

बिहार का जिला गया जिसे हाल ही में गयाजी नाम दिया गया। अब तक ज्ञान और मोक्ष की नगरी मानी जाती रही है। इसी जिले में पडता है विधानसभा क्षेत्र है बोधगया। यहां विधानसभा चुनाव को लेकर लोग जो बातें कह रहे हैं वह वाकई में ज्ञान चक्षु खोलने वाली हैं। वैसे भी कहा जाता है कि बिहार की राजनीति को समझना आसान नहीं है। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन को लेकर भले ही देश भर में शोर है लेकिन यहा न तो इसका जिक्र है और न ही फिक्र। लेकिन यहां के लोग पलायन, शराब बंदी, जंगलराज और जाति को जागरूकता को लेकर काफी सजग हैं। महाबोधि मंदिर की वजह से टूरिस्ट की आवाजाही लगी रहती है तो स्थानीय लोग भी तफरीह करने में पीछे नहीं हैं। फिर भी वे यह जानते हैं कि सरकार वहीं भली जो पढ़ाई लिखाई के लिए अच्छा करे। कई लोगों को अपने शिक्षित न होने का मलाल भी है। ऐसे लोग अपना मैदानी जमीन छोड कर उत्तराखंड से लेकर लद्दाख तक मजदूरी के मोहताज दिखे। लेकिन ऐसे लोग भी इस बात से संतुष्ट हैं कि उनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि सरकार ऐसी व्यवस्था करे कि लोगों को रोजी रोटी के लिए पलायन न करना पडे। बोधगया में कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनका कारोबार जम चुका है उन्हें शराबबंदी से नाराजगी है। वे जनसुराज पार्टी को इसलिए पसंद करते हैं कि यही पार्टी ऐसी है जिसके आने के बाद शराबबंदी खत्म कर दी जाएगी। लोग जेएसपी सुप्रीमो प्रशांत किशोर के सोशल मीडिया से भी बहुत प्रभावित हैं। ऐसे लोग जब शराबबंदी शुरू हुई तो बडे खुश थे लेकिन फिर चोरी छुपे शराब बिकने लगी वह भी बहुत महंगी तो लोगों में इसके प्रति गुस्सा आता गया। ऐसे में जो नीतीश से नाराज हैं वे सब प्रशांत किशोर के साथ जा सकते हैं। वजह साफ है कि ऐसे लोग आरजेडी के साथ जा नहीं सकते। लोग उनके जंगलराज को अभी तक नहीं भूले हैं। आज जितनी भी दुकानें हैं अगर ये उस समय होतीं तो इन्हें पहले प्रसाद चढ़ाना होता तब दुकाने खुलतीं। लोगों के गुस्से को देखकर लगा कि शायद यही वजह है कि एनडीए लगातार जंगलराज को मुद्दा भी बनाती है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गयाजी आए थे तब उन्होंने भी पलायन और जंगलराज का जिक्र किया। बिहार में किसी से भी चुनाव का समीकरण पूछो, सब जातिगत समीकरण जरूर गिनाते हैं। इस जाति के इतने वोट और उस जाति के इतने। क्या बिहार की राजनीति से अब तक जाति गई नहीं। पढ़ी लिखी नई पीढ़ी जाति को कम मानती है। लेकिन कुछ लोग आज भी जाति की परछाई से बाहर नहीं आना चाहते। मतलब जाति है कि जाती नहीं। बहरहाल, गयाजी जिले में कुल 10 विधानसभा सीटें है। जिनमें से बोधगया भी एक विधानसभा सीट है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां एनडीए को पांच सीट (बीजेपी 2, हम 3) और आरजेडी को पांच सीट मिली थी। जातीय समीकरण देखें तो यादव, भूमिहार, कोइरी, दलित और मुस्लिम वोटबैंक यहां अहम भूमिका निभाते हैं। हम पार्टी के नेता जीतन राम मांझी गयाजी से ही हैं। बोधगया सीट एससी रिजर्व सीट है और पिछले चुनाव में यहां आरजेडी ने उनकी पार्टी को पटकनी दी थी।

संकल्प,मनोबल और श्रम सफलता का संगम

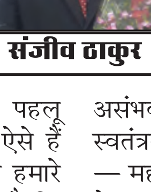
संजीव ठाकुर

कठिन परिस्थितियाँ कभी पूर्व सूचना देकर नहीं आतीं वे अचानक जीवन के द्वार पर दस्तक देती हैं। इसलिए मनुष्य को सदैव सजग, सावधान और आत्मनियंत्रित रहना चाहिए। जीवन के दो पहलू खुशियाँ और अवसाद ऐसे हैं जैसे दिन और रात। यह हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि हम इन परिस्थितियों को किस प्रकार आत्मसात कर संतुलित जीवन का निर्माण करते हैं। जीवन स्वयं में एक गणित है — कभी दो और दो चार होते हैं तो कभी दो और दो पाँच भी। यही "पाँच" जीवन की विषम परिस्थितियों का प्रतीक है, जो हमें संघर्ष और सहनशीलता का पाठ सिखाती हैं।मनुष्य, समस्त सृष्टि में चेतनता की सर्वोच्च अवस्था है। पत्थरों में चेतना शून्य, वृक्षों में अंकुरित, पशु-पक्षियों में गतिमान और मनुष्य में सर्वाधिक विकसित रूप में विद्यमान है। यही चेतना उसे विचार, मनन और समाधान की दिशा में अग्रसर करती है।

मनुष्य का जीवन विविध मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक संघर्षों का संगम है। किंतु इतिहास साक्षी है — जब भी मनुष्य ने अपनी मनोबल, शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प का उपयोग किया, तब उसने असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को भी संभव कर दिखाया।

जिस मनुष्य में उत्साह, ऊर्जा और आत्मविश्वास का समुच्चय होता है, वही व्यक्ति हर परिस्थिति का सामना सौम्यता और विवेक के साथ करता है। मानव की संकल्पशक्ति इतनी ऊर्जावान होती है कि वह विपरीत परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल दिशा में मोड़ लेता है और अपनी शक्ति का सकारात्मक उपयोग समाज और राष्ट्र के हित में कर पाता है। मनुष्य को सदैव कर्मरत और कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त मस्तिष्क सृजन करता है, जबकि खाली मस्तिष्क अवसाद का घर बन जाता है। एकाग्र चित्त, ऊर्जावान मन और दृढ़ संकल्प ही किसी भी कठिन लक्ष्य की प्राप्ति के सशक्त आधार हैं।मानव इतिहास ऐसे अनगिनत उदाहरणों से भरा है जहाँ अदम्य संकल्प और मनोबल ने असंभव को संभव किया। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी — महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सरोजिनी नायडू — इन्होंने विपन्न परिस्थितियों में भी अपनी मानसिक दृढ़ता और संगठन शक्ति से असंभव प्रतीत होने वाली स्वतंत्रता का स्वप्न साकार किया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि संकल्प और आत्मबल ही किसी भी राष्ट्र या व्यक्ति के पुनर्जागरण की मूल प्रेरणा हैं।

जीवन में सफलता पाने के लिए सादगी, ईमानदारी, निरंतरता और श्रमशीलता आवश्यक हैं। कोई भी महान व्यक्ति आकाश से अवतरित नहीं होता — वह भी इसी मिट्टी से जन्मा सामान्य मानव होता है, जिसने अपने संघर्ष, संयम और साहस से असाधारण उपलब्धियाँ अर्जित कीं।मनुष्य का हृदय एक अनंत ऊर्जा स्रोत है। जब मस्तिष्क चिंतन करता है, दिशा तय करता है और कर्म में रूपांतरित होता है, तब लक्ष्य साकार होता है। किंतु यदि मन निराश या भयभीत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को सदैव प्रसन्न, प्रफुल्ल और सकारात्मक रखें। यही मानसिक स्थिति हमें विषम परिस्थितियों में भी स्थिर रखती है और नए युग की दिशा में प्रेरित करती है। जीवन में पिछड़ने के अनेक कारणों में से एक प्रमुख कारण है — स्वयं पर अविश्वास।

सफलता के लिए सुनियोजित योजना, आत्ममूल्यांकन, कठोर श्रम और मानसिक संतुलन आवश्यक हैं। संपन्नता के बावजूद यदि मनोबल दुर्बल है, तो सफलता दूर हो जाती है।

जागरूकता और सुरक्षा: हमारे जीवन के प्रहरी

आरके जैन

विश्व मानक दिवस, जो हर साल 14 अक्टूबर को मनाया जाता है, हमारे जीवन में व्यवस्था, सुरक्षा और विश्वास की नींव को रेखांकित करता है। यह महज़ एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि उन अदृश्य मानकों का सम्मान है जो आधुनिक समाज को एकजुट और समृद्ध बनाते हैं। मानक वे मज़बूत धागे हैं जो उद्योग, व्यापार, उपभोक्ता और पर्यावरण को एक सामंजस्यपूर्ण ढांचे में पिरोते हैं। ये तकनीकी दिशानिर्देशों से कहीं बढ़कर हैं; ये विश्वास, समानता और स्थिरता का आधार हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि मानकों के अभाव में हमारा जीवन अव्यवस्था और असुरक्षा के भंवर में खो सकता है। चाहे बात रोज़मर्रा के उपकरणों की हो, स्वास्थ्य सेवाओं की, या पर्यावरण संरक्षण की, मानक हर कदम पर हमारा साथ देते हैं, हमें एक सुरक्षित, सुगम और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानक दिवस, जो प्रत्येक वर्ष 14 अक्टूबर को मनाया जाता है, की शुरुआत 1970 में अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन (आईएसओ) द्वारा मानकों के वैश्विक महत्व को रेखांकित करने के लिए की गई थी।

1947 में स्थापित आईएसओ, आज विश्व स्तर पर मानकों के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाता है। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (आईईसी) और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) जैसे संगठन भी तकनीकी नवाचार, वैश्विक व्यापार, उपभोक्ता सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने वाले मानकों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये मानक न केवल उद्योगों और समाज के लिए एक साझा मापदंड स्थापित करते हैं, बल्कि एक सुरक्षित, टिकाऊ और समृद्ध विश्व की नींव भी रखते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानक दिवस 2025 की थीम ₹एक बेहतर विश्व के लिए हमारा साझा दृष्टिकोण₹ इस बात को रेखांकित करती है कि मानक केवल तकनीकी दिशानिर्देश नहीं, बल्कि एक ऐसी साझा दृष्टि हैं जो हमें नवाचार, समावेशिता और स्थिरता के माध्यम से एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाती है।

मानकों का प्रभाव हमारे दैनिक जीवन में सर्वव्यापी है, फिर भी हम इसे अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। सुबह जब आप अपने स्मार्टफोन को चार्ज करते हैं, तो वह चार्जर आईएसओ और आईईसी जैसे वैश्विक मानकों के अनुरूप होता है, जो न केवल आपके डिवाइस की सुरक्षा और कार्यक्षमता सुनिश्चित करता है, बल्कि आपको जोखिमों से भी बचाता है। इसी तरह, आपके घर की बिजली व्यवस्था, आपके द्वारा उपभोग किया जाने वाला भोजन, या आपके द्वारा संचालित वाहन—सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों की बदौलत सुरक्षित, विश्वसनीय और कुशल हैं। इन मानकों के अभाव में, तकनीकी खराबी से लेकर उपभोक्ताओं की जान को खतरा तक बढ़ सकता है। उदाहरण के लिए, आईएसओ 22000 जैसे खाद्य सुरक्षा मानक यह गारंटी देते हैं कि आपका भोजन न केवल स्वच्छ है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह सुरक्षित भी है।

मानकों का महत्व केवल उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है; ये वैश्विक व्यापार, अर्थव्यवस्था और सामाजिक कल्याण के लिए आधारशिला हैं। मानक अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सरल और विश्वसनीय बनाते हैं, क्योंकि ये विभिन्न देशों के उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता को एकसमान करते हैं। उदाहरणस्वरूप, आईएसओ 9001 गुणवत्ता प्रबंधन मानक विश्व भर में लाखों संगठनों द्वारा अपनाया गया है, जो उनके उत्पादों और सेवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में विश्वसनीय बनाता है। इसी तरह, आईएसओ 14001 पर्यावरण प्रबंधन मानक कंपनियों को पर्यावरणीय प्रभाव कम करने और सतत विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है। ये मानक न केवल पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं और निवेशकों के बीच संगठनों की साख को भी मजबूत करते हैं। मानकों के अभाव में, वैश्विक व्यापार में अविश्वास और अराजकता फैल सकती है, जो आर्थिक प्रगति को ठप कर सकती है।

डिजिटल युग में मानकों की प्रासंगिकता और भी गहन हो गई है। साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में मानक पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, आईएसओ/आईईसी 27001 सूचना सुरक्षा मानक संगठनों को डेटा उल्लंघनों और साइबर खतरों से बचाता है। आज, जब डेटा हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति है, ये मानक न केवल संगठनों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं का भरोसा भी कायम रखते हैं। इसके अतिरिक्त, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और स्मार्ट सिटी जैसी तकनीकों में मानक उपकरणों और प्रणालियों के बीच तालमेल सुनिश्चित करते हैं। बिना मानकों के, तकनीकी प्रगति अव्यवस्थित और असुरक्षित हो सकती है, जिससे नवाचार की गति मंद पड़ सकती है। मानकों का सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव भी गहरा है। आईएसओ 50001 जैसे ऊर्जा दक्षता मानक ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करके जलवायु परिवर्तन से लड़ने में योगदान देते हैं। उदाहरण के लिए, ऊर्जा-कुशल उपकरण और भवन उपभोक्ताओं के बिजली बिल को कम करते हैं और पर्यावरणीय बोझ को हल्का करते हैं। इसी तरह, आईएसओ 13485 जैसे चिकित्सा उपकरण मानक मरीजों को सुरक्षित और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करते हैं। ये मानक न केवल तकनीकी उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि सामाजिक समानता और कल्याण को भी प्रोत्साहित करते हैं। संक्षेप में, मानक न केवल प्रगति के प्रहरी हैं, बल्कि एक सुरक्षित, टिकाऊ और समावेशी भविष्य के निर्माणकर्ता भी हैं।

विश्व मानक दिवस हमें मानकों के गतिशील और निरंतर विकसित होने वाले स्वरूप की याद दिलाता है। तकनीकी नवाचार और सामाजिक परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठाने के लिए मानकों को समय के साथ अपडेट करना अनिवार्य है।

उदाहरण के लिए, जलवायु परिवर्तन और डिजिटल परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों ने नए मानकों के निर्माण को प्रेरित किया है। आईएसओ जैसे संगठन उभरती आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए नवीन मानक विकसित करते हैं, जिसमें तकनीकी विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योगपतियों और उपभोक्ताओं का सहयोग शामिल होता है। विश्व मानक दिवस इस सामूहिक प्रयास को प्रोत्साहित करता है और सभी हितधारकों को मानकों के निर्माण व कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है।

विश्व मानक दिवस यह स्पष्ट करता है कि मानक महज तकनीकी दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे समाज की रीढ़ हैं। वे हमें सुरक्षा, विश्वास और प्रगति का आधार प्रदान करते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि मानकों का पालन करना केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि एक अनमोल अवसर है—जो हमें बेहतर उत्पाद, उन्नत सेवाएँ और एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाता है। मानकों को अपनाकर हम न केवल अपने जीवन को सरल और सुरक्षित बनाते हैं, बल्कि एक ऐसी दुनिया का निर्माण करते हैं जो समावेशी, टिकाऊ और समृद्ध हो। 14 अक्टूबर का यह दिन हमें प्रेरणा देता है कि हम मानकों को न केवल अपनाएँ, बल्कि उनके विकास में योगदान दें और उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएँ।

सॉरी मॉम

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के बीचोंबीच स्थित 'नवजागरण अपार्टमेंट' के सामुदायिक हाल में आज पहला अजूबा यह था कि सजावट शोक की थी और दूसरा अजूबा यह कि भाषण उत्सव वाले थे-गेहूँ की रंगत वाली एलईडी मोमबत्तियाँ, फूलों के कृत्रिम हार, और मंच पर रखी फोटो के आगे तीन अलग-अलग दानपेटियाँ- 'श्रद्धांजलि फंड,' 'समाज सेवा फंड,' और 'कॉलोनी सुधार फंड'; जैसे दुख भी आजकल तीन किस्तों में वसूला जाता है और करुणा की रसीद थर्मल पेपर पर निकलती है। मैडम विमला सेठी के देहावसान पर सभा थी; वही विमला, जो साठ वर्ष तक कॉलोनी की नैतिकता की मुखिया रहीं-जो कहती थीं, "सही बात कहनी चाहिए-ईवन इफ इट इज़ हट्ज़," और फिर मौका मिलते ही व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी से प्रमाणपत्र जोड़ देती थीं कि सच वही है जो फ़ॉरवर्ड हो चुका है। उनके जीवन का आख़िरी महीना अस्पताल और आरडब्ल्यूए के बीच शटल-कॉकर की तरह बीता-यह तय करने में कि आईसीयू में प्रवेश पहले किसे मिलेगाः बेटा, बहू, या 'लाइव कवरेज' के लिए मीडिया क्लब की सदस्या। हाल में बैठी महिलाएँ धीमे-धीमे स्वर में एक-दूसरे को समझा रही थीं कि विमला मैडम को सबसे ज़्यादा तकलीफ़ बीमारी से नहीं, 'बहू-बेटियों की प्रतिद्वंद्विता' से थी-यानी घर की राजनीति ने कैंसर से भी तेज़ काम किया; जैसा परसाई कह जाते-व्यंग्य का काम है नक़ली दीवारों को थपथपाकर दिखा देना कि भीतर खोखला है। बड़ी बहू बोली-"मम्मी चाहती थीं कि छुटकी ननद, जो कूड़ा-संस्कार के मुद्दे पर आरडब्ल्यूए में हमारे विपक्ष में वोट दे गई थी, कम-से-कम एक माफ़ी पोस्ट कर दे। बस, एक सॉरीमॉम।" छोटी ननद का पक्ष भी नायाब था- "दीदी ने मुझे 'एमोशनल ब्लैकमेलर' लिखा था; अब परसाई होते तो कहते, यहाँ भावनाएँ नहीं, ब्लैकमेल स्थायी समिति है।" मंच संचालक ने घोषणा की-"मैडम का सपना था कि कॉलोनी में सौहार्द रहे।" उसी क्षण तीनों दानपेटियों के पास तीन अलग वार्डन खड़े हो गए-एक ने गला खंखारकर कहा, "सौहार्द के लिए अलग बजट है, करुणा के लिए अलग।" करुणा का बजट, विडंबना से, सबसे छोटा था; जैसे इस समाज में संवेदना को हमेशा 'लाइट' पैक में बेचा जाता है-सामग्रीः कृत्रिम सुगंध, दो बूंद आँसू, एक मिनट का मौन। भाषणों में विमला मैडम की 'रील-प्रेरक' गतिविधियों का ज़िक्र हुआ-किस तरह उन्होंने दूधवाले को समय पर दूध न लाने पर 'लोकतंत्र' बचा लिया, किस तरह उन्होंने चौकीदार का वेतन रोककर 'भ्रष्टाचार' पर चोट की-वही मध्यमवर्गीय क्रांतिकारी कर्म, जिनका परसाई ने मज़ाक उड़ाते हुए सच दिखाया कि नैतिकता अक्सर वहाँ सबसे ऊँची टाँगी जाती है जहाँ सीढ़ी सबसे छोटी हो। इसी बीच, चार्टर्ड अकाउंटेंट जमात का एक शख़्स सामने उछला- "जिन्होंने फूल चढ़ाए हैं, कृपया गूगल फ़ॉर्म भरें; ट्रस्ट को आँकड़े चाहिए कि दुख की औसत अवधि कितनी रही-ताकि अगले साल 'ग्रिफ काउंसिलिंग' की आरओआई बेहतर निकले।" हाल तालियों से गूँज उठा; यह वह ताली थी जो करुणा के लिए नहीं, 'प्रोसेस इम्प्रूवमेंट' के लिए थी-जैसे शोक भी केपीआई के बिना भटक जाता है। एक कवि-समिति सदस्य ने कविता पढ़ी- "दुख का डाटा विज़ुअलाइज़ करो," और पॉवरपॉइंट में बार-ग्राफ दिखा दिया कि कौन कितना टूटा-बेटे की टूटन 42%, बहू की 37%, नौकरानी की 3%-क्योंकि उसका दुख श्रम-मानकों में शामिल नहीं होता। यह वही "पब्लिक स्फेयर" है जहाँ हास्य, राजकारण, और असहायता मिलकर आदमी को अपने ही किस्से का मसख़रा बना देते हैं-परसाई की चिनगारी आज भी इसी धूल में चमकती है।

धौंस-धमकाने की नीति ट्रंप के लिए होगी आत्मघाती

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

धमकाने और धौंस की नीति पर चल रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी झूठी चौधराहट और खनिजों के चक्कर में लगता है दुनिया के देशों में अमेरिकी विरोधियों की बड़ी फौज ही तैयार करते जा रहे हैं। शांति के नोबल पुरस्कार का ट्रंप का सपना धरा का धरा ही रह गया है और अब 30 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त 100 प्रतिषत और यानी कि 130 प्रतिशत टैरिफ लगाकर चीन के खिलाफ भी आर्थिक क्षेत्र में खुली जंग ही छेड़ दी है। कनाडा को अमेरिका का नया राज्य बनाने और रुस यूक्रेन युद्ध के पीछे के अमेरिकी ऐजेण्डे को आज दुनिया क देश समझ ही चुके हैं। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष के साथ डिनर के माध्यम से अमेरिका के गिरते स्तर को दुनिया क देश देख ही चुके हैं। भारत जैसे देश से पंगा लेना सबके सामने हैं। पाकिस्तान पर भी खनिजों के चक्कर में डोरे ड़ाले जा रहे हैं। देखा जाए तो ट्रंप का रवैया जिस तरह का दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद देखने को मिल रहा है वह गली मौहल्ले के गुंडे मवाली जैसा ही दिखाई देने लगा है। दुनिया के देशों को धमकाना जैसे ट्रंप का काम ही हो गया हो। दुनिया के देशों में युद्ध समाप्त कराने का झूठा तमगा पहनने के प्रयास और शांति के नोबल पुरस्कार के लिए नोबल संस्था तक को धमकाने के कुत्सित प्रयास से ट्रंप स्वयं और अमेरिका दोनों की ही हेठी कराने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। चीन से पहले भारत पर भी 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने और वीजा नियमों में बदलाव से अपने ही पांवों में ठोकर मारी है। हालांकि भारत किसी भी तरह के ट्रंप के दबाव में नहीं आया और सबसे बड़ी तोहिन तो यह रही कि भारत ने इस पर प्रतिक्रिया तक व्यक्त करने की जेहमत नहीं उठाई जिसके कारण अमेरिका का तमतमाना लाजिमी भी हो जाता है। अमेरिका ने भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद सोचा था कि भारत घुटनों के बल आ जाएगा पर हुआ इसका उल्टा ही और भारत ने नये बाजार की संभावनाएं तलाशना आंरभ कर दिया। आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि अब चीन पर अमेरिकी टैरिफ वार का लगता है भारत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और भारत की निर्यात की संभावनाओं को पर लगने के अधिक आसार हो जाएंगे। स्वाभाविक है चीन के उत्पाद महंगे हो जाएंगे और भारतीय उत्पाद कपड़ा, हैण्डिक्राफ्ट, खिलौने आदि आदि तुलनात्मक रुप से सस्ते होंगे तो भारतीय उत्पादों की मांग कम होने के स्थान पर बढ़ेंगी ही। जानकारों का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ वार अमेरिका पर ही उल्टा पड़ना है। आज अमेरिका भारतीय प्रतिभाओं का लाभ उठा रहा है पर नए वीजा नियमों और विदेशियों को पलायन करने के बाध्यकारी आदेशों से अमेरिका आने वाले समय में शून्यता की और ही बढ़ेगा। लगता तो यहां तक है कि आने वाले समय में अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं से शून्य हो जाएगा और अमेरिकी प्रतिभाओं को आगे आना इतना आसान भी नहीं होगा। इधर ट्रप के व्यवहार के चलते श्वेत-अश्वेत की खाई चौड़ी होती जा रही है। बीसवीं सदी के अंत में दुनिया के देशों में विष्वग्राम का सपना देखा था, इस दिशा में दुनिया के देश आगे भी बढ़े थे और फिर संचार क्रान्ति ने तो दुनिया के देषों को लगभग विश्वग्राम बना ही दिया पर जिस तरह के हालात ट्रंप जैसे अति महत्वाकांक्षी द्वारा उठाये जा रहे हैं, उससे विश्वग्राम का सपना बीच राह में ही टूटता नजर आने लगा है। एक दूसरे के सहयोग और समन्वय की बात तो ट्रंप ने भुला ही दी है। फिर सबकों एक ही लकड़ी से हांकने की नीति भी आत्मघाती बनती जा रही है। अमेरिका को समझना यह होगा कि आज आप किसी पर टैरिफ का दबाव बढ़ाते हो तो अन्य देशों के लिए राह आसान कर रहे हो। हो यह रहा है कि टैरिफ की मार का सबसे नकारात्मक प्रभाव अमेरिका पर ही पड़ना है। एक तरफ अमेरिका की जरुरतों को पूरा करने में जुटे विदेशी देषों के उत्पाद महंगे होंगे तो दूसरी और अमेरिकी इकोनोमी पर भी निश्चित रुप से विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। आज दूसरे देशों के प्रति निर्भरता बढ़ी है और ऐसे में आगे बढ़ने के लिए दो मोर्चों पर जुटना पड़ता है। पहले तो यह कि दूसरे देशों में आ रहे बदलावों, तकनीक आदि को समझना और फिर उस तकनीक को अपनी जरुरत के अनुसार अपने देश में विकसित करना। अमेरिका दरअसल दूसरों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना चाहता है पर वह यह भूल रहा है कि इकोनोमी एक दूसरे की सहायता से आगे बढ़ती हैं। देसी-विदेशी मांग को बढ़ाना ही होता है। स्थानीय के साथ ही विदेशों में भी बाजार खोजना होता है। ऐसे में बड़े बड़े व्यापार समझौते देशों के बीच होते हैं। अमेरिका ने जिस तरह से व्यापार समझौतों को दरकिनार कर टैरिफ वार और तरह तरह के अवरोध खड़े करने के प्रयास किये हैं उनका असर अंततोगत्वा अमेरिकी इकोनोमी पर भी पड़ना ही है। लगता है ट्रंप अमेरिका को आत्मघाती गोल की तरफ ले जा रहा है। दुनिया के देशों को वैश्विक ग्राम की परिकल्पना को ही आगे बढ़ाना होगा। आज दुनिया और दुनिया के देश कहां खड़े हैं यह कोरोना काल में सबको पता चल चुका है। इसके साथ ही जिस तरह से युद्ध और वैश्विक अशांति के चलते पलायन का दौर चला है उसका खामियाजा फ्रांस सहित योरोपीय देश भुगतने लगे हैं। ऐसे में समय रहते नीतियों मे बदलाव जरुरी हो जाता है। जिस तरह से तकनीक ने एक दूसरे को नजदीक लाने का प्रयास किया है उसे आगे बढ़ाना वैश्विक नेताओं का दायित्व हो जाता है।

दीपावली 20 अक्टूबर को: पूजा में खंडित दीपक का नहीं करना चाहिए इस्तेमाल

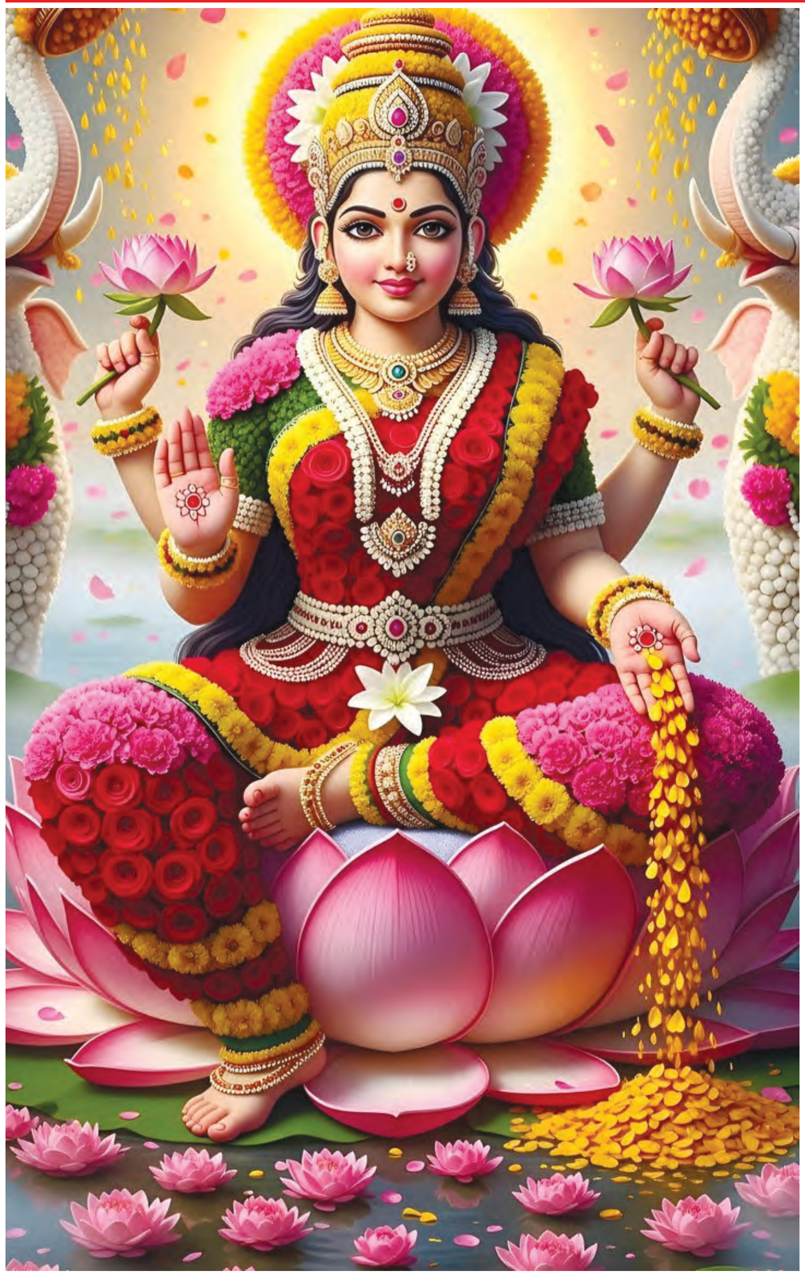

अभी कार्तिक मास चल रहा है और इस महीने में रोज दीपदान करने की परंपरा है। इसी महीनों में दीपों का पर्व दीपावली (20 अक्टूबर) भी मनाया जाता है। मान्यता है कि दीपक की रोशनी देवी-देवताओं को बहुत प्रिय है। दीपक रोशनी सकारात्मकता की प्रतीक है।

खंडित दीपक का इस्तेमाल न करें

पूजा-पाठ के लिए वस्तु का पूर्ण और अखंडित होना जरूरी है। दीपावली पर मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा है। मिट्टी के दीपक बहुत ही आसानी से खंडित हो जाते हैं। ध्यान रखें पूजा-पाठ में टूटा या खंडित दीपक नहीं जलाना चाहिए। खंडित वस्तुओं का उपयोग करना अशुभ माना जाता है और इससे पूजा का पूरा फल प्राप्त नहीं होता। खंडित चीजों की वजह से पूजा करते समय एकाग्रता टूट सकती है और हमारा ध्यान भगवान से हटकर टूटी चीजों पर चला जाता है।

पवित्रता और सकारात्मकता बढ़ाता है दीपक

दीपक अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाने का संदेश देता है। जब हम दीप जलाते हैं तो न केवल घर का अंधकार मिटता है, बल्कि हमारे मन-मस्तिष्क में भी एक सकारात्मक ऊर्जा और पवित्र भावों का संचार होता है। यही कारण है कि दीपक को शुभता, समृद्धि, पवित्रता और मंगलता का प्रतीक माना गया है।

दीपक के लिए गाय के दूध से बने घी का करें इस्तेमाल

पूजा में घी का दीपक जलाना चाहिए। खासकर गाय के दूध से बना हुआ घी श्रेष्ठ होता है। धार्मिक दृष्टि से गाय का घी पंचामृत में से एक है। गाय के घी का दीपक जलाने से वातावरण में मौजूद

सूक्ष्म कीटाणु नष्ट होते हैं और घर का वातावरण शुद्ध, पवित्र, सकारात्मक बनता है। जब अग्नि में घी जलता है तो वह वातावरण में फैलकर हवा को शुद्ध करता है और नकारात्मकता को दूर करता है।

दीपक जलाने की दिशा और विधि

पूजा करते समय दीपक रखने की दिशा भी महत्व रखती है। मान्यता है कि देवी-देवताओं की पूजा में घी का दीपक हमारे बाएं हाथ की ओर और तेल का दीपक दाएं हाथ की ओर रखना चाहिए। इससे ऊर्जा का संतुलन बना रहता है और पूजा का संपूर्ण फल मिलता है।

साथ ही ये भी ध्यान रखना चाहिए कि पूजा के दौरान दीपक बुझना नहीं चाहिए। अगर दीपक बुझ जाए तो इसे अपशकुन माना जाता है, इसलिए दीपक जलाने से पहले ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि दीपक पूजा में पूरे समय जलता रहे। अगर दीपक अचानक बुझ जाता है तो भगवान से क्षमा याचना करके फिर से जलाना चाहिए।

दीपक जलाने के लिए सामान्यतः सफेद रुई की बत्ती का प्रयोग करना चाहिए। रुई नहीं होने की स्थिति में लाल धागे की बत्ती बनाकर भी दीपक जलाया जा सकता है। लाल रंग को मंगल और शक्ति का प्रतीक माना जाता है, अतः इसका प्रयोग भी शुभ होता है।

अहोई अष्टमी व्रत में माताएं इन नियमों का अवश्य करें पालन

अहोई माता की पूजा कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को की जाती है। यह व्रत मुख्यतः संतान की रक्षा, दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए किया जाता है। चूंकि यह व्रत संतान की लंबी आयु और उन्नति के लिए किया जाता है इसलिए इस व्रत में शुद्धता, पवित्रता और नियमों का खास ध्यान रखा जाता है।

अहोई अष्टमी

अष्टमी तिथि का प्रारंभ – 13 अक्टूबर, दोपहर 12 बजकर 26 मिनट से

अष्टमी तिथि का समापन – 14 अक्टूबर, सुबह 11 बजकर 11 मिनट से

अहोई अष्टमी पूजा मुहूर्त – शाम 5 बजकर 53 मिनट से शाम 7 बजकर 8 मिनट तक

तारों को देखने का समय – शाम 6 बजकर 17 मिनट

अहोई अष्टमी के दिन चंद्रोदय समय – रात 11 बजकर 18 मिनट

अहोई अष्टमी व्रत के नियम

अहोई अष्टमी की पूजा के लिए खरीदे गए सामान को हमेशा साफ जगह पर रखें और एक बार गंगाजल का छिड़काव करें।

अहोई अष्टमी का व्रत निर्जला रखा जाता है इसलिए मन में शांति और पवित्रता का ध्यान रखें।

कुछ जगहों पर माताएं निर्जला व्रत नहीं करती हैं।

अहोई माता की पूजा में 8 पूड़ी, 8 मालपुआ, दूध व चावल का भोग लगाएं।

अहोई माता की पूजा के बाद सास को भेंट स्वरूप कुछ दें और उनका आशीर्वाद अवश्य लें।

दीवार या पूजा स्थान पर अहोई माता का चित्र बनाया या लगाया जाता है। उनके साथ सिंह (शेर), सूतक (सुई या छेद का प्रतीक), सात पुत्र और सात बहुएं चित्रित की जाती हैं।

अहोई अष्टमी की पूजा में चांदी या तांबे के कलश का प्रयोग करना उत्तम माना जाता है।

अहोई अष्टमी के दिन क्या ना करें

अहोई अष्टमी के दिन चाकू, सुई, कैंची जैसी नुकीली या धारदार वस्तु का उपयोग करना वर्जित माना जाता है।

अहोई अष्टमी के दिन जमीन खोदना अच्छा नहीं माना जाता है। इस दिन मिट्टी से जुड़े कोई भी कार्य ना करें।

अहोई अष्टमी के दिन मन में ईश्वर का जप करें और आलस्य को दूर रखें।

अहोई अष्टमी के दिन बाल या नाखून काटना वर्जित बताया गया है। साथ ही झूठ बोलने और क्रोध करने से बचें।

केला और शमी का पौधा लगाते समय भूलकर भी न करें ये गलती

शमी का पौधा धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद शुभ माना जाता है। इसे शनि देव का प्रिय पौधा कहा गया है। शास्त्रों के अनुसार, शमी का पौधा घर में स्थिरता, सौभाग्य और धन-संपत्ति लाता है। लेकिन वास्तु के अनुसार, इसे घर के भीतर या जाता है।

केले के पेड़ की बात करें तो शास्त्रों में इसे भगवान विष्णु का प्रिय माना गया है। मगर वास्तु शास्त्र के अनुसार, केले का पौधा मुख्य द्वार के सामने या छत पर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से परिवार में कलह और आर्थिक

बेडरूम में नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और पारिवारिक तनाव का माहौल बन सकता है। शमी का पौधा लगाने की दिशा बहुत मायने रखती है। इसे कभी भी उत्तर दिशा में नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इससे धन हानि और आर्थिक परेशानियां बढ़ने की आशंका रहती है।

शमी लगाने के लिए दक्षिण दिशा सबसे शुभ मानी जाती है। शनिवार के दिन सूर्यास्त के बाद शमी का पौधा लगाना और "ॐ शं शनैश्चराय नमः" मंत्र का जाप करना बेहद फलदायी माना

संकट का खतरा बढ़ता है। केले का पेड़ हमेशा घर के पीछे या पूर्व-उत्तर दिशा में लगाना शुभ होता है, जिससे सुख और समृद्धि बनी रहती है।

अगर आप केले का पौधा लगा रहे हैं, तो ध्यान रखें कि इसे कभी भी गुलाब या किसी कांटेदार पौधे के पास न लगाएं। कांटेदार पौधे नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं जिससे केले के पौधे का शुभ प्रभाव कम हो जाता है। सही दिशा, दिन और पूजा विधि के साथ केले व शमी के पौधे लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, धन और सौभाग्य का वास होता है।

दिवाली पर इन वास्तु नियमों का रखें खास ध्यान, घर में आएंगी खुशियां

दीवाली का पर्व सिर्फ दीप जलाने और मिठाइयों का स्वाद लेने तक सीमित नहीं है बल्कि इस अवसर पर घर की सफाई और सजावट का भी खास महत्व है। मान्यता है कि साफ सुथरे और सकारात्मक माहौल वाले घर में मां लक्ष्मी का वास होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार सफाई और सजावट के दौरान लोग कई बार ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो पूरे साल बरकत और समृद्धि की राह में बाधा बन जाती हैं। वास्तु नियमों का पालन कर लिया जाए, तो घर में सुख शांति और धन-धान्य की वृद्धि हो सकती है।

उन्होंने बताया कि दीवार पर टंगी बंद घड़ियां या अलमारी में रखी खराब घड़ियां घर की प्रगति को रोक सकती हैं। वास्तु शास्त्र में इन्हें समय के ठहराव का प्रतीक माना गया है। दीवाली से पहले ऐसी घड़ियों को या तो ठीक करा लें या घर से हटा दें। ऐसा करने से जीवन में रुकावटें दूर होती हैं और समय के साथ सफलता मिलने का मार्ग प्रशस्त होता है।

हीं कई घरों में मंदिर या शोपीस के रूप में देवी-देवताओं की टूटी या खंडित मूर्तियां रखी रह जाती हैं। वास्तु के अनुसार यह बेहद अशुभ माना जाता है। इन मूर्तियों को सम्मानपूर्वक किसी तालाब या नदी में विसर्जित कर देना चाहिए। टूटी मूर्तियां सौभाग्य में बाधा डालती हैं और घर की शांति भंग कर सकती हैं।

त्योहार की सफाई के समय अक्सर लोग छत या बालकनी पर टूटे फूटे सामान और कबाड़ इकट्ठा कर देते हैं। वास्तु विज्ञान के अनुसार ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करती है। इसका सीधा असर घर की आर्थिक स्थिति और परिवार की सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए कबाड़ या बेकार सामान को समय रहते हटा देना जरूरी है।

वास्तु शास्त्र में केवल सफाई ही नहीं बल्कि उसके सही समय का भी उल्लेख मिलता है। कहा गया है कि सूर्यास्त के समय और ब्रह्म मुहूर्त में झाड़ू लगाना शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि इन समयों पर सफाई करने से मां लक्ष्मी की कृपा कम हो सकती है, इसलिए दीवाली की साफ-सफाई करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

पंडित संतोष मिश्रा ने बताया कि घर में पड़ा टूटा हुआ शीशा न केवल वास्तु दोष बढ़ाता है बल्कि मानसिक तनाव और पारिवारिक क्लेश का कारण भी बनता है। इसी तरह पुराने मोबाइल, लैपटॉप या खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान भी घर की सकारात्मक ऊर्जा को रोकते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि दीवाली पर इन वस्तुओं को घर से निकाल देना चाहिए।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, मां लक्ष्मी सिर्फ साफ-सुथरे घर में ही निवास करती हैं। यदि घर में गंदगी और अव्यवस्था है, तो आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं, इसलिए दीवाली की तैयारी करते समय वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करते हुए सफाई और सजावट करें। इसी से आपके घर में सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग होगा।

दिवाली से पहले सूर्य का राशि परिवर्तन

हिंदू धर्म में ग्रहों के हिसाब से राशि की गणना की जाती है। जब किसी ग्रह का राशि परिवर्तन होता है, तो शुभ और अशुभ परिणाम दोनों देता है। ग्रंथों में सूर्य ग्रह को ग्रहों का राजा कहा जाता है। दिवाली के पहले यही ग्रहों के राजा सूर्य ग्रह कन्या राशि से तुला राशि में गोचर करने वाले हैं। इससे कई राशि के जीवन मे उतार-चढ़ाव की स्थिति देखने को मिलेगी। वैदिक ज्योतिष अनुसार इस साल धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इससे एक दिन पहले 17 अक्टूबर को ग्रहों के राजा सूर्य की चाल में बदलाव होने जा रहा है।

इन राशियों को मिलेगा अशुभ परिणाम

मेष – इस राशि वाले जातकों के लिए सूर्य का राशि परिवर्तन सप्तम भाव में गोचर करेगा, जो विवाह, साझेदारी और जनसंपर्क से संबंधित है। इस राशि वाले जातक को सेहत से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खर्च की अधिकता रहेगी। कारोबार में थोड़ी सतर्कता बरतने की जरूरत है, क्योंकि आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन – इस राशि के जातक के लिए, सूर्य मिथुन राशि पंचम भाव में गोचर कर रहा है, जो बुद्धि, संतान, शिक्षा और प्रेम से संबंधित है। उन्हें वाहन प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए। संपत्ति से जुड़ा विवाद सामने आ सकता है। सेहत को लेकर सतर्क रहें। जीवन में प्रतिकूल परिणामों का सामना

करना पड़ सकता है। धन संचय में दिक्कतें आ सकती हैं।

मकर – इस राशि वाले जातक को सूर्य का राशि परिवर्तन करना बेहद अशुभ परिणाम देखने को मिलेगा। उन्हें वाहन और स्वास्थ्य पर धन खर्च करना पड़ सकता है। माता-पिता के साथ रिश्ते बिगड़ सकते हैं। किसी भी नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं, तो कुछ समय के लिए टाल दें। भावुकता में आकर कोई फैसला न लें। रिश्तों में अनबन हो सकती है।

सूर्य को प्रसन्न करने के उपाय

सूर्य देव को प्रसन्न करने के लिए नियमित रूप से उनकी पूजा करें और उन्हें जल अर्पित करें। रविवार के दिन व्रत रखें। अपने पिता और अन्य वरिष्ठजनों का सम्मान करें। गुस्से पर नियंत्रण रखें और वाणी को मधुर रखें। गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें।

हम अनंत संभावनाओं के स्वामी हैं, हमारे भीतर विचार, संकल्प और ज्ञान की शक्तियां छिपी हैं

जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को जन्म से ही शक्ति, विद्या और ऊर्जा मिली हुई है। मनुष्य अनंत संभावनाओं का स्वामी है। उसके भीतर विचार, संकल्प और ज्ञान के रूप में एक अपार शक्ति छिपी है। यदि वह शुभ चिंतन करे और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़े, तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं रहता। सकारात्मक सोच और मजबूत इच्छाशक्ति से हर चुनौती पार किया जा सकता है।

8 साल की उम्र में ही स्टार बन गई, अब 24वें जन्मदिन से पहले ही हॉलीवुड तक बजाया डंका

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आज अपना 24वां जन्मदिन मना रही हैं। महज 8 साल में ही शोबिज की रंगीन दुनिया में नाम कमा चुकीं अवनीत महज 24 साल की उम्र में दर्जनभर से ज्यादा टीवी सीरियल, रियलिटी शो और फिल्मों में काम कर चुकी हैं। साथ ही रेड कार्पेट पर अपनी अदाओं का जलवा दिखाती नजर आती हैं। इतना ही नहीं अवनीत सोशल मीडिया की भी क्वीन हैं और इंस्टाग्राम पर उन्हें 34 मिलियन से भी ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

डांसिंग शो से की थी करियर की शुरुआत

अवनीत कौर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट लंबे समय से कैमरे के सामने काम कर रही हैं। साल 2010 में अवनीत कौर ने 8 साल की उम्र में ही 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर' रियलिटी शो में हिस्सा लिया था। साथ ही डांस के सुपरस्टार नाम के रियलिटी शो में भी काम किया। इन दोनों शो से ही अवनीत को काफी पहचान मिली और स्टार बन गईं। इसके बाद अवनीत ने एक्टिंग और एड की दुनिया में काम

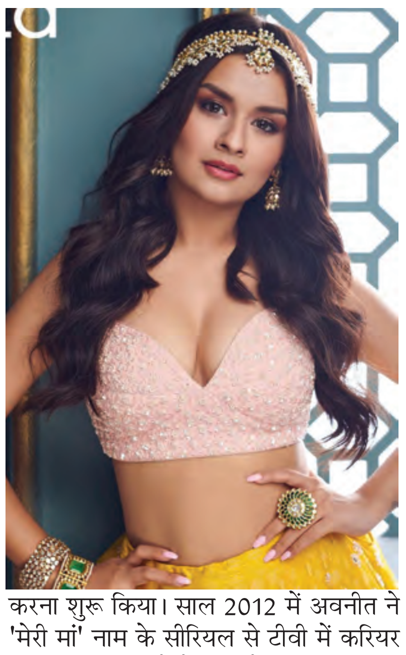

करना शुरू किया। साल 2012 में अवनीत ने 'मेरी मां' नाम के सीरियल से टीवी में करियर शुरू किया। इस शो ने भी उन्हें टीवी की दुनिया में काफी पहचान दिलाई। इसके साथ ही चंद्र नंदिनी और अलादीन जैसे सीरयल्स में काफी तारीफें बटोरीं।

रानी मुखर्जी के साथ की थी फिल्म

साल 2014 में अवनीत ने टीवी के साथ फिल्मों में अपना करियर शुरू किया और मर्दानी में काम किया। इस फिल्म में रानी मुखर्जी ने लीज रोल निभाया था। इसके बाद अवनीत लगातार सीरियल्स के साथ फिल्मों में किरदार निभाती रहीं। इरफान खान स्टारर फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में भी अवनीत ने छोटा किरदार निभाया था। अब तक 47 से ज्यादा फिल्मों और सीरियल्स में काम कर चुकीं अवनीत ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ बतौर लीड हीरोन भी फिल्म की है। इस फिल्म का नाम था 'टीकू वेड्स शेरू' और इसमें अवनीत ने लीड रोल निभाया था। हालांकि ये फिल्म फ्लॉप रही। साथ ही लव की अरेंज मैरिज में भी अवनीत ने लीड रोल किया है। आईएमडीबी के मुताबिक सपनों का शॉर्ट सर्किट और ब्रूनी में नजर आने वाली हैं।

तमन्ना भाटिया पर अन्नू कपूर ने की ओछी बात भड़के लोग बोले- इसे उम्र का लिहाज भी नहीं है

अन्नू कपूर अपनी दमदार आवाज और बेबाक बातों के लिए जाने जाते हैं, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तमन्ना भाटिया के बारे में कुछ ऐसे कमेंट्स किए हैं जिसने लोगों को हैरान कर दिया। तमन्ना भाटिया के वायरल गाने 'आज की रात' और उनके एक बयान पर अन्नू कपूर ने मजाकिया लेकिन कुछ हद तक विवादित प्रतिक्रियाएं दीं, जो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में आ गई हैं। अब लोग उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं और लोगों का कहना है कि उन्होंने उम्र का लिहाज करना भी छोड़ दिया है। अब आखिर अन्नू कपूर ने क्या कहा चलिए आपको बताते हैं।

क्या बोले अन्नू कपूर?

तमन्ना ने कहा था कि मां बच्चे को सुलाने के लिए गाना गाती हैं। इस बयान का मजाक उड़ाते हुए अन्नू कपूर ने कहा, 'माशाअल्लाह क्या दूधिया बदन है। बच्चे कितने साल के हो जाते हैं? 70 साल का बच्चा भी सो सकता है! अंग्रेजी में कहते हैं वह 70 साल का है। मैं 70 साल का बच्चा हूं, कोई 11 साल का बूढ़ा भी हो सकता है। तो फिर कौन सोता है? ये कैसे पता !₹ उनके इस चुटीले अंदाज ने तमन्ना के बयान पर तंज कसते हुए लोगों को हंसाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर कर दिया।

अन्नू कपूर ने इस तरह पूरी की बात

अन्नू कपूर ने तमन्ना की तारीफ भी की कि अगर उनका गाना या उनका 'दूधिया' चेहरा बच्चों को मीठी नींद सुला रहा है तो यह देश के लिए एक अच्छी बात है। उन्होंने कहा, 'यह इस देश के लिए बहुत बड़ी बात होगी कि हमारे बच्चे मीठी और सेहतमंद नींद सोएं।' यह बयान उनके मजाकिया अंदाज को दर्शाता है, जो कई बार उनके इंटरव्यू में देखने को मिलता है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि अगर तमन्ना की कोई और इच्छाएं हैं तो वे उनके लिए ईश्वर से आशीर्वाद की कामना करते हैं, ताकि वे अपनी सभी इच्छाएं पूरी कर सकें।

लोगों का रिक्शन

सोशल मीडिया पर इस इंटरव्यू को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली हैं। कुछ लोग अन्नू कपूर की बातों को मजाकिया और वायरल पल मान रहे हैं, जबकि कुछ ने उनकी उम्र का हवाला देते हुए कहा कि वे अब सठिया गए हैं। कुछ ने कहा कि उनकी टिप्पणियां थोड़ी ओछी थीं और उम्र के इस पड़ाव पर थोड़ा संयम दिखाना चाहिए था। कुल मिलाकर, अन्नू कपूर के ये कमेंट्स सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं और लोगों के अलग-अलग विचार सामने आ रहे हैं। एक शख्स ने लिखा, 'ये क्या ओछी हरकत है।' एक अन्य शख्स ने लिखा, 'ये अपनी उम्र का लिजाह करना भूल गए हैं।'

दिवाली पार्टी में वर्षों बाद साथ दिखे बॉबी देओल और प्रीति जिंटा, फैंस ने की 'सोल्जर 2' की डिमांड

बॉलीवुड में दिवाली की रौनक इस साल कुछ और ही खास रही। डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की भव्य दिवाली पार्टी में जब एक ही फ्रेम में बॉबी देओल और प्रीति जिंटा नजर आए, तो सोशल मीडिया पर मानो पुरानी यादों का सैलाब उमड़ पड़ा। 'सोल्जर' के इस आइकॉनिक जोड़ी को लंबे वक्त बाद साथ देखकर फैंस इतने भावुक हुए कि उन्होंने सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर दिया।

बॉबी-प्रीति ने एक दूसरे को लगाया गले

पार्टी में जब बॉबी देओल और प्रीति जिंटा आमने-सामने आए, तो दोनों के बीच का अपनापन सबका दिल जीत गया। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर हेलो किया और यह पल कैमरों में कैद होते ही वायरल हो गया। प्रीति सफेद अनारकली सूट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, वहीं बॉबी मरून रंग के मखमली कुर्ते और जरीदार डिजाइन में काफी रॉयल अंदाज में नजर आए। उनकी पत्नी तान्या देओल भी पार्टी में शामिल हुईं, जिन्होंने सुनहरी साड़ी पहनकर सबका ध्यान खींचा।

प्रीति का दिल जीतने वाला एक प्यारा पल भी कैमरे में कैद हुआ जब फोटोग्राफर ने बॉबी और प्रीति की जोड़ी की तस्वीरें लेनी शुरू कीं, तो प्रीति ने तान्या देओल को भी फ्रेम में शामिल कर लिया। उनके इस कदम ने लोगों का दिल जीत लिया।

फैंस बोले- 'सोल्जर 2 बनाओ!'

जैसे ही तस्वीरें सोशल मीडिया पर आईं, लोगों की पुरानी यादें ताजा हो गईं। किसी ने लिखा – 'प्रीति जिंटा को कोई हेट नहीं कर सकता, वह बहुत प्यारी हैं।' तो किसी ने टैग करते हुए कहा कि उन्हें 'सोल्जर 2' देखनी है।

जब 'सोल्जर' ने मचाई थी सनसनी

साल 1998 में आई फिल्म सोल्जर न सिर्फ बॉबी देओल और प्रीति जिंटा के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई थी, बल्कि उस साल 'कुछ-कुछ होता है' के बाद दूसरी सबसे बड़ी हिट फिल्म बनी थी। इसके गाने- 'सोल्जर सोल्जर' और 'मेरे दिल जिगर से गुजर गई' आज भी लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने उन्हें दर्शकों का फेवरेट जोड़ा बना दिया था।

'सोल्जर' के बाद इस जोड़ी ने झूम बराबर 'झूम' और 'हीरोज' जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया। हालांकि उसके बाद दोनों को एक साथ बड़े पर्दे पर नहीं देखा गया था। यही वजह रही कि मनीष मल्होत्रा की पार्टी में उनकी यह मुलाकात फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं थी।

दोनों कलाकारों के मौजूदा प्रोजेक्ट्स

प्रीति जिंटा अब लंबे समय बाद फिल्मी दुनिया में वापसी करने जा रही हैं। आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म लाहौर 1947 में वह सनी देओल के साथ मुख्य भूमिका निभा रही हैं। वहीं, बॉबी देओल इन दिनों अपने करियर के सबसे मजबूत दौर में हैं। हाल ही में उन्होंने आर्यन खान के निर्देशन में बनी सीरीज 'द् बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में दमदार किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें जबरदस्त सराहना मिली।

'एक ही परिवार के तीन सदस्य' फिल्मफेयर अवॉर्ड्स को लेकर अमिताभ बच्चन ने किया पोस्ट

बीते शनिवार, 11 अक्तूबर 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में 70वां फिल्मफेयर अवॉर्ड समारोह आयोजित हुआ। इस बार बच्चन परिवार के लिए यह समारोह खास रहा, क्योंकि अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और अभिषेक बच्चन ने अवॉर्ड जीतकर हैट्रिक बनाई। आज अमिताभ बच्चन ने एक खास पोस्ट शेयर कर अपनी फीलिंग्स को जाहिर किया है।

अभिषेक बच्चन को उनकी फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। वहीं, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन को सिने आइकन सम्मान से नवाजा गया। इस खुशी को अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्मफेयर ट्रॉफी की तीन तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'एक ही परिवार के तीन सदस्य, एक ही पेशे में, और एक ही दिन तीन अवॉर्ड। 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड में अभिषेक को बेस्ट एक्टर, जया और मुझे सम्मान मिला। यह हमारा सौभाग्य है। हम सभी दर्शकों का दिल से आभार व्यक्त करते हैं धन्यवाद।'

बच्चन परिवार का जलवा

अमिताभ बच्चन ने पोस्ट के साथ तीनों अवॉर्ड ट्रॉफियों की तस्वीरे भी शेयर की, जिसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। वहीं, अभिषेक बच्चन के लिए यह खास पल रहा, क्योंकि 25 साल के करियर में पहली बार उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट एक्टर अवॉर्ड मिला। यह उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हिंदी सिनेमा में फिल्मफेयर अवॉर्ड का बहुत महत्व है। पिछले सात दशकों से यह सम्मान फिल्मी सितारों को दिया जा रहा है। इस बार बच्चन परिवार ने इसमें अपनी धाक जमाई।

1 साल पहले हुआ तलाक, अब ईशा देओल ने एक्स हसबैंड भरत तख्तानी को किया बर्थडे विश

70-80 के दशक के दो टॉप स्टार्स धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल 2024 में अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहीं। ईशा देओल 2012 में बिजनेसमैन भरत तख्तानी से शादी के बंधन में बंधी थीं, लेकिन 2024 में अचानक दोनों ने तलाक का ऐलान कर दिया, जिसके बाद से ही ईशा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। ईशा और भरत तख्तानी के तलाक को एक साल हो चुके हैं और अब दोनों के बीच की कड़वाहट कम होती नजर आ रही है। ईशा ने अपने एक्स हसबैंड को उनके जन्मदिन पर विश भी किया है।

ईशा देओल ने एक्स हसबैंड भरत तख्तानी को विश किया बर्थडे

ईशा देओल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने भरत तख्तानी को बर्थडे विश किया है। उन्होंने भरत की फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखा- 'मेरे बच्चों के पिता को जन्मदिन की बधाई, हमेशा खुश और स्वस्थ रहो।' ईशा के इस पोस्ट ने उनके फैंस के बीच भी हलचल पैदा कर दी है। हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब ईशा ने भरत को लेकर ऐसा गेस्चर

दिखाया हो, इससे पहले दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में भी साथ डिनर करते देखा गया था।

तलाक के बाद साथ मिलकर कर रहे बेटियों की परवरिश

ईशा देओल और भरत तख्तानी भले ही अलग हो चुके हैं, लेकिन अब भी अपनी दोनों बेटियों राध्या और मिराया की परवरिश दोनों साथ मिलकर कर रहे हैं। ईशा ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में भी इस पर चर्चा की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था- 'जरूरी नहीं कि दोनों के बीच रिश्ता हर समय एक जैसा हो, लेकिन दो बच्चों के बाद हमें मैच्योरिटी के साथ आगे बढ़ना होता है।' ईशा की इस बात से एक बात जाहिर है कि वह अपनी बेटियों की खातिर एक्स हसबैंड भरत तख्तानी से टच में हैं।

11 साल बाद टूटा था रिश्ता

बता दें, ईशा देओल और भरत तख्तानी 2012 में शादी के बंधन में बंधे थे, लेकिन 2011 में दोनों का रिश्ता टूट गया। भरत से शादी के बाद ईशा एक्टिंग से दूर हो चुकी थीं और उन्होंने अपना पूरा फोकस अपने परिवार पर रखा था, लेकिन एक समय के बाद उनका और भरत का रिश्ता पटरी से उतर गया। ईशा अब अपनी बेटियों की परवरिश में व्यस्त हैं और दूसरी तरफ भरत आगे बढ़ चुके हैं और अपने नए रिश्ते का भी ऐलान कर चुके हैं। उन्होंने मेघना लखानी के साथ फोटो शेयर करते हुए इसका ऐलान किया था।

'2 शादी, 2 लिव-इन रिलेशनशिप', एक्ट्रेस ने नेशनल टीवी पर किए चौंकाने वाले खुलासे, शराब की लत का भी रहीं शिकार

रियेलिटी शो बिग बॉस 19 में इन दिनों नए-नए खुलासों का दौर जारी है। जब से शो में मालती चाहर ने बतौर वाइल्डकार्ड एंट्री ली है, वह सभी घरवालों की पोल खोल रही हैं। खासतौर पर उनके निशाने पर तान्या मित्तल हैं, जिन्हें लेकर वह अब तक कई खुलासे भी कर चुकी हैं और उन्हें कई बार रुला भी चुकी हैं। अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने भी बिग बॉस में एंट्री ली है और जब से वह रियेलिटी शो का हिस्सा बनी हैं, अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई खुलासे कर चुकी हैं। अब एक बार फिर कुनिका अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चौंकाने वाले खुलासे करती दिखीं।

ब्रेकअब के बाद शराब में डूब गई थीं कुनिका

कुनिका सदानंद ने हाल ही में अपनी लव लाइफ के बारे में खुलासा किया और बताया कि वह अपने एक ब्रेकअब के बाद शराब की लत में डूब गई थीं। उन्होंने बताया कि खुद को इमोशनली कमजोर महसूस करते हुए उन्होंने शराब का सहारा लिया और फिर उन्हें इसकी लत लग गई। इसी दौरान उन्होंने अपनी एक ऐसी डेट के बारे में भी बात की, जिसमें वह असहज हो गई थीं।

दो शादी और लिव इन रिलेशनशिप पर खुलासे

कुनिका सदानंद दो शादियों के अलावा दो लिव इन रिलेशनशिप में भी रह चुकी हैं। कुमार सानू के साथ अपने अफेयर का वह पहले ही खुलासा कर चुकी हैं। अब कुनिका ने मृदुल तिवारी के साथ कैंडिड बातचीत के दौरान कहा- 'मैं ड्रग्स नहीं करती, लेकिन एक समय था जब में शराब बहुत पीती थी। मैं तब इमोशनली बहुत डाउन हो चुकी थी, वो ब्रेकअप के बाद का मसय था। मैं शराब पी-पीकर इतना फूल गई थी, बाप रे बाप। डबिंग करते समय जब मैंने खुद को देखा तो सोचा, क्या लग रही हूं मैं। मेरे दो लिव इन रिलेशनशिप और चार रोमांस रहे हैं और दो शादी भी। मतलब 60 की उम्र तक सब ठीक है।'

डेट पर हो गई थीं असहज

इसी दौरान कुनिका ने अपनी एक डेट का भी खुलासा किया और इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- 'मैं एक बार एक डिनर डेट पर गई, जहां लोगों ने 20 हजार की शैंपेन ऑर्डर की। एक-दो दिन बाद उसी आदमी ने कहा- ये सबसे अच्छी और महंगी शैंपेन है। मैंने इसके लिए बहुत पैसे दिए हैं। तब मुझे एहसास हुआ कि मैंने भी वो शैंपेन पी ली। इसलिए जब उस शख्स ने मुझे अगली बार डिनर पर चलने के लिए कहा तो मैंने साफ-साफ कह दिया कि देखो मैं नहीं आ रही।' इसी बीच जब गौरव ने कुनिका से पूछा कि क्या उन्होंने कभी किसी एक्टर को डेट किया है तो जवाब में कुनिका ने कहा- 'नहीं, एक्टर्स के साथ समस्या होती है कि वह खुद से ज्यादा प्यार करते हैं और किसी और से नहीं।

खासतौर पर बड़े एक्टर्स, सच्चा प्यार नहीं कर पाते। वह खुद को ही आईने में देखते रहते हैं और पूछते हैं- मैं कैसा लग रहा हूं?'

अनीत पड्डा ने कातिलाना वॉक से रैंप पर लगाई आग, लैक्मे फैशन वीक में छाईं 'सैयारा' की एक्ट्रेस

लैक्मे फैशन वीक 2025 के तीसरे दिन मृणाल ठाकुर, तब्बू,शालिनी पासी और वाणी कपूर जैसी कई मशहूर हस्तियों ने शोस्टॉपर बन अपनी खूबसूरती से सभी का दिल जीत लिया। इन सारी हीरोइन ने पंकज एंड निधि, इत्र, निकिता म्हैसालकर और महिमा महाजन जैसे मशहूर डिजाइनरों के बेहतरीन कलेक्शन के लिए रैंप वॉक किया था। हालांकि, अनीत पड्डा अपने रैंप वॉक डेब्यू के बाद से जबरदस्त चर्चा में बनी हुई हैं। लैक्मे फैशन वीक बड़ी धूमधाम से खत्म हुआ, जब अनीत पड्डा ग्रैंड फिनाले में फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी के लिए रनवे पर उतरीं।

अनीत पड्डा ने लैक्मे फैशन वीक में डेब्यू किया

अनीत पड्डा बेज कलर के इंडो-वेस्टर्न आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। एक्ट्रेस की ड्रेस में देशी और थोड़ा विदेशी तड़का लगाया, लेकिन इसे गाउन की तरह स्टाइल किया गया था। मैचिंग कॉर्सेट और सिंपल ज्वैलरी से उन्होंने अपना लुक पूरा किया। अनीत जब अपने स्टाइलिश अंदाज में रनवे पर उतरीं तो उनके चेहरे की मुस्कान ने सभी का दिल जीत लिया। सैयारा एक्ट्रेस को देख ऐसा बिल्कुल नहीं लगा रहा था कि वह पहली बार रैंप वॉक कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कम से कम मेकअप के साथ खूबसूरत क्रिस्टल वर्क वाली हील्स में रनवे पर आग लगा दी। वहीं, तरुण के

कलेक्शन बेज्वेल्ड में मॉडल्स ने ब्लैक और गोल्ड कलर के जैकेट, किमोनो, ज्वेल प्रिंटेड बॉम्बर और ड्रेप्ड गाउन पहने हुए थे। बेल्ट और बैग को मोतियों से सजाया गया था।

अनीत पड्डा का लैक्मे फैशन वीक लुक

तरुण के अनुसार, गोल्डन कलर की साड़ी से प्रेरित यह ड्रेस मेटैलिक सीक्विन से बनी थी और स्वारोवस्की क्रिस्टल से सजी हुई थी। इस साड़ी गाउन में एक कोर्सेट वाली चोली थी जो स्वीटहार्ट नेकलाइन पर सीक्विन से तैयार की गई थी। उनकी ड्रेस के पल्लू में भी थोड़े बहुत सीक्विन थे और कंधे पर प्लीट्स थे जो इसे साड़ी लुक देते हैं। अनीत ने हीरे से जड़े कंगन और एक स्टेटमेंट रिंग पहनी थी। वहीं, अपने बालों को कर्ल के साथ खुला छोड़ा था। उनका मेकअप मिनिमल था, लेकिन उनकी आंखों पर स्मोकी मेकअप किया गया। फैंस ने अनीत के रैंप डेब्यू पर रिएक्ट किया और लैक्मे के इंस्टाग्राम पेज पर उनकी तारीफों की बौछार कर दी।

सैयारा ने इस हसीना को बनाया स्टार

अनीत पड्डा एक एक्ट्रेस हैं जो मॉडलिंग के दुनिया में भी कदम रख चुकी हैं। 14 अक्टूबर 2002 को पंजाब के अमृतसर में जन्मी थीं। उन्होंने 2022 में 'सलाम वेंकी' फिल्म से अपने अभिनय की शुरुआत की और 2024 में अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' से नेम-फेम कमाया। उनकी हालिया फिल्म 'सैयारा' 2025 में रिलीज हुई थी जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई।

सुबह जोड़ों में क्यों बढ़ जाती है जकड़न की समस्या, कारण और बचाव

सुबह-सुबह उठते ही अगर आपको जोड़ों में जकड़न और दर्द की समस्या होती है तो ऐसे आप अकेले नहीं हैं। बहुत से लोगों को यह समस्या होती है, खासकर बढ़ती उम्र, ठंड के मौसम या गठिया जैसी स्थितियों में। इस समस्या को "मॉर्निंग स्टिफनेस" कहा जाता है। कानपुर में स्थित अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट - आर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन डॉ. मानव लूथरा, बता रहे हैं कि आखिर सुबह के समय हमारे जोड़ों में इतनी कठोरता क्यों महसूस होती है और इससे राहत पाने के क्या तरीके हैं।

सुबह जोड़ों में जकड़न क्यों होती है?

रात में जब हम सोते हैं, तो शरीर का मूवमेंट बहुत कम होता है। इस दौरान जोड़ों के चारों ओर की झिल्ली में मौजूद सिनोवियल फ्लूइड का प्रवाह भी धीमा हो जाता है। यही फ्लूइड जोड़ों को लचीला बनाए रखता है। जब इसका प्रवाह कम हो जाता है, तो सुबह उठते ही जोड़ों में घर्षण बढ़ जाता है। इसके अलावा, शरीर में सूजन बढ़ने से भी मॉर्निंग स्टिफनेस होती है। गठिया वाले लोगों में रात के समय सूजन अधिक बढ़ जाती है, जिससे सुबह उठते ही दर्द और अकड़न ज्यादा महसूस होती है।

किन कारणों से बढ़ती है यह परेशानी?

बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों और जोड़ों की लचक कम हो जाती है, जिससे सुबह जकड़न महसूस होती है। गठिया या जोड़ों की सूजन, जैसे रूमेटॉइड आर्थराइटिस या ऑस्टियोआर्थराइटिस में भी यह लक्षण आम होता है। ठंडा मौसम मांसपेशियों को सिकोड़ता है, जिससे जोड़ों की जकड़न और बढ़ जाती है। लंबे समय तक बैठना या एक ही पोजिशन में रहना भी जोड़ों की गतिशीलता को घटाता है। इसके अलावा कम पानी पीना और पोषण की कमी, जैसे शरीर में फ्लूइड, विटामिन डी या कैल्शियम की कमी, भी जोड़ों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

राहत पाने के उपाय

सुबह हल्की एक्सरसाइज या स्ट्रेचिंग करना फायदेमंद है, इससे खून का प्रवाह बढ़ता है और जोड़ों में गर्माहट आती है जिससे जकड़न और स्टिफनेस कम होती है।

गुनगुने पानी से नहाना भी मांसपेशियों और जोड़ों को आराम देता है और दर्द को कम करता है।

पोषक तत्वों से भरपूर डाइट लेना बहुत जरूरी है, जिसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन D और कैल्शियम शामिल हों, क्योंकि ये जोड़ों को मजबूती और लचीलापन प्रदान करते हैं।

वजन को नियंत्रित रखना भी आवश्यक है, क्योंकि अतिरिक्त वजन जोड़ों पर दबाव बढ़ाता है और दर्द या जकड़न को और बढ़ा सकता है।

इसके अलावा पर्याप्त नींद लेना और लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न बैठना भी जोड़ों की सेहत बनाए रखने में मदद करता है।

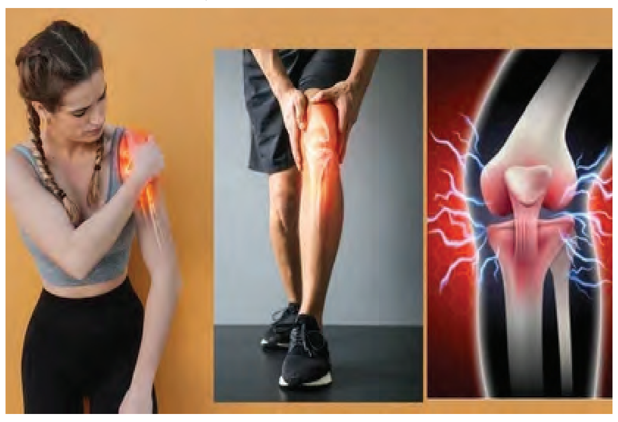

सुबह खाली पेट नहीं खानी चाहिए ये 3 चीजें फायदा तो दूर की बात उठाना पड़ सकता नुकसान

सुबह सोच समझकर खाना चाहिए क्योंकि आप जो भी खाते हैं उसका सीधा असर आपकी सेहत पर पड़ता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो दिन की शुरुआत हेल्दी चीजों के साथ करनी चाहिए। जिससे शरीर को जरूरी पोषण और एनर्जी मिल सके। हालांकि ज्यादातर लोग सुबह चाय कॉफी पीकर दिन की शुरुआत करते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि सुबह खाली पेट फल खाना अच्छा होता है। जबकि डॉक्टर्स के मुताबिक सुबह खाली पेट कुछ फल खाना फायदा नहीं बल्कि नुकसान पहुंचा सकता है। इससे पेट की सेहत पर बुरा असर हो सकता है। गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। इसलिए इन 3 चीजों को सुबह खाली पेट खाने से आपको बचना चाहिए।

सुबह खाली पेट नहीं खानी चाहिए ये 3 चीजें

ब्लैक कॉफी- चाय कॉफी पीने वालों को खास सावधानी बरतनी चाहिए। खासतौर से सुबह खाली पेट ब्लैक कॉफी नहीं पीनी चाहिए। लोग ब्लैक कॉफी पीकर जिम जाते हैं और कुछ लोग एनर्जी के लिए ब्लैक कॉफी पीते हैं। लेकिन खाली पेट ब्लैक कॉफी पीने से एसिड की समस्या हो सकती है। पेट में अचानक एसिड बढ़ने से जलन हो सकती है। कुछ लोगों को खाली पेट कॉफी पीने से ब्लोटिंग और बेचैनी होने लगती है। कॉफी में कैफीन पाया जाता है। जिससे शरीर में कोर्टिसोल यानी तनाव हार्मोन बढ़ जाता है। इससे बॉडी की नेचुरल एनर्जी कम होने लगती है।

सिट्रस फल- सुबह फल खाना फायदेमंद होता है लेकिन सिट्रस फ्रूट यानि खट्टे फलों का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। सिट्रस फलों में संतरा या नींबू सुबह खाली पेट खाना ठीक नहीं होता है। एसिडिक फल खाने से पेट में गैस, जलन और एसिडिटी बढ़ सकती है। जिन्हें एसिडिटी या गैस्ट्रिक की समस्या रहती है उन्हें सुबह नींबू, मौसमी, संतरा जैसे फलों का सेवन नहीं करना चाहिए।

तला-भुना खाना- सुबह खाली पेट ज्यादा ऑयली फूड का सेवन नहीं करना चाहिए। ज्यादा तला और मसालेदार खाना खाने से पेट और पाचन तंत्र पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। जिससे आपको भारीपन, गैस और अपच की समस्या हो सकती है। तले हुए भोजन में ट्रांस फैट ज्यादा होने से पेट में सूजन आ सकती है। इससे एसिडिटी बढ़ती है और सुबह सुस्ती और थकान भी होने लगती है।

सुबह क्या खाना चाहिए?

सुबह उठकर 1 गिलास गुनगुना पानी पीना चाहिए। इससे शरीर डिटॉक्स होता है और पाचन बेहतर होगा। अगर आपको सूट करता है तो पानी में थोड़ा नींबू और शहद मिलाकर भी पी सकते हैं। दिन की शुरुआत हेल्दी और लाइट ब्रेकफास्ट से करें। आप नाश्ते में भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स, ओट्स या केला भी खा सकते हैं। इसके अलावा थोड़ा ब्रेड-ऑमलेट, इडली-सांभर, डोसा-सांभर, उबले अंडे या सेब जैसी चीजें खा सकते हैं।

किडनी खराब होने पर शरीर में दिखाई दे सकते हैं मामूली से लगने वाले ये लक्षण

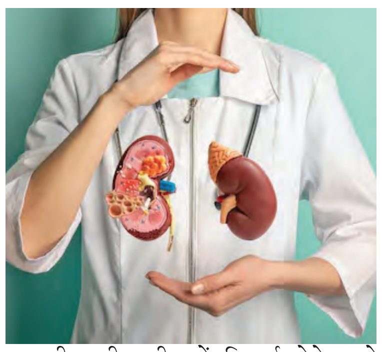

कभी-कभी शरीर में दिखाई देने वाले लक्षण बार-बार सेहत से जुड़ी किसी गंभीर समस्या के बारे में बताने की कोशिश करते हैं। लेकिन अक्सर लोग अपनी बॉडी में दिखाई देने वाले बीमारी के लक्षणों को मामूली समझने की गलती कर बैठते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे लक्षणों के बारे में बताएंगे जो दिखने में भले ही साधारण लगते हों लेकिन किडनी में हो रही खराबी का संकेत हो सकते हैं।

थकान और कमजोरी

जरूरी नहीं है कि सिर्फ आराम की कमी के कारण ही थकान और कमजोरी महसूस हो। अगर आपको हर समय एनर्जी की कमी महसूस हो रही है, तो हो सकता है कि आपकी किडनी खराब हो रही हो। किडनी खराब होने पर आपके पैरों में या फिर चेहरे में भी सूजन हो सकती है। भूख न लगना, इस तरह का लक्षण भी किडनी के खराब होने की तरफ इशारा कर सकता है।

पेशाब में दिखाई देने वाले लक्षण

किडनी खराब होने पर पेशाब की आदतों में भी बदलाव देखा जा सकता है। बार-बार पेशाब आना किडनी से जुड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है। इसके अलावा झागदार पेशाब, आपको इस तरह के लक्षण को नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए। मतली जैसा मामूली सा लगने वाला लक्षण भी किडनी के खराब होने की तरफ इशारा कर सकता है।

गौर करने वाले लक्षण

जरूरी नहीं है कि मौसम बदलने की वजह से ही आपको खुजली वाली सूखी त्वचा की समस्या का सामना करना पड़े, इस तरह का लक्षण किडनी के खराब होने का संकेत हो सकता है। किडनी खराब होने पर पेशेंट को सांस लेने में तकलीफ महसूस हो सकती है। अगर आपको इस तरह के लक्षण एक साथ महसूस हो रहे हैं, तो आपको बिना देरी किए तुरंत अपना चेकअप करवा लेना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

शरीर के किन अंगों के लिए फायदेमंद आलूबुखारा सेवन करने से फौलाद सी बन जाएगी सेहत

आलूबुखारा के फायदे

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आलूबुखारा में मैग्नीशियम और विटामिन बी6 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। इसके अलावा आलूबुखारा में विटामिन के भी मौजूद होता है। एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर ये फल आपकी ओवरऑल हेल्थ पर पॉजिटिव असर डाल सकता है। आइए इस फल को खाने के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप अपनी गट हेल्थ को सुधारना चाहते हैं, तो आप इस फल को कंज्यूम करना शुरू कर सकते हैं। आलूबुखारा पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है। इसके अलावा आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आलूबुखारे में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

मजबूत बनाएं दिल की सेहत

दिल की सेहत को मजबूत बनाने के लिए इस फल को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है। आलूबुखारे का सेवन करने से दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इतना ही नहीं, आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आलूबुखारे में मौजूद तत्व कैंसर जैसी घातक बीमारी की संभावना को भी कम कर सकते हैं।

गौर करने वाली बात

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक पोषक तत्वों से भरपूर आलूबुखारा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मददगार साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खून की कमी से बचाव के लिए आयरन से भरपूर आलूबुखारे का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अपनी वेट लॉस जर्नी को बूस्ट करने के लिए आलूबुखारे को कंज्यूम किया जा सकता है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से इस फल का सेवन करना चाहिए।

कमजोर नजर का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है। नजर कमजोर हो गई है। साफ दिखाई नहीं पड़ता क्या करूं? बताएं।

- रामकृष्ण राव, सिकंदराबाद

उत्तर : धुंधला दिखाई देना, आंख के सामने कल्पित रूपों को देखना, आंखों के आगे अलग-अलग प्रकार की चमक दिखाई पड़ना, वस्तुएं धुंधली, ढकी हुई सी दिखाई देना, यह सब दृष्टिमांद्य या नजर कम पडने के सामान्य लक्षण हैं।

त्रिफला क्वाथ में शुद्ध घृत मिलाकर लेने से काफी तेजी से आंखों की दृष्टि ठीक होती है। ऊंझा त्रिफला चूर्ण को शहद में मिलाकर लेने से नज़र ठीक होती है । ऊंझा सप्तामृत लौह इसकी परमौषधि है। सप्तामृत लौह टिकिया या उजाला टिकिया भी दृष्टिमांद्य की श्रेष्ठ औषधी है। महात्रिफलादि घृतम्‍ सप्तावर्ती दूध के साथ 2 से 4 माह तक लेते रहने से नजर ठीक होने लगती है। गाजर, चुकंदर , अंकुरित बीज, घी, मक्खन आदि का प्रयोग भी आंखों की रोशनी को ठीक करने में उपयोगी है।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है मुझे बार बार सर्दी होती है, छींके आती है, और नाक बहने लगता है। डॉक्टर से एलर्जी कहते हैं। सेट्रीजन और एंटीकोल्ड गोलियां खा कर थक चुका हूं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- के कृष्णा, संगारेड्डी

उत्तर : आपको अनुर्जता हो गई है। हमारी जीवन शैली में बदलाव, स्वस्थ वृत्त के विपरीत रहन-सहन, धूम्रपान करने और अक्सर जीवाणुओं के संक्रमण से ग्रसित होते रहने से रोग प्रतिरोधक शक्ति प्रभावित होती है। जैसे ही इम्यूनिटी कमजोर पड़ती है - बार बार जुकाम, छींक आना, नाक बहना, कंठ में सूजन आना, फुफ्फुसावरण की सूजन आदि से शरीर में अनुर्जता के लक्षण उत्पन्न होने लगते है। ऐसे लक्षणों को बड़ी आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। एलेक्जी सिरप या टेबलेट जिसमें निम्ब, खदीर, उशिर, विडंग, हरिद्रा, सप्तपर्ण, शिरीष, पिप्पली जैसी अमूल्य जड़ी बूटियां मिली है, अनुर्जताजन्य स्तिथियों में बेहतरीन काम करती है।

हरिद्रा खंड भी परम उपयोगी है। ज़ुकाम की स्थिति में ऊंझा लक्ष्मी विलास रस, कफ केतु रस या चंद्रामृत रस इसके संग जोड़ा जा सकता है। जिन कारणों से एलर्जी हो रही है आप उनसे दूर ही रहे तो ज्यादा आसानी से चिकित्सा हो सकती है।

प्रश्न : मेरी उम्र 48 वर्ष है। रक्त की जांच से इसिनोफीलिया का पता चला है। इस रोग के कारण और उपचार के विषय में जानकारी दें- कृपा होगी।

- सुधीर वर्मा, करीमनगर

उत्तर : श्वेत रक्त कण शरीर की आवश्यक रक्षा पंक्ति के सदस्य हैं। इनसे ही शरीर की ₹रोग प्रतिरोधक शक्ति₹ आती है। श्वेत रक्त कण कई प्रकार के होते हैं यथा न्यूट्रोफिल्स, बेसोफिल्स, इसिनोफिल्स और लिंफोसाइट्स आदि। जब इसिनोफिल नामक श्वेत रक्त कणों की संख्या रक्त में सामान्य से अधिक हो जाती है तो उस अवस्था को ₹इसिनोफिलिया₹ कहते हैं । इसके मुख्य कारण है- परजीवी संक्रमण, कुछ अंग्रेजी दवाओं की प्रतिक्रिया, जोड़ों के रोग, रक्त कैंसर, अनुर्जता, अस्थमा आदि। इन अवस्थाओं में यह विशेष श्वेत रक्त कोशिकाएं सामान्य से अधिक हो जाती है। चिकित्सा प्रारंभ करने से पहले निदानार्थ रक्त परीक्षण आवश्यक है। यदि रोग के कारको का पता चल जाता है तब इलाज आसान हो जाता है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। एकौषधि में हरिद्रा या हल्दी का सेवन जरूरी नतीजे देता है। औरा का एलेक्झी टेबलेट हल्दी युक्त दूध या पानी से सेवन करें। साथ में हरिद्रा खंड भी जोड़ा जा सकता है। खांसी और श्वास कष्ट की स्थिति में ऊंझा वासकासव भोजन के बाद सेवन करने से लाभ होता है। तीन सप्ताह के सेवन के बाद फिर से रक्त में इसिनोफिल्स की संख्या की जांच कराएं। ठंडा, बासी, गरिष्ठ भोजन का त्याग करें । वसा व तैलीय भोजन न लेवे।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

पपीता और कीवी के अलावा भी प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए बेहद कारगर होती हैं ये चीजें

किसी व्यक्ति के खून में प्लेटलेट्स की संख्या कम होना बेहद चिंता का विषय है। प्लेटलेट्स खून के थक्के जमाने और अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। डेंगू या अन्य वायरल संक्रमण के दौरान यह समस्या आम हो जाती है। हालांकि प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए पपीता और पपीता के पत्ते और कीवी को अक्सर जाना जाता है। मगर आज हम आपको इसके अलावा भी कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आसानी से उपलब्ध भी हैं और आपका प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

इन चीजों को डॉक्टर भी डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। सही पोषक तत्व प्रदान करने वाले ये खाद्य पदार्थ आपके बोन मैरो को प्लेटलेट्स का उत्पादन तेजी से करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और साथ ही आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि पपीता और कीवी के अलावा और कौन सी चीजें हैं जो आपके खून में प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

अनार

अनार एक शानदार फल है जो न केवल हीमोग्लोबिन बल्कि प्लेटलेट्स बढ़ाने में भी बहुत प्रभावी है। यह आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाते हैं। अनार में पाए जाने वाले तत्व प्लेटलेट्स को कम करने वाले वायरल संक्रमणों से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे प्लेटलेट्स का लेवल तेजी से सुधरता है।

नारियल पानी

नारियल पानी कम प्लेटलेट्स की स्थिति में सिर्फ हाइड्रेशन के लिए ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन के लिए भी जरूरी है। यह शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाता है, जो प्लेटलेट्स के स्तर को प्रभावित कर सकता है। नारियल पानी में मौजूद नेचुरल मिनरल्स और विटामिन्स रक्त कोशिकाओं के सामान्य कार्य को बनाए रखने में मदद करते हैं।

विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां

प्लेटलेट्स के निर्माण और उनके सही कार्य के लिए विटामिन-सी अत्यंत आवश्यक है। यह विटामिन प्लेटलेट्स को एक साथ इकट्ठा होने से बचाता है और उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाता है। आंवला, नींबू, संतरा, और शिमला मिर्च जैसे विटामिन-सी से भरपूर खाद्य पदार्थ रोजाना खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और प्लेटलेट्स के उत्पादन में मदद मिलती है।

पालक

पालक विटामिन-के और फोलिक एसिड (जिसे विटामिन-बी9 भी कहते हैं) का एक उत्कृष्ट स्रोत है। फोलिक एसिड रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी कड़ी में फोलिक एसिड प्लेटलेट्स बढ़ाने में भी मदद करते हैं। विटामिन-के खून के थक्के जमने की प्रक्रिया में मदद करता है। रोजाना पालक का सेवन, या इसे सूप या जूस के रूप में लेना, प्लेटलेट्स के स्तर को स्वाभाविक रूप से सुधारता है।

क्या उल्टा चलने से भी शरीर को फायदा मिलता है?

अपने आप को सेहतमंद रखने के लिए लोग सुबह या शाम के समय वॉक करना पसंद करते हैं। यह एक ऐसी एक्सरसाइज़ है जो आपके शरीर को केवल फायदा ही देती है। लेकिन क्या हो अगर आप उल्टा चलकर एक्सरसाइज़ करें? अब, आप सोच रहे होंगे ये क्या मज़ाक है? तो, हम आपको बता दें, इन दिनों लोगों में रिवर्स वाकिंग (Reverse walking) का ट्रेंड चल पड़ा है। रिवर्स वाकिंग से वाकई सेहत को कोई फायदा होता है, चलिए जानते हैं वो फायदे कौन से हैं?

रिवर्स वॉकिंग के फायदे

रिवर्स वॉकिंग या पीछे की ओर चलने से सेहत को कई फायदे होते हैं। यह ट्रेंड इन दिनों लोगों में यूं ही नहीं बढ़ रहा है बल्कि इसके कई स्वस्थ्य लाभ हैं। एक्सपर्ट भी यह मानते हैं कि यह अनकन्वेंशनल एक्सरसाइज़ आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

रिवर्स वॉकिंग से मांसपेशियां बनती हैं मजबूतः

रिवर्स वॉकिंग में आगे की ओर चलने की तुलना में अलग-अलग मसल्स ग्रुप एक्टिव होते हैं। यह काफ़, क्वाड्स और हैमस्ट्रिंग पर प्रेशर डालता है, जिससे वर्कआउट बैलेंस होता है और उस कारण बॉडी की मांसपेशियां टोन और मजबूत होती है। यह एक्सरसाइज़ एथलीटों और फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है।

रिवर्स वॉक से बढ़ती है एकाग्रता

इसके अलावा, रिवर्स वॉकिंग संतुलन और कोर्डिनेशन को बेहतर करता है। पीछे की ओर चलते समय व्यक्ति को एकाग्र और जागरूक होना पड़ता है।यह चीज़ें प्रोप्रियोसेप्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। यही एकाग्रता गिरने के डर को कम करती है जिससे लोग मानसिक तौर पर बेहद मजबूत बनते हैं।

दिल की सेहत होती है दुरुस्त

अध्ययनों के अनुसार पीछे की ओर चलने से दिल की गति आगे की ओर चलने की तुलना में अधिक बढ़ती है। यह एक्सरसाइज़ हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है और कैलोरी को भी तेजी से बर्न कर वजन को कंट्रोल करता है।

रूस के साथ यह काम कर डाला

तो भारत की इकॉनमी हो जाएगी 'झींगा लाला'!

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगा रखा है। इससे भारत का एक्सपोर्ट प्रभावित होने की आशंका है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। इस बीच सरकार इस नुकसान की भरपाई के उपाय करने में लगी है। इसी कड़ी में रूस के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने की कोशिश की जा रही है। रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है लेकिन उसके साथ हमारा व्यापार घाटा 59 अरब डॉलर पहुंच चुका है। इसे कम करने के लिए भारत ने रूस को होने वाले समुद्री उत्पादों और कृषि उत्पादों के निर्यात में आने वाली 65 से ज्यादा नॉन-टैरिफ बाधाओं की पहचान की है।

एक अधिकारी ने बताया कि भारत रूस से इन नॉन-टैरिफ बाधाओं को दूर करने के लिए बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर दिक्कतें कृषि और समुद्री उत्पादों से जुड़ी हैं। हाल के वर्षों में रूस ने भारत के कुछ आम और केले की किस्मों को मंजूरी दी है। लेकिन झींगा मछली के निर्यात के लिए भारत की कंपनियों को रूस से मंजूरी एक बड़ी चिंता का विषय है।

साल 2024-25 में भारत का रूस को कुल निर्यात 4.88 अरब डॉलर था। इसमें से 123 मिलियन डॉलर का निर्यात सिर्फ फ्रोजन झींगा और झींगा मछली का था। इन नॉन-टैरिफ बाधाओं को जल्दी दूर करना भारत के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि 2024-25 में भारत का रूस के साथ 59 अरब डॉलर का व्यापार घाटा था। अधिकारी ने बताया कि केवल पंजीकृत कंपनियां ही रूस को झींगा भेज सकती हैं। हम इस समस्या को हल करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूरोपीय संघ ने भी हमारी कई कंपनियों को मंज़ूरी दी है। इसके अलावा यूरेशियन इकनॉमिक यूनियन भारत के साथ एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे रहा है। ईएईयू में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और आर्मेनिया जैसे देश शामिल हैं। भारत और ईएईयू ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए एक रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का मकसद व्यापार और निवेश को बढ़ाना है। अधिकारी ने कहा कि नॉन-टैरिफ बाधाओं को जल्दी हल करना महत्वपूर्ण है। इससे व्यापार समझौते की बातचीत के लिए एक अच्छा माहौल बनेगा। रूस इस समूह का सबसे बड़ा सदस्य है। इस समस्या को ठीक करना भारत के लिए झींगा निर्यात को बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है।

अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% के भारी टैरिफ के कारण भारत के झींगा निर्यात को पहले ही बड़ा झटका लगा है। भारत रूस को फ्रोजन मछली का मांस, फ्रोजन रॉक लॉबस्टर, सी क्रॉफिश, कटलफिश और स्क्विड जैसे उत्पाद ज्यादा मात्रा में निर्यात करने का अवसर भी देख रहा है। वियतनाम, इक्वाडोर और इंडोनेशिया जैसे देश रूस में इन उत्पादों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं।रूस के साथ व्यापार घाटे को कम करने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इंडस्ट्री से संपर्क किया है।

वे कस्टम्स क्लीयरेंस और डॉक्युमेंटेशन की चुनौतियों, रूस तक माल पहुंचाने में आने वाली फ्रेट की समस्याओं और बैंकिंग से जुड़ी मुश्किलों खासकर भुगतान के तरीकों पर बात कर रहे हैं। साथ ही, निर्यात बढ़ाने के लिए मुख्य उत्पाद क्षेत्रों और संयुक्त उद्यमों की संभावनाओं पर भी चर्चा हो रही है।

1990 में मारुति, 2000 में एस्टीम, 2025 में डिफेंडर... 2040 में एक किलो सोने में क्या खरीद सकेंगे आप?

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत आज एक बार फिर रेकॉर्ड हाई पर पहुंच गई। इस साल सोने की कीमत में 50% तेजी आई है जबकि पिछले एक साल में यह 60%से अधिक चढ़ चुका है। एमसीएक्स पर आज सोने की कीमत 2,500 रुपये से अधिक तेजी के साथ 1,23,977 रुपये पर पहुंच गई। माना जा रहा है कि धनतेरस तक इसकी कीमत 1,30,000 रुपये पहुंच सकती है। इसी तरह अगले साल की शुरुआत में इसकी कीमत 1,50,000 रुपये तक जा सकती है। आइए जानते हैं कि गाड़ियों की कीमत की तुलना में सोने की कीमत में पिछले 35 साल में कितनी तेजी आई है। मोर्गन स्टेनली के मुताबिक भारतीय घरों में मौजूद सोने की कीमत करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर है जो देश की जीडीपी का करीब 89% है। पिछले पांच साल में सोने ने 130 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। एक अनुमान के मुताबिक 1990 में सोना जिस स्तर पर था, उसमें आप एक मारुति 800 खरीद सकते थे। तब 10 ग्राम सोने की कीमत 3,200 रुपये थी। इस हिसाब से एक किलो सोने की कीमत 3.2 लाख रुपये बैठती। 1900 से 2000 के बीच मारुति 800 की कीमत करीब इतनी ही थी।

एक किलो सोने में प्राइवेट जेट

साल 2000 में भारत में गोल्ड की कीमत करीब 4,500 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। इस

भाव पर एक किलो सोने की कीमत 4.5 लाख रुपये बैठती थी। इस दौरान मारुति एस्टीम की कीमत भी 4.63 लाख रुपये से 6.15 लाख रुपये के बीच थी। 2005 में आप एक किलो सोने की कीमत में इनोवा खरीद सकते थे। तब एक किलो सोने की कीमत करीब 7 लाख रुपये थी जबकि इनोवा के कीमत 6.83 लाख रुपये से 10.91 लाख रुपये तक थी। 2010 में एक किलो सोने की कीमत करीब 19 लाख रुपये थी जिसमें आप एक फॉर्चूनर खरीद सकते थे।

2019 आते-आते एक किलो सोने का भाव 38 लाख रुपये पहुंच गया जिसमें आप बीएमडब्ल्यू एक्स1 खरीद सकते थे। आज सोना जिस स्तर पर पहुंच चुकी है उसमें आप एक किलो में लैंड रोवर की डिफेंडर कार खरीद सकते हैं। भारत में इसके बेस मॉडल की कीमत 98 लाख रुपये है जबकि टॉप-मॉडल की कीमत 2.42 करोड़ रुपये है। माना जा रहा है कि अगर सोने की कीमत इसी तरह बढ़ती रही तो 2030 में एक किलो सोने में आप रोल्स रॉयस और 2040 में प्राइवेट जेट खरीद सकते हैं।

इनसाइड स्टोरी: इसमें कई मसले हैं... जब पीएम मोदी ने जीएसटी को सीधे कहा था 'नो'!

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआत में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) खारिज कर दिया था। वह इसे लेकर दिए गए पहले प्रेजेंटेशन में तैयार नहीं हुए थे। लेकिन, बाद में 'एक राष्ट्र, एक कर' और आर्थिक आजादी के वादे से प्रभावित होकर इसका समर्थन किया।

यह खुलासा प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र ने एक इंटरव्यू में किया। मिश्र ने बताया कि कैसे तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली और अधिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने प्रधानमंत्री को दो बार प्रेजेंटेशन दिया। इसके बाद मोदी जीएसटी लागू करने के लिए तैयार हुए। नृपेंद्र मिश्र ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का विजन बहुत बड़ा है। वह बहुत ऊंचे टारगेट और स्टैंडर्ड रखते हैं। मिश्र ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के साथ काम करते हुए कभी-कभी मतभेद का सामना करना पड़ा। ऐसा ही एक मतभेद जीएसटी को लेकर हुआ था। मश्रि ने याद करते हुए कहा कि गुजरात के सीएम रहते हुए पीएम मोदी ने जीएसटी का विरोध किया था। इसलिए जब वित्त मंत्री अरुण जेटली और अधिकारियों ने पहली बार उन्हें जीएसटी का प्रेजेंटेशन दिया तो उन्होंने इसे तुरंत खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा था कि इसमें कई मुद्दे हैं और उन्हें मैन्युफैक्चरिंग और उपभोग करने

वाले राज्यों से सलाह लेनी होगी, इसलिए वह इसे मंजूरी नहीं दे सकते। प्रधानमंत्री के इस जवाब से मिश्र और जेटली निराश हुए थे। वे बाहर निकले और जेटली ने मिश्र को फिर से अपने कमरे में बुलाया। दोनों ने मिलकर एक रणनीति पर विचार किया। इसके बाद प्रधानमंत्री को जीएसटी के बारे में दो और प्रेजेंटेशन दिए गए। मिश्र का मानना है कि प्रधानमंत्री केवल दो बातों से प्रभावित हुए। पहली बात थी 'एक राष्ट्र, एक कर' (वन नेशन, वन टैक्सेशन), जो जीएसटी का मूल सिद्धांत है। दूसरी बात यह बताई गई कि जो भी जीएसटी लागू करेगा या इसे स्वीकार करके लागू करवाएगा, वह आर्थिक आजादी लाने में अग्रणी बन जाएगा।पूर्व प्रधान सचिव के अनुसार, प्रधानमंत्री को समझाया गया कि यह टैक्स प्रणाली व्यापारियों को टैक्स नीति की जटिलताओं और अलग-अलग स्तरों पर लगने वाले कई टैक्स से मुक्ति दिलाएगी। इन दो बातों पर प्रधानमंत्री ने ध्यान दिया।

फॉक्सकॉन निवेश: 15000 करोड का निवेश

14000 नई जॉब... ताइवान की इस कंपनी ने की बड़ी डील, ट्रंप को मिर्ची लगनी तय

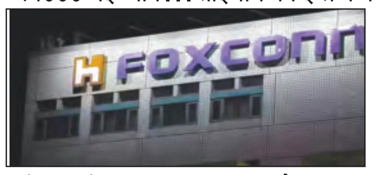

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। ताइवान की बड़ी कंपनी फॉक्सकॉन तमिलनाडु में 15000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इससे राज्य में 14000 नई नौकरियां पैदा होंगी। तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मंत्री ने बताया कि यह इंजीनियरिंग नौकरियों के लिए राज्य में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। इससे तमिलनाडु के इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग (उन्नत विनिर्माण) क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि फॉक्सकॉन वह कंपनी है जो एप्पल के लिए आईफोन बनाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एप्पल से कह चुके हैं कि वह आईफोन का निर्माण भारत की जगह अमेरिका में करे। लेकिन एप्पल ने ट्रंप की एक नहीं सुनी है। उल्टे वह फॉक्सकॉन में निवेश कर रही है ताकि आईफोन का भारत में निर्माण ज्यादा से ज्यादा हो सके। अब फॉक्सकॉन के भारत में निवेश के फैसले से ट्रंप को मिर्ची लगनी तय है।मंत्री राजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस निवेश के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'तमिलनाडु के लिए सबसे बड़ी इंजीनियरिंग नौकरियां। तमिलनाडु के लिए प्रतिबद्धता! फॉक्सकॉन 15,000 करोड़ रुपये का निवेश और 14,000 उच्च-मूल्य वाली नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है! इंजीनियरों तैयार हो जाओ!' राजा ने बताया कि फॉक्सकॉन तमिलनाडु में अपने काम को और बढ़ाना चाहता है। कंपनी वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग (मूल्य-वर्धित विनिर्माण), रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंटीग्रेशन (अनुसंधान और विकास का एकीकरण) और एआई-ड्रिवन एडवांस टेक्नोलॉजी ऑपरेशंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित उन्नत तकनीक संचालन) को राज्य में लाना चाहती है। इन विकास कार्यों में मदद के लिए, तमिलनाडु की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी 'गाइडेंस' भारत में पहला फॉक्सकॉन डेस्क स्थापित करेगी। मंत्री ने कहा कि यह डेस्क प्रोजेक्ट्स को आसानी से पूरा करने और मिशन-मोड एग्जीक्यूशन (मिशन की तरह तेजी से काम) सुनिश्चित करेगा। उन्होंने इसे 'द्रविड़ियन मॉडल 2.0' की दिशा में एक कदम बताया। फिलहाल फॉक्सकॉन कंपनी तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में काम कर रही है। ये नई योजनाएं भारत में कंपनी के विस्तार का संकेत देती हैं। फॉक्सकॉन एक ऐसी कंपनी है जो दुनिया भर की बड़ी टेक कंपनियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाती है, जैसे कि आईफोन। यह कंपनी बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में माहिर है। तमिलनाडु में इसका निवेश राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

चीन पर नए अमेरिकी टैरिफ का असर भारतीय बाजार पर, सेंसेक्स और निफ्टी फिसले

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 1 नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आईटी और एफएमसीजी शेयरों में बिकवाली दिखी। इसके बाद वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के कारण सोमवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 173.77 अंक या 0.21 प्रतिशत गिरकर 82,327.05 अंक पर बंद हुआ, जिससे दो दिन से जारी तेजी थम गई। कारोबार के दौरान यह 457.68 अंक या 0.55 प्रतिशत गिरकर 82,043.14 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 58 अंक या 0.23 प्रतिशत गिरकर 25,227.35 पर आ गया, क्योंकि इसके 30 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, 19 लाभ में रहे और एक अपरिवर्तित रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयर रहे। हालांकि, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एक्सिस बैंक लाभ में रहे।

महंगाई से बड़ी राहत, 8 साल में सबसे कम हुआ रिटेल इंफ्लेशन

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार कमी की वजह से भारत की रिटेल इंफ्लेशन सितंबर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 2-6% के टारगेट से नीचे 1.54% पर आ गई, जो अगस्त में 2.07% थी. जून 2017 के बाद से इंफ्लेशन का ये सबसे लो लेवल है. यानी की 8 सालों में सबसे कम महंगाई सितंबर 2025 में ही कम हुई है. रॉयटर्स ने 38 इकोनॉमिस्ट्स से सर्वे किया, जिसमें अनुमान था कि सितंबर में रिटेल इंफ्लेशन 1.70% तक कम हो सकता है. खाने-पीने की चीजों की इंफ्लेशन, जो कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स का लगभग आधा हिस्सा है, सितंबर में और घटकर -2.28% हो गई, जबकि पिछले महीने ये -0.69% थी. हाल के महीनों में खाने की चीजों की कीमतें पिछले

साल के हाई लेवल से बहुत कम हुई हैं, खासकर सब्जियों की कीमतें अप्रैल से डबल डिजिट में गिर रही हैं. कीमतों का प्रेशर लगातार सात महीने से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 4% टारगेट से नीचे है. इकोनॉमिस्ट्स को लग रहा था कि इस साल इन्फ्लेशन कंट्रोल करने वाला बेस इफेक्ट अगस्त में खत्म हो जाएगा, लेकिन ऑफिशियल डेटा दिखाता है कि खाने की कीमतें पिछले साल के मुकाबले कंट्रोल में रहीं, और ये ट्रेंड सितंबर में भी शायद जारी रहा.

जीएसटी का दिखा असर

नवीनतम डेटा दिखाता है कि कीमतों का प्रेशर कम रहने की संभावना है और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को आसान करने से आने वाले महीनों में भी कीमतें कंट्रोल में रहेंगी. इस महीने की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक ने बेहतर सप्लाई और लागत के दबाव में कमी का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने इंफ्लेशन अनुमान को 3.1% से घटाकर 2.6% कर दिया. लेकिन इन्फ्लेशन का आंकड़ा इससे भी कम आया है.

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 1 अक्टूबर को कहा कि हाल ही में जीएसटी दरों को आसान करने से कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स की कई चीजों की कीमतें कम होंगी. कुल मिलाकर इंफ्लेशन के आंकड़े अगस्त में लगाए गए अनुमान से कम रहने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण जीएसटी दरों में कटौती और खाने-पीने की चीजों की कीमतों में नरमी है. इंफ्लेशन आरबीआई के 4% के मिड-टर्म टारगेट से काफी नीचे होने के कारण, एनालिस्ट्स को उम्मीद है कि नीति निर्माता इकोनॉमी को बढ़ावा देने पर फोकस करेंगे. इकोनॉमिस्ट्स ने दिसंबर की मीटिंग में ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट्स की और कटौती की उम्मीद जताई है. आरबीआई ने इस साल की शुरुआत से अब तक ब्याज दरों में 100 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है.

कनाडा करेगा भारत को सहयोग

व्यापारिक संबंध सुधारने पर जोर

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जस्टिन ट्रूडो युग को पीछे छोड़ते हुए भारत और कनाडा ने संबंध सुधारने की दिशा में मजबूती से कदम उठाना शुरू कर दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संकेत दिया है कि कनाडा भारत को एआई, महत्त्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार के साथ-साथ क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में भी सहयोग करेगा। चीन के भारत से सुधरते संबंधों के बाद भी क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर चीन के रुख ने विश्व समुदाय में चिंता पैदा की है। माना जा रहा है कि क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में भारत कनाडा को एक विकल्प के तौर पर रखकर आगे बढ़ रहा है। भारत यात्रा पर आई कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोमवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं में आपसी संबंधों को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत कनाडा को एक सहयोगी देश के तौर पर देख रहा है और उसके साथ महत्त्वपूर्ण सेक्टरों में आपसी निवेश और विश्वास को बढ़ाने पर काम कर रहा है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने कुछ ही दिनों पहले अपना पदभार संभाला है। पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। लेकिन अनीता आनंद की यह भारत यात्रा इस अर्थ में बेहद महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है कि इसके ठीक पहले भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल ने कनाडा के एनएसए से मुलाकात की थी। इसके बाद दोनों देशों के व्यापार और वाणिज्य मंत्रियों की भी मुलाकात हुई है।

कई स्तर की मुलाकातों के बाद अब अनीता आनंद के भारत दौरे को दोनों देशों के बीच अहम समझौतों की दिशा में आगे बढ़ने से जोड़कर देखा जा रहा है।

टाटा ग्रुप में विवाद के बीच चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ा

अब 2032 तक टाटा सन्स के चेयरमैन रहेंगे, 1987 में टीसीएस में इंटर्न थे

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। रतन टाटा के निधन के बाद ग्रुप में विवाद के बीच टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ा दिया गया है। टाटा ग्रुप में पहली बार ऐसा हुआ है जब कोई ग्रुप एग्जीक्यूटिव स्टैंडर्ड रिटायरमेंट उम्र से आगे अपने पद पर बना रहेगा। टाटा ग्रुप की पॉलिसी के मुताबिक एग्जीक्यूटिव को आमतौर पर 65 की उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए। हालांकि, नॉन एग्जीक्यूटिव रोल में वे 70 साल की उम्र तक रह सकते हैं। चंद्रशेखरन अभी 63 साल के हैं। दूसरे टर्म के खत्म होने पर फरवरी 2027 में वे ठीक 65 साल के हो जाएंगे। अब 2032 में 70 साल की उम्र में वे रिटायर होंगे। चंद्रशेखरन पहली बार अक्टूबर 2016 में टाटा सन्स के बोर्ड में शामिल हुए थे, चार महीने बाद जनवरी 2017 में उन्हें चेयरमैन बनाया गया था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1987 में टीसीएस में इंटर्न के तौर पर की थी। रतन टाटा

के निधन के बाद अक्टूबर 2024 में उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन बनाया गया। वहीं नवंबर 2024 में नोएल को टाटा संस के बोर्ड में भी शामिल किया गया। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया यह फैसला ट्रस्ट के भीतर एकमत नहीं था। इससे टाटा संस को कंट्रोल करने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बोर्ड सीट को लेकर सीधा-सीधा बंटवारा हो गया। एक गुट बोर्ड मेंबर नोएल टाटा के साथ है, तो दूसरा गुट मेहली मिस्त्री के साथ। मिस्त्री का कनेक्शन शापूरजी पल्लोनजी फैमिली से है जिसकी टाटा संस में 18.37% हिस्सेदारी है।टाटा संस की बोर्ड सीट को लेकर हुए विवाद के बीच 7 अक्टूबर को सीनियर लीडरशिप ने गृहमंत्री अमित शाह के घर पर 45 मिनट की मीटिंग की। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने कहा कि घरेलू झगड़े को जल्द निपटा लिया जाए, ताकि कंपनी पर असर न हो। मीटिंग में गृहमंत्री शाह, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस-चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और ट्रस्टी डेरियस खंबाटा शामिल हुए।मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टीज के बीच बढ़ते झगड़े का एक बड़ा कारण टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड का 1,000 करोड़ रुपए का फंडिंग प्लान भी है। नोएल टाटा 2010 से इस कंपनी को चला रहे हैं। टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड 27 देशों में ऑपरेट करती है।ट्रस्टीज प्रमित झावेरी, मेहली मिस्त्री, जहांगीर एच.सी. जहांगीर और डेरियस खंबाटा ने 11 सितंबर की टाटा ट्रस्ट बोर्ड मीटिंग में फंडिंग को पुश करने के तरीके पर सवाल उठाए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति	
सुर्य - कन्या	मे
चंद्र - कर्क	मे
मंगल-तुला	मे
बुध - तुला	मे
गुरु - मिथुन	मे
शुक्र - कन्या	मे
शनि मीन	मे
राहु कुंभ	मे
केतु सिंह	मे

लग्नारभ समय		
कन्या--	04-21	बजे
तुला----	06-26	बजे
वृश्चिक...	08-36	बजे
धनु......	10-50	बजे
मकर...	12-57	बजे
कुंभ....	14-47	बजे
मीन....	16-25	बजे
मेष.....	18-00	बजे
वृष....	19-46	बजे
मिथुन..	21-46	बजे
कर्क...	00-00	बजे
सिंह---	02-10	बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-11**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-53**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण मंगलवार **14 October**
तिथि - अष्टमी **11-09** तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - पुनर्वसु **11-54** तक उपरान्त पुष्य
योग - सिद्ध **04-11** तक उप साध्य
करण - कौलव **11-09** तक उप तैतिल
व्रत त्योहार श्री विश्नोई पंथ स्थापना दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 14-58 से 16-26 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-11 - 07-38	अशुभ	काल	17-53 - 19-26	अशुभ
उत्पात	07-38 - 09-06	अशुभ	लाभ	19-26 - 20-58	शुभ
चंचल	09-06 - 10-34	शुभ	उत्पात	20-58 - 22-30	अशुभ
लाभ	10-34 - 12-02	शुभ	शुभ	22-33 - 00-02	शुभ
अमृत	12-02 - 13-30	शुभ	अमृत	.00-02 - 01-34	शुभ
काल	13-30 - 14-58	अशुभ	चंचल	01-34 - 03-06	शुभ
शुभ	14-58 - 16-26	शुभ	रोग	03-06 - 04-38	अशुभ
रोग	16-26 - 17-53	अशुभ	काल	04-38 - 06-11	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा ।आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे ।आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता ।इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा ।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं ।आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
दैनिक राशिफल आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के 41 पदों के लिए 5000 आवेदन

प्रियंका गांधी के 40% महिला फॉर्मूले पर होगी नियुक्ति? अभी सिर्फ 9%, बैज बोले- तलाश जारी

रायपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में जिलाध्यक्षों की नई नियुक्ति दिवाली से पहले होनी है। कुल 41 पदों के लिए 5000 से ज्यादा दावेदारों ने आवेदन भेजे हैं। कांग्रेस का कहना है कि चयन पारदर्शी होगा, युवाओं और साफ छवि वाले नेताओं को तवज्जो दी जाएगी।

इन सबके बीच चर्चा इस बात की भी है कि क्या इस बार प्रियंका गांधी के 40% महिला भागीदारी वाले फार्मूले को लागू किया जाएगा? कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने कई बार सार्वजनिक मंचों से कहा है कि संगठन में महिलाओं को बराबर भागीदारी मिलेगी। लेकिन जमीनी हालात अभी भी पुराने ढर्रे पर ही हैं।

जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ में साल 2023 तक 36 जिलाध्यक्षों में से 6 महिलाओं को मौका मिला था। 2025 में 41 में से महज 4 जिलाध्यक्ष महिलाएं हैं। यानी 2023 से 2025 के कार्यकाल में महज 9 प्रतिशत महिलाओं को मौका मिला है।

क्या इस बार जिलाध्यक्षों की लिस्ट में 40 प्रतिशत महिलाओं को मौका मिलेगा? इस सवाल पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक ने कहा कि जी बिल्कुल, अभी चयन प्रक्रिया चल रही है। ऑब्जर्वर सभी जिलों में आ चुके हैं। कार्यकर्ताओं से चर्चा का दौर जारी है। मजबूत महिला कार्यकर्ताओं की भी तलाश की जा रही है।

वर्तमान में कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष

बलौदाबाजार : सुमित्रा धृतलहरे
महासमुंद : रश्मि चंद्राकर
सुकमा : महेश्वरी बघेल
कांकेर : सुभद्रा सलाम

इस बार हर जिले से 6 नामों का पैनल भेजा जाना है। लेकिन इन पैनलों में महिलाओं की संख्या काफी कम है। कुछ जिले में महिला दावेदारों ने दमदारी से आवेदन किया है। धमतरी से डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, सूरजपुर से भगवती राजवाड़े और बिलासपुर शहर से सीमा पांडेय के नाम शामिल हैं। इसके अलावा ज्यादातर जिलों की सूची में पुरुषों का ही दबदबा है।

कांग्रेस के मुताबिक 35 से 55 साल के बीच की उम्र वाले, साफ-सुथरी छवि के कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जिन पर कोई आपराधिक प्रकरण नहीं है, वही चयन के पात्र होंगे। ब्लॉक स्तर पर 121 बैठक कर कार्यकर्ताओं की राय ली गई है। 20 अक्टूबर तक सभी जिलों से नामों के पैनल एआइसीसी को भेजे जाएंगे। अंतिम निर्णय दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान करेगा।

18 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं, जिनमें सुबोध कांत सहाय, अजय कुमार लल्लू, उमंग सिंगार, रेहाना रेयाज चिश्ती, सुहिना कावरे जैसे नाम शामिल हैं। पर्यवेक्षक प्रफुल्ल गुडाधे ने कहा है कि कार्यकर्ता किसी भी दबाव में आए और निष्पक्ष राय दें।

कांग्रेस का कहना है कि वह संगठन में नए लोगों को मौका देना चाहती है। लेकिन जिन नामों पर चर्चा हो रही है, उनमें से कई पुराने चेहरे ही हैं। पार्टी के भीतर से भी आवाजें उठ रही हैं कि अगर हर बार की तरह पैनल सिर्फ गुटबाजी और सिफारिशों से बने, तो संगठन मजबूत नहीं होगा।

प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश चुनाव के समय कहा था कि कांग्रेस 40% टिकट महिलाओं को देगी और संगठन में भी उनका उचित प्रतिनिधित्व होगा। लेकिन छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां कांग्रेस का संगठन अपेक्षाकृत मजबूत है, वहां भी अगर महिलाएं सिर्फ नाम मात्र की भागीदार बनी रहेंगी, तो यह पूरे फार्मूले पर सवाल खड़े करेगा। महिलाओं की 40% भागीदारी के सवाल पर दीपक बैज ने कहा कि चयन प्रक्रिया चल रही है। ऑब्जर्वर अपने-अपने प्रभार जिलों में जा रहे हैं। वहां के वरिष्ठ नेता, जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चर्चा कर रहे हैं।

हाईकोर्ट बोला-सहमति से बने संबंध तो यह रेप नहीं

जस्टिस ने माना- पीड़िता खुद उसके घर गई, बार-बार रिलेशन बनाए, बस्तर का सीएएफ जवान बरी

बिलासपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में रेप के आरोप में 10 साल की सजा काट रहे सीएएफ के जवान को बरी कर दिया गया है। बिलासपुर हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी की एकलपीठ ने कहा कि, यह मामला प्रेम संबंध का था, न कि झूठे विवाह वादे पर आधारित दुष्कर्म का।

अदालत ने माना कि पीड़िता बालिग थी और लंबे समय तक अपनी मर्जी से जवान के साथ रही। दोनों के बीच शारीरिक संबंध आपसी सहमति से बने थे। इसलिए इसे दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। हाईकोर्ट ने फास्ट ट्रैक कोर्ट बस्तर (जगदलपुर) के 21 फरवरी 2022 को दिए गए फैसले को रद्द कर दिया है।

बस्तर जिले के निवासी रूपेश कुमार पुरी (25) के खिलाफ साल 2020 में पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, पीड़िता की शादी 28 जून 2020 को किसी दूसरे युवक से तय हुई थी, लेकिन उससे एक दिन पहले 27 जून 2020 को रूपेश उसे अपने घर ले गया। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। आरोप था कि जवान ने उसे दो महीने तक अपने घर में रखा और बाद में धमकाकर निकाल दिया। शादी से इनकार कर दिया। इस शिकायत पर पुलिस ने धारा 376(2)(एन) के तहत मामला दर्ज किया था। फास्ट ट्रैक कोर्ट जगदलपुर ने 2022 में रूपेश को 10 साल की सजा और 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया था।

अपील और बचाव पक्ष के तर्क

सजा के खिलाफ रूपेश पुरी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। उसके वकील ने तर्क दिया कि दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। 2013 से उनके बीच प्रेम संबंध था। पहले भी पीड़िता ने उस पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया था। जिसमें रूपेश बरी हो चुका था। बाद में दोनों ने फिर से संबंध बनाए और पीड़िता अपनी मर्जी से उसके घर गई थी।

वकील ने कहा कि, यह मामला प्रेम संबंध का है, न कि दुष्कर्म का। यदि शादी नहीं हो पाई, तो इसे झूठे वादे के तहत सहमति नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) में पदस्थ था। ड्यूटी पर रहने के कारण कुछ समय घर से दूर रहा। इसी बीच पीड़िता और आरोपी के माता-पिता के बीच विवाद हुआ। जिसके बाद परिजनों के दबाव में एफआईआर दर्ज कराई गई।

राज्य पक्ष की ओर से पैनल वकील ने कहा कि, आरोपी ने शादी का झांसा देकर दो महीने तक पीड़िता का यौन शोषण किया और बाद में छोड़ दिया।

जवान को खुद फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी पीड़िता

हाईकोर्ट ने गवाही और साक्ष्यों का विस्तार से परीक्षण करते हुए पाया कि, पीड़िता और आरोपी के बीच 2013 से प्रेम संबंध था। पीड़िता ने खुद स्वीकार किया कि उसने फेसबुक पर जवान को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रही।

पीड़िता ने यह भी कहा कि, यदि आरोपी के माता-पिता उसे परेशान न करते, तो वह एफआईआर दर्ज नहीं कराती। पीड़िता के माता-पिता ने भी अदालत में कहा कि, यदि आरोपी का परिवार बेटी के साथ ठीक व्यवहार करता, तो वे पुलिस में रिपोर्ट नहीं करते। अदालत ने यह भी पाया कि, मेडिकल रिपोर्ट और एफएसएल रिपोर्ट में दुष्कर्म के कोई ठोस प्रमाण नहीं मिले।

महाकाल गिरोह का पर्दाफाश, नौ सदस्य गिरफ्तार

चाईबासा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड और ओडिशा में डकैती की कई वारदातों को अंजाम देने वाले कुख्यात 'महाकाल गिरोह' का ओडिशा पुलिस ने भंडाफोड़ किया है।

क्योंझर जिले की पुलिस ने शनिवार देर रात टाउन थाना क्षेत्र में छापेमारी कर गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी एक मंदिर के पास खाली मकान में बड़ी डकैती की योजना बना रहे थे।

पुलिस की गश्ती टीम को जैसे ही सूचना मिली, तत्काल छापेमारी की गई।

इस दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को दबोच लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पांच पिस्तौल, सात मैगजीन, 25 कारतूस, चार खोखे, दो तलवार, दो चाकू, एक लोहे की सरिया और एक महिंद्रा थार गाड़ी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में गणेश उर्फ विश्वजीत गिरी (मयूरभंज), प्रियदर्शन प्रधान (क्योंझर), निर्मल प्रधान (जोड़ा), रंजन पलाई (बड़बिल), बिनोद मुंडा (कुंदरनाली, जोड़ा), रोहित नायक (जाहिरा हटिंग, जोड़ा), मोहम्मद जीशान (माजही हटिंग, जोड़ा), सुभासिस गिरी (उत्तरपासी, मयूरभंज) और परशुराम प्रधान (गोबरगांव, पश्चिमी सिंहभूम) शामिल हैं।

क्योंझर के एसपी नितिन कुशालकर ने बताया कि गिरोह झारखंड और ओडिशा के कई जिलों में सक्रिय था।

प्रिंस खान गिरोह के 12 अपराधी गिरफ्तार

धनबाद पुलिस ने हथियार, बम और नगदी बरामद की, बड़ी वारदात को अंजाम देने की थी तैयारी

धनबाद, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के 12 सदस्यों को हथियार, बम और नकदी के साथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से जिले में सक्रिय संगठित आपराधिक नेटवर्क को गहरा झटका लगा है। एसएसपी प्रभात कुमार के अनुसार, प्रिंस खान और उसके सहयोगी सैफी उर्फ मेजर धनबाद के व्यवसायियों से लगातार रंगदारी मांग रहे थे और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पुलिस इन अपराधियों के आर्थिक स्रोतों, शूटरों के नेटवर्क और हथियार खरीद-बिक्री चैनलों को ध्वस्त करने के लिए विशेष अभियान चला रही थी।

पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गिरोह के सदस्य हथियारों से लैस होकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के इरादे से धनबाद पहुंचे हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने राजगंज थाना क्षेत्र से कई अपराधियों को धर दबोचा।

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने 9 सितंबर को राजगंज स्थित एक पेट्रोल पंप पर हुई फायरिंग की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया है।

अपराधियों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर बैंकमोड़ थाना क्षेत्र से गिरोह द्वारा छिपाकर रखे गए हथियार, बम और अन्य विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई। गिरोह के अवैध पैसों के लेन-देन में शामिल विक्रम साव और पवन कुमार सिंह सहित सात लोगों को कतरास थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि ये लोग रंगदारी से वसूले गए पैसों को विभिन्न खातों के जरिए गिरोह के सदस्यों तक पहुंचाते थे। गिरफ्तार अपराधियों में सूरज तांडी, आशीष कुमार सिंह, तौकिर राजा, अफरिदी राजा, लक्की विशाल, पवन कुमार सिंह, रितिक विश्वकर्मा, अमन कुमार गुप्ता, विक्रम साव, आकाश वर्णवाल, तौकिल अंसारी और अभिषेक पांडे शामिल हैं। इनके पास से देशी पिस्टल, कट्टा, जिंदा गोली, देशी बम, लगभग 31,970 रुपए नकद, दो मोटरसाइकिल और सात स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं।

बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट, 1 जवान घायल

बीजापुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित भोपालपटनम क्षेत्र में सोमवार को एक आईईडी विस्फोट हुआ। इस घटना में सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया। यह विस्फोट माओवादियों की ओर से लगाए गए प्रेशर आईईडी में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा बलों की टीम सोमवार सुबह भोपालपटनम थाना क्षेत्र में नियमित एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों के लगाए गए प्रेशर आईईडी विस्फोट हो गया, जिससे जवान घायल हो गया।

घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य जवानों ने मोर्चा संभाला और घायल जवान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। उसे तत्काल हायर सेंटर भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल जवान की हालत सामान्य और खतरे से बाहर बताई जा रही है।

इस घटना के बाद क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। सुरक्षा बल आसपास के इलाकों में नक्सलियों की संभावित मौजूदगी की जांच कर रहे हैं। बता दें कि शनिवार को आईईडी की चपेट में आने से एक जवान घायल हो गया था।

पुजारी कांकेर इलाके में नक्सलियों ने प्रेशर आईईडी प्लांट किया था। सुबह सुरक्षा बलों की टीम एरिया डोमिनेशन पर निकली थी, तभी आईईडी विस्फोट हो गया था। घायल जवान को तत्काल रेस्क्यू कर हायर सेंटर भेजा गया था, जहां उसका उपचार जारी है।

नक्सली ठिकाने से एसएलआर राइफल, मैगजीन, कारतूस मिले

पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान में मिली सफलता, सर्च ऑपरेशन जारी

हजारीबाग, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस को नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने बोकारो-हजारीबाग सीमावर्ती क्षेत्र में चलाए गए विशेष सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों के एक ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और नक्सली सामग्री बरामद की है।

बरामद सामग्री में दो एसएलआर राइफलें, मैगजीन, बड़ी संख्या में कारतूस, पिट्ठू बैग, कपड़े और दैनिक उपयोग की कई सामान शामिल हैं। यह बरामदगी नक्सलियों की किसी बड़ी साजिश को नाकाम करने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कुछ नक्सलियों के बोकारो और हजारीबाग की सीमा के जंगल क्षेत्र में सक्रिय होने की मिली थी सूचना।

हजारीबाग एसपी अंजनी अंजान ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह अभियान गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गया था। सूचना मिली थी कि नक्सली संगठन के कुछ सदस्य बोकारो और हजारीबाग की सीमा के जंगल क्षेत्र में सक्रिय हैं।

इस सूचना के सत्यापन के लिए सीआरपीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी के दौरान जंगल में स्थित एक ठिकाने से यह हथियार और अन्य सामान बरामद किया गया। एसपी ने इस अभियान में सीआरपीएफ की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताया।

एसपी अंजनी अंजान के अनुसार, बरामद हथियारों से यह स्पष्ट होता है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे थे। पुलिस की तत्परता और संयुक्त कार्रवाई से उनकी यह साजिश नाकाम हो गई।

बरामदगी के बाद, पुलिस ने पूरे क्षेत्र में कॉम्बिंग ऑपरेशन तेज कर दिया है। नक्सलियों की संभावित गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जंगल क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं और सीमावर्ती इलाकों में लगातार गश्त की जा रही है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

पाकुड़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र के थानापाड़ा मुहल्ले में 26 वर्षीय विवाहिता बिंदु देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के ससुराल वालों ने बताया कि बिंदु देवी फंदे से लटकी मिली थीं। उन्हें नीचे उतारकर सोनाजोड़ी सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका के परिजनों का कहना है कि बिंदु देवी की मौत केवल आत्महत्या नहीं हो सकती। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि ससुराल पक्ष ने उन्हें प्रताड़ित किया और हत्या की है। मृतका के भाई माखनलाल साह ने पुलिस को शिकायत पत्र सौंपा।

आत्मसमर्पित नक्सली जोड़े ने थाने में रचाई शादी

2024 में किया सरेंडर, समाज की मुख्यधारा में लौटे विवाह में शामिल हुआ पुलिस परिवार, दिया आशीर्वाद

कांकेर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पखांजूर में आत्मसमर्पित नक्सली जोड़े ने विवाह कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया। पखांजूर थाना परिसर में रविवार को यह शादी संपन्न हुई, जहां कभी हथियार थामने वाले हाथ आज मेहंदी से सजे थे।

सागर हिरदो और सचिला मांडवी नामक इस जोड़े ने अग्नि को साक्षी मानकर सात जन्मों तक साथ निभाने का वादा किया। थाना परिसर को फूलों से सजाया गया था और मंडप में पारंपरिक रीति-रिवाजों से फेरे और माला बदलने की रस्में पूरी की गई।

इस दौरान पुलिस अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे, जिन्होंने वर-वधू को आशीर्वाद दिया। पखांजूर थाना प्रभारी लक्ष्मण केवट और गोंडाहुर थाना प्रभारी ने इस पहल में अहम भूमिका निभाई। सागर 2014 में नक्सल संगठन से जुड़ा था और उसने दिसंबर 2024 में पखांजूर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। वहीं, सचिला 2020 में नक्सल संगठन से जुड़ी थी और उसने 2024 में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

नौकरी के नाम पर ठगी के आरोपी का अपहरण

पीड़ितों ने किया अगवा, 40 लाख रुपए की फिरौती मांगी, पुलिस ने सकुशल किया बरामद

कोडरमा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। सतगावांः नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले बोकारो निवासी अजय सिंह उर्फ राहुल कुमार का अपहरण कर लिया गया। ठगी के शिकार युवकों ने उसे बंधक बनाया था।

सतगावां पुलिस ने उसे ईटाय जंगल से सकुशल बरामद कर लिया है। अपहरणकर्ताओं ने राहुल के परिजनों से 40 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी।

जानकारी के अनुसार, अजय सिंह उर्फ राहुल कुमार ने पोस्ट ऑफिस, बैंक और अन्य सरकारी विभागों में नौकरी लगवाने का झांसा देकर सतगावां क्षेत्र के कई शिक्षित युवकों से बड़ी रकम ठगी थी।

इनमें सतगावां निवासी अंजन कहार, अविनाश कुमार और सलारी निवासी सोनू शामिल हैं। तिलैया के भी लगभग आधा दर्जन छात्र इस ठगी का शिकार हुए थे।

जब पीड़ितों को नौकरी नहीं मिली और काफी समय बीत गया, तो उन्होंने आरोपी से अपने पैसे वापस मांगने शुरू कर दिए। अजय सिंह पैसे लौटाने में असमर्थ रहा। इसके बाद पीड़ित युवकों ने उसे झांसा देकर बरही बुलाया।

रविवार को जब राहुल एक किराए की स्कॉर्पियो से बरही पहुंचा, तो इन युवकों ने उसे जबरन अगवा कर सतगावां के घने ईटाय जंगल में ले गए। स्वजनों ने मामले की जानकारी सतगावां पुलिस को दी।

इसके बाद पुलिस हरकत में आयी और पुलिस ने तकनीकी सहयोग से इनका लोकेशन ट्रैक किया।

प्राप्त लोकेशन के आधार पर सतगावां के घाघरा नदी के किनारे एक स्कार्पियो खड़ी पाई गई, जिससे पुलिस को संदेह हुआ कि अपहृत को इसी इलाके में लाया गया है।

फिर ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू की।

थाना प्रभारी सौरव कुमार शर्मा के नेतृत्व में की गई छापेमारी में अंजन कहार, अविनाश कुमार, राहुल कुमार समेत छह लोगों को हिरासत में लिया गया और अपहृत अजय उर्फ राहुल को भी सकुशल बरामद किया गया। सभी को सतगावां थाना लाया गया।

शिव ठाकुर बोले-अब राजनीति नहीं, इंजीनियरिंग करूंगा

कहा- रायपुर शहर अध्यक्ष के लिए किया आवेदन लेकिन समर्थन नहीं मिला, 15 साल से कांग्रेस में सक्रिय

रायपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर मंथन चल रहा है। इस बीच रायपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिव सिंह ठाकुर ने सोशल मीडिया के ज़रिए कांग्रेस से दूरी बनाने का ऐलान किया है।

अपने फेसबुक पोस्ट पर लिखा है कि, उन्होंने रायपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया था, लेकिन निराशा हाथ लगी। अब वे राजनीति से हटकर दोबारा इंजीनियरिंग के पेशे में लौटेंगे। शिव सिंह ठाकुर ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि, रायपुर शहर अध्यक्ष के लिए आवेदन दिया था लेकिन बहुत ज्यादा निराशा हाथ लगी। अब मुझे लगता है कि इंजीनियरिंग के पेशे में वापस लौटना पड़ेगा। जो समय अब तक पूरी तरह कांग्रेस को देता था, अब नहीं दे पाऊंगा। उन्होंने लिखा कि वे कभी राजनीति में नहीं आना चाहते थे, बल्कि उनके पिता की इच्छा थी कि वे इंजीनियर बनें और सरकारी सेवा करें। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से प्रेरणा लेकर वे यूथ कांग्रेस से जुड़ गए और सामाजिक काम में सक्रिय हो गए। उन्होंने कहा कि, 2011 के बाद से अब तक पार्टी के सभी प्रदेश अध्यक्षों के साथ काम करने का मौका मिला।

अवैध पिस्टल के साथ दो गिरफ्तार, एक फरार

एक का रहा है गंभीर आपराधिक इतिहास बिहार भागने की फिराक में थे सभी

चतरा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने अवैध हथियार के साथ बिहार भागने की फिराक में दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एसपी सुमित अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर हंटरगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देशी पिस्तौल और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

एसपी को जानकारी मिली थी कि तीन संदिग्ध व्यक्ति एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर अवैध हथियार के साथ बिहार की सीमा की ओर जा रहे हैं। इस सूचना पर हंटरगंज थाना प्रभारी ने तत्काल गोसाइंडीह के पास घेराबंदी की योजना बनाई।

जब पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार तीनों व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया, तो उनमें से दो को भागने की कोशिश के दौरान पकड़ लिया गया। हालांकि, एक अपराधी मौके से फरार होने में कामयाब रहा। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विश्वानन्द कुमार उर्फ रिषु कुमार (लगभग 20 वर्ष, गोदोवार) और प्रियांशु कुमार (लगभग 19 वर्ष, बहेरा) के रूप में हुई है।

प्रियांशु पूर्व में भी जा चुका है जेल

पुलिस ने उनके कब्जे से एक देशी पिस्तौल मैगजीन के साथ और दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त प्रियांशु कुमार का गंभीर आपराधिक इतिहास रहा है। वह पूर्व में भी लूट और आर्म्स एक्ट के कई मामलों में शेरघाटी (गया, बिहार) और हंटरगंज थाना से जेल जा चुका है।

प्रियांशु कुमार के खिलाफ हंटरगंज थाना में पूर्व में कांड संख्या 91/24 (मारपीट, रंगदारी, आगजनी) और हाल ही में कांड संख्या 202/24 (बीएनएस के तहत गंभीर धाराओं) में मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित भारतीय दंड संहिता (भा०द०वि०) और सी.एल.ए. एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस अब फरार तीसरे अपराधी की तलाश में जुटी है और इस बात की भी जांच कर रही है कि वे किस वारदात को अंजाम देने के लिए हथियार लेकर बिहार जा रहे थे।

इकोनॉमिक्स का नोबेल दो अमेरिकी और एक ब्रिटिश प्रोफेसर को

आर्थिक विकास में इनोवेशन की स्टडी के लिए मिला, 10 करोड़ प्राइज मिलेगा

स्टॉकहोम, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल इकोनॉमिक्स का नोबेल पुरस्कार तीन अर्थशास्त्रियों जोएल मोकिर (अमेरिका), पीटर हॉविट (अमेरिका) और फिलिप एगियॉन (यूके) को मिला है।

नोबेल समिति ने बताया कि इन अर्थशास्त्रियों ने बताया कि इनोवेशन से कैसे आर्थिक विकास का रास्ता खुलता है। तकनीक तेजी से बदलती है और हम सभी पर असर डालती है।

उत्पाद और उत्पादन के नए तरीके पुराने तरीकों को बदलते रहते हैं और यह प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। यही लगातार आर्थिक विकास का आधार है, जिससे दुनिया भर के लोगों की जीवन गुणवत्ता, स्वास्थ्य और जीवन स्तर बेहतर होता है।

विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (10.3 करोड़ रुपए), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट मिलेगा। पुरस्कार 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में दिए जाएंगे। नोबेल समिति के मुताबिक, जोएल मोकिर ने इतिहास को देखकर यह बताया कि

पीटर हॉविट (अमेरिका) फिलिप एगियॉन (यूके) जोएल मोकिर (अमेरिका)

लगातार आर्थिक विकास क्यों हो पाया। उन्होंने कहा कि अगर नए-नए आविष्कार और सुधार लगातार होते रहते हैं, तो हमें सिर्फ यह पता होना जरूरी नहीं कि कोई चीज काम करती है, बल्कि यह भी समझना जरूरी है कि क्यों वह काम करती है।

औद्योगिक क्रांति से पहले लोग यह अक्सर नहीं समझ पाते थे, इसलिए नए खोजों और आविष्कारों का सही इस्तेमाल करना मुश्किल था। इसके अलावा, मोकिर ने कहा कि समाज का नए विचारों के लिए खुला होना और बदलाव स्वीकार करना भी बहुत जरूरी है।

फिलिप एगियॉन और पीटर हॉविट ने लगातार आर्थिक विकास कैसे होता है, इसे समझाने की कोशिश की। इन दोनों ने 1992 में एक मॉडल बनाया जिसे 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' यानी 'रचनात्मक विनाश' कहा गया।

इसका मतलब है कि जब कोई नया और बेहतर उत्पाद बाजार में आता है, तो पुराने उत्पाद बेचने वाली कंपनियां पीछे रह जाती हैं।

इसमें दो बातें होती हैं। पहली, यह रचनात्मक है क्योंकि नया कुछ बेहतर लेकर आता है। दूसरी, यह विनाशकारी भी है क्योंकि पुरानी तकनीक वाली कंपनियां हार जाती हैं। नोबेल विजेताओं ने बताया कि ऐसे बदलाव से संघर्ष पैदा होते हैं, जिन्हें सही ढंग से संभालना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो बड़ी कंपनियां और कुछ समूह नए विचारों और इनोवेशन को रोक सकते हैं। अमर्त्य सेन (1998)- गरीबी को समझने और मापने का नया तरीका बताया। अकाल क्यों होते हैं और लोगों की भलाई कैसे बढ़े, इस पर रिसर्च की। उदाहरणः सिर्फ पैसे से नहीं, शिक्षा और स्वास्थ्य से भी गरीबी मापी जानी चाहिए। अभिजीत बनर्जी (2019)- गरीबी हटाने के लिए छोटे-छोटे प्रयोग किए, जैसे स्कूलों में बच्चों को बेहतर पढ़ाई कैसे मिले। उदाहरणः गरीब बच्चों को मुफ्त किताबें देने से पढ़ाई में कितना फायदा होता है, इसे टेस्ट किया। अभिजीत बनर्जी ने नोबेल पुरस्कार अपनी पत्नी एस्थर डुफ्लो और माइकल क्रेमर के साथ शेयर किया था।

नोबेल पुरस्कारों की स्थापना 1895 में हुई थी और पुरस्कार 1901 में मिला। इन पुरस्कारों को वैज्ञानिक और इन्वेंटर अल्फ्रेड बर्नहार्ड नोबेल की वसीयत के आधार पर दिया जाता है। शुरुआत में केवल फिजिक्स, मेडिसिन, केमिस्ट्री, साहित्य और शांति के क्षेत्र में ही नोबेल दिया जाता था।

भारत से लेकर इंडोनेशिया तक राफेल विमानों की दुनिया दीवानी

फ्रांस के पास 533 का महाऑर्डर अमेरिकी एफ-35 को चुनौती

पेरिस, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने इस हफ्ते घोषणा की है, कि उसने 300वें राफेल लड़ाकू विमान का उत्पादन पूरा कर लिया है। जो फ्रांस के लिए एक मील का पत्थर है। सबसे खास बात ये है कि डॉसॉल्ड कंपनी के पास अब फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया और सर्बिया जैसे देशों से कुल 533 विमानों के ऑर्डर मिले हुए हैं और उसने 300वां राफेल फाइटर जेट बना लिया है। कंपनी ने इसे एक उपलब्धि बताया है। अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट के बाद शायद राफेल, पिछले दो दशकों में सबसे ज्यादा बिकने वाला विमान बन गया है। डसॉल्ट एविएशन ने 400 से ज्यादा स्थानीय कंपनियों को शामिल करते हुए एक इंडस्ट्रियल नेटवर्क डेवलप किया है, जिससे उसने घरेलू एयरोस्पेस नेटवर्क को काफी ज्यादा मजबूत बना लिया है।

डसॉल्ट के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 300वें राफेल

का उत्पादन कुछ दिन पहले पूरा हुआ है। यह उपलब्धि इस लड़ाकू विमान के ऑपरेशन, औद्योगिक और व्यावसायिक कामयाबी को दर्शाती है। राफेल अपनी श्रेणी में सबसे घातक, बहुमुखी और प्रभावी कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है, जिसने फ्रांस की रक्षा संप्रभुता को मजबूत किया है।"

कंपनी ने यह भी साफ किया है कि आने वाले वर्षों में इसकी उत्पादन दर बढ़ाने की योजना तैयार है, ताकि बढ़ते अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर्स को समय पर पूरा किया जा सके।

फिलहाल कंपनी के पास 233 राफेल फाइटर जेट के ऑर्डर और हैं, जिनका प्रोडक्शन करना बाकी है। डसॉल्ट एविएशन ने 300वां राफेल बनाने की उपलब्धि पर घोषणा की है कि वो अपने प्रोडक्शन लाइन को हर महीने चार विमानों तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। ताकि सर्बिया जैसे नए ग्राहकों को समय पर राफेल की आपूर्ति संभव हो पाए। सर्बिया ने जून 2025 में 12 राफेल विमानों की खरीद के लिए 1.9 बिलियन यूरो के ऋण को मंजूरी दी थी। वहीं, भारत के साथ दसॉल्ट का सहयोग और गहरा होने की संभावना है। कंपनी, भारत में लोकल प्रोडक्शन यूनिट स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। इसका मकसद मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही राफेल फाइटर जेट का उत्पादन करना है। भारतीय वायुसेना पहले से ही 36 राफेल जेट संचालित कर रही है और अब 114 नए फाइटर जेट्स की खरीद पर विचार चल रहा है।

अमेरिका के पोर्टलैंड में ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

लोगों ने बिना कपड़ों के साइकिल रैली निकाली

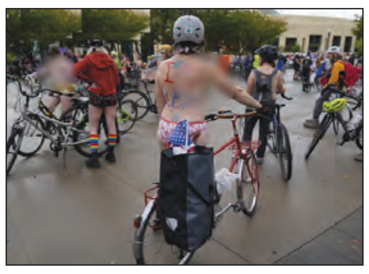

वाशिंगटन, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ अमेरिका के पोर्टलैंड में लोगों ने अनोखा विरोध किया। सैकड़ों लोग बिना कपड़ों या बेहद कम कपड़ों में साइकिल लेकर सड़कों पर उतर आए। बारिश और ठंड के बीच यह रैली 'वर्ल्ड नेकेड बाइक राइड' के तहत निकाली गई। यह सालाना राइड आमतौर पर गर्मियों में होती है। लेकिन इस बार इसे ट्रम्प के नेशनल गार्ड भेजने फैसले के विरोध में निकाला गया। ट्रम्प ने विरोध प्रदर्शनों को शांत करने के लिए नेशनल गार्ड भेजने की बात कही थी।

रैली में शामिल 51 साल की जेनीन किंग ने कहा कि हम नहीं चाहते कि हमारे शहर में सैनिक आएं, यह पोर्टलैंड का तरीका है विरोध जताने का।

साइकिल सवार ICE (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट) दफ्तर तक पहुंचे। ठंड और बारिश के बावजूद कई लोग बिना कपड़ों के साइकिल चलाते दिखे। पोर्टलैंड में 2004 से हर साल यह 'नेकेड बाइक राइड' होती है और अब यह शहर की पहचान बन चुकी है।

गाजा में हमास और डोगमूश कबीले के लड़ाकों में झड़प

हमास लीडर के बेटे समेत 64 की मौत, फिलिस्तीनी पत्रकार की गोली मारकर हत्या

गाजा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा सिटी में रविवार को हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प में 64 लोग मारे गए हैं। इनमें 52 डोगमूश और 12 हमास लड़ाके शामिल हैं। हमास के टेलीविजन चैनल के मुताबिक हमास के सीनियर अधिकारी बासेम नैम का बेटा भी झड़प में मारा गया।

झड़प में एक फिलिस्तीनी पत्रकार की भी गोली लगने से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हिंसा उस समय भड़की जब हमास के लड़ाकों ने सब्रा इलाके में कबीले के ठिकानों पर हमला किया। डोगमूश कबीले ने आरोप लगाया कि हमास ने सीजफायर का फायदा उठाकर उन्हें निशाना बनाया।

हमास ने चेतावनी दी है कि जो मिलिशिया मेंबर और अपराधी खूनखराबे में शामिल नहीं हैं, वे अगले रविवार तक आत्मसमर्पण

कर सकते हैं, अन्यथा उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

हमास ने 2024 में डोगमूश लीडर की हत्या की थी

डोगमूश नाम की उत्पत्ति तुर्किश मूल की बताई जाती है। इसका मतलब होता है- तुर्किये में जन्मा हुआ। कहा जाता है कि डोगमूश कबीला 20वीं सदी की शुरुआत में पलायन कर गाजा पहुंचा था। यह कबीला गाजा सिटी के साब्रा और तेल अल-हवा में बसा हुआ है। डोगमूश गाजा के बड़े घरानों में गिना जाता है।

डोगमूश पर अलकायदा के करीबी होने का आरोप लगता है। इस कबीले पर ब्रिटिश पत्रकार एलन जॉनस्टन और इजराइली कैदी गिलाश शालिद के अपहरण में शामिल होने का आरोप है। गाजा में सत्ता हासिल करने को लेकर डोमगूश और हमास के बीच कई बार संघर्ष हो चुका है।

2008 में हमास ने डोगमूश के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें कई लोग मारे गए थे। 2024 में हमास ने सालेह डोगमूश को मार दिया था। हमास ने आरोप लगाया था कि सालेह गाजा पहुंचने वाली राहत सामग्री को कब्जा कर महंगे दामों पर बेच रहा था।

गाजा सिटी में हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प के दौरान एक फिलिस्तीनी पत्रकार सालेह अलजफरावी (28) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अलजफरावी संघर्ष की कवरेज कर रहे थे। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

तेजप्रताप ने उतारे 21 कैंडिडेट्स-इनमें 10 आरजेडी की सिटिंग सीटें

पिता और छोटे भाई को डैमेज करेंगे, खुद भी तेजस्वी के विधायक के सामने खड़े हुए

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने सोमवार को अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल के 21 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। तेजप्रताप यादव खुद महुआ से चुनाव लड़ेंगे। महुआ से अभी आरजेडी के मुकेश कुमार विधायक हैं। उन्होंने 2020 के चुनाव में जेडीयू की आशमा परवीन को 13687 वोटों से हराया था। तेज प्रताप वर्तमान में हसनपुर सीट से विधायक हैं। जनशक्ति जनता दल की ओर से जारी उम्मीदवार सूची में कई नए और युवा चेहरों को मौका दिया गया है। वहीं इस लिस्ट में 2 महिला कैंडिडेट भी शामिल हैं।

तेजप्रताप यादव की पार्टी

जनशक्ति जनता दल ने 21 उम्मीदवारों के नाम घोषित किया। इसमें 10 सीटें ऐसी हैं जिस पर आरजेडी के सिटिंग विधायक हैं। इसमें महुआ, सीतामढ़ी, शाहपुर, बख्तियारपुर, जगदीशपुर, अतरी, मनेर, महनार और बनियापुर की सीटें हैं। यानी अपने पिता लालू प्रसाद और छोटे भाई तेजस्वी यादव पार्टी आरजेडी को डैमेज करने की तैयारी है। महागठबंधन की पार्टी माले के सिटिंग विधायक डुमराव में अजीत कुमार सिंह हैं वहां तेजप्रताप ने उम्मीदवार दिया है।

तालाब के लिए प्रस्तावित सरकारी जमीन पर कई लोगों की नजर

रात के अंधेरे में जमीन कब्जाने की कोशिश

कोरबा, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगर पालिका निगम कोरबा के वार्ड संख्या 36 में तालाब के लिए प्रस्तावित सरकारी जमीन पर कई लोगों की नजर लगी हुई है। स्थानिय जनता ने अब तक जमीन को बचाकर रखा हुआ है। लोगों की शिकायत है कि रात के अंधेरे में कई अज्ञात लोग यहां राखड़ डंप कर जमीन कब्जाने में लगे हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है।

कोरबा में रिसदी वार्ड के अंतर्गत डिंगापुर में कम्युनिटी हॉल के पास का यह वह इलाका है, जहां पर अवैध कब्जा करने का काम अज्ञात लोगों के द्वारा किया जा रहा है। जबकि स्थानीय लोगों ने अपनी जरूरत के लिए यहां तालाब बनाना प्रस्तावित किया है। महिलाओं ने कहां कि उन्हें इस जमीन पर केवल तालाब चाहिए और कुछ नहीं। वार्ड में रहने वाली फूलमती ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यहां तालाब बनवाने के लिए बस्ती वासियों ने प्रस्ताव रखा था, जहां इस सरकारी जमीन को तालाब के लिए संरक्षित किया गया है। रातों-रात जमीन दलालों के द्वारा राख और मिट्टी डंपकर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा था, जहां विरोध कर वाहन चालकों को मौके से भगाया गया।

सावित्रीबाई ने बताया कि एक दिन पहले ही यहां गड्ढे थे, लेकिन रातों-रात रखड़ मिट्टी कौन कहां से आया और डंप दिया है। यह कब्जा करने की नीयत से किया गया है, जिसका बस्तीवासी विरोध कर रहे हैं। क्षेत्र के पार्षद अजय गोड ने बताया कि यहां पर तालाब निर्माण के लिए मंत्री से लेकर प्रशासन के पास प्रस्ताव भेज दिया गया है। निर्माण के लिए पर्याप्त जमीन है। अवैध कब्जा करने के मामले में जो लोग सक्रिय हैं। वह सामने नहीं आ रहे हैं। लगभग एक एकड़ जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इसकी शिकायत कलेक्टर से भी की जाएगी और नगर निगम में भी। इससे पहले कोरबा नगर में कई सरकारी तालाबों को पाठ कर समाप्त कर दिया गया। खबर है कि कई तालाब तो पिछले दरवाजे से बेच दिए गए हैं। अब केवल उनकी याद रह गई है।

ब्लैक में शराब बेचने को लेकर गैंगवार युवक की हत्या

बिलासपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अवैध रूप से शराब बेचने को लेकर हुए गैंगवार में एक युवक की हत्या कर दी गई। वारदात सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है, जहां अवैध शराब बेचने वाले बदमाशों ने अपने साथियों के साथ मिलकर दो युवकों पर लकड़ी के बत्ते से हमला कर दिया। हमलावरों ने युवकों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, जिससे एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार, किशन यादव (19), जो करबला इलाके का रहने वाला था, शनिवार रात दयालबंद निवासी अपने दोस्त साहिल सोनकर के साथ लुतरा उर्स देखने गया था। कार्यक्रम से लौटते समय, रविवार तड़के करीब तीन बजे दोनों युवक शहर लौटे।

अमेरिका-चीन जैसी प्रतिद्वंद्वी महाशक्तियों का कैसे दोस्त बना पाकिस्तान

सऊदी भी आया साथ, जिन्ना के देश को बेच रहे मुनीर-शहबाज?

इस्लामाबाद, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और नागरिक सरकार ने लगातार एक्सपर्ट का ध्यान खींचा है। इसकी वजह पाकिस्तान का अमेरिका और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी महाशक्तियों के साथ कामयाबी के साथ समन्वय बैठाना है। पाकिस्तान ने हाल ही में चीन से 8.5 अरब डॉलर के नए निवेश हासिल किए हैं। वहीं अमेरिका को बलूचिस्तान के पासनी में बंदरगाह विकसित करने की पेशकश की है, जो देश के खनिज संसाधनों तक पहुंचने का एक मार्ग बन सकता है। इनके अलावा अरब की बड़ी ताकत सऊदी से भी पाकिस्तान ने हाल ही में रक्षा डील की है।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के सीनियर फेलो मिहिर शर्मा ने ब्लूमबर्ग में अपने लेख में कहा है कि पाकिस्तान के नेताओं ने दो प्रतिद्वंद्वी महाशक्तियों को इस तरह से प्रबंधित करने का तरीका खोज निकाला है, जो कहीं अधिक स्थिर देशों के लिए संभव नहीं लगता। वे अमेरिका को अपनी अर्थव्यवस्था में एक ऐसी जगह देने का वादा कर रहे हैं, जो चीन पर असर ना डाले। चीन के लिए भी वह ऐसा ही कर रहे हैं। बहुध्रुवीय दुनिया के प्रति उनकी प्रतिक्रिया हर ध्रुव को हिस्सेदारी देना है। पाक पीएम शहबाज शरीफ ने पिछले महीने बीजिंग का दौरा किया। बीजिंग ने इस दौरान पाकिस्तान 8.5 अरब डॉलर के नए निवेश की घोषणा की। खास बात यह है कि अमेरिका से लाभ लेते हुए पाकिस्तान ने चीन से निवेश हासिल किया है। दूसरी ओर चीन पर उसकी निर्भरता और सऊदी अरब के साथ घनिष्ठता ने वॉशिंगटन को निराश नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप की हाल के महीनों में दो बार पाक सैन्य प्रमुख असीम मुनीर से मुलाकात हुई है।

सबको खुश कर रहा पाक

पाकिस्तान ने अमेरिका को बलूचिस्तान के पसनी में बंदरगाह विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया है। यह आंतरिक खनिज संसाधनों तक पहुंच के लिए है, जिसका वादा मुनीर वाइट हाउस में कर चुके हैं । यह प्रस्ताव पाकिस्तान की 'सबको खुश करने' की रणनीति का एक रूप है। पसनी नाम का यह मछली पकड़ने वाला गांव चीन संचालित ग्वादर बंदरगाह से सिर्फ 110 किलोमीटर है। ग्वादर, अरब सागर से शिनजियांग तक बीजिंग के महत्वाकांक्षी गलियारे का दक्षिणी छोर है। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि पसनी साझेदार देशों तक पाकिस्तानी खनिजों के परिवहन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस तरह मुनीर और शरीफ अपने देश को दो समानांतर मार्गों से विभाजित करने की कल्पना कर रहे हैं। इसमें एक चीन के लिए और दूसरा पश्चिम की सेवा के लिए है।

अफगानिस्तान के अंदर घुसकर करेंगे हमला

तालिबान से पिटने के बाद पाकिस्तानी सेना ने निकाली खीज, जंग की ओर भारत के 2 पड़ोसी?

इस्लामाबाद, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बॉर्डर पर शुरू हुआ संघर्ष फिलहाल रुक गया है लेकिन चीजें शांति की तरफ जाती नजर नहीं आ रही हैं। पाकिस्तान ने रविवार को एक सख्त बयान में अफगानिस्तान के अंदर सीधे हमले की धमकी दी है। पाकिस्तान ने कहा कि काबुल में पनाह पाए किसी आतंकी गुट ने उनकी जमीन पर हमला किया तो वह अफगानिस्तान के अंदर जाकर हमले करेंगे। अफगान बलों के सामने 50 से ज्यादा सैनिकों को खोने और कई चौकियों से भागने को मजबूर होने के बाद पाकिस्तान की ये धमकी आई है, जिसे उसकी बौखलाहट भी कहा जा सकता है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने कहा है कि भविष्य में उसकी कार्रवाई

सीमाई इलाकों तक सीमित नहीं होगी। इससे पता चलता है कि आने वाले समय में दोनों देशों में बड़ा टकराव देखने हो सकता है क्योंकि पाकिस्तान अपनी जमीन पर हमलों के लिए टीटीपी को जिम्मेदार कहता है। पाकिस्तान का कहना है कि ये गुट अफगानिस्तान से अपनी गतिविधि कर रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान में कोई हमला अफगानिस्तान से टकराव की वजह बन सकता है।

पाक आर्मी ने कहा है कि उनकी ओर से शनिवार रात के अफगान तालिबान के अटैक के बाद जवाबी कार्रवाई की गई है। पाक आर्मी ने कहा है कि खासतौर से उनकी जमीन को निशाना बनाने वाले गुटों की चौकियों, प्रशिक्षण केंद्रों और कमांड केंद्रों पर हमले किए गए हैं। सेना ने इन अभियानों को अपनी सीमा चौकियों पर हमलों का जवाब कहा है। पाक आर्मी ने दावा किया कि इस बार उसका रिएक्शन बहुत कड़ा नहीं रहा लेकिन आगे ऐसा नहीं होगा। पाक आर्मी ने कहा कि अफगानिस्तान की धरती से होने वाली आतंकी गतिविधियों के लिए काबुल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराएगा। भविष्य में ऐसे किसी भी हमले का जवाब अफगानिस्तान के अंदर कड़े हमलों से दिया जाएगा।

एक वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून से कहा, 'अफगान पक्ष ने शनिवाकर रात हमले करके एक बड़ी गलती की है।

इजरायली संसद में डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के दौरान हंगामा

नरसंहार का बोर्ड लेकर पहुंचे सांसद, धक्का देकर निकाला बाहर

तेल अवीव, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायली संसद में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबोधन के दौरान हंगामा हुआ है। जब अमेरिकी राष्ट्रपति संसद को संबोधित कर रहे थे, उस वक्त एक शख्स हल्ला करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहा था, जिसे पकड़कर संसद से बाहर कर दिया गया है। वहीं, हंगामे के बाद इजरायली सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपकि से हंगामे के लिए माफी मांगी है। दूसरी तरफ इजरायल के विपक्षी नेता यायर लापिड ने संसद (नेसेट) में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना की और कहा कि अमेरिकी नेता को अगले साल नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक हंगामा करने वाले सांसद का नाम ओफर

कासिफ है, जो इजराइली राजनीति में एक प्रमुख व्यक्ति हैं। वे अरब-बहुल हदाश-ताअल पार्टी के एकमात्र यहूदी सदस्य हैं और गाजा और वेस्ट बैंक में इजरायली कार्रवाइयों के मुखर विरोध के लिए जाने जाते हैं। नेसेट के सदस्य अयमान ओडेह और ओफर कासिफ ने ट्रम्प के भाषण के दौरान नरसंहार लिखा एक बोर्ड उठाया और नेसेट के अध्यक्ष ने उन्हें तुरंत हटा दिया।

ट्रंप के भाषण के दौराम हंगामा करने की कोशिश

वहीं संसद में बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने अरब देशों और मुस्लिम नेताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता का इजहार किया है, जो हमास पर दबाव डालने और बंधकों को मुक्त कराने के लिए एक साथ आए। उन्होंने आगे कहा, हमें बहुत मदद मिली, बहुत से ऐसे लोगों से, जिनके बारे में आपको अंदाजा भी नहीं होगा, और मैं इसके लिए उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यह इजरायल और दुनिया के लिए एक अविश्वसनीय जीत है कि ये सभी देश शांति के लिए साझेदार के रूप में एक साथ काम कर रहे हैं।

लेकिन हंगामे की वजह से ट्रंप का भाषण नेसेट में कुछ समय के लिए बाधित हुआ फिर सुरक्षा अधिकारियों ने लोगों को हंगामा करने वाले संसद से बाहर खींच लिया और बैनर छीन लिए।

उप चुनाव में बीजेपी से टिकट के नाम पर राजस्थान के बड़े नेता से ठगी, दिल्ली से आया था फोन

बारां, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उप चुनाव में भाजपा से टिकट दिलवाने के नाम पर साइबर ठगों ने बारां प्रधान मोरपाल सुमन से 38 हजार ठग लिए। सुमन को ठगों ने दिल्ली से भाजपा कार्यालय से फोन करना बताया और टिकट फाइनल बताते हुए दस्तावेज तैयार करवाने के नाम पर रुपए अपने खाते में डलवा लिए। हालांकि इसमें से कुछ राशि बैंक खाते में होल्ड करा ली गई है। इस संबंध में पुलिस को शिकायत की गई है।

सूत्रों ने बताया कि बारां पंचायत समिति प्रधान मोरपाल सुमन के मोबाइल पर अनजान व्यक्ति ने फोन कर कहा कि वह दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय से बोल रहा है। विधानसभा उप चुनाव में अन्ता सीट से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर आपका टिकट फाइनल हो गया है। आपके दस्तावेजों को अच्छे से तैयार करने के लिए 38 हजार रुपए जमा कराने होंगे। इस पर सुमन ने उनके बड़े पुत्र दीनू उर्फ पदम सुमन से यह राशि ऑनलाइन डलवा दी।

बारां पंचायत समिति प्रधान मोरपाल सुमन

बाद में इस संबंध में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार से बात की तो ऑनलाइन साइबर ठगी होने का पता लगा। वहीं, प्रधान मोरपाल सुमन ने बताया कि उनका मोबाइल उनका पुत्र चला रहा था। उसी ने राशि डाल दी थी, लेकिन बाद में ठग का बैंक खाता होल्ड कराने की प्रक्रिया की। इससे आधी राशि होल्ड हो गई।

जिलाध्यक्ष ने दिए थे 5-6 नाम

भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने बताया कि उनके पास दिल्ली से अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। उसने संभावित प्रत्याशियों के फोन नंबर मांगे थे। इस पर 5-6 संभावित इच्छुक लोगों के मोबाइल नंबर दिए थे। काफी देर बाद प्रधान मोरपाल सुमन का फोन आया। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा कार्यालय से जिस व्यक्ति का फोन आया था, उसे पैसे डाल दिए हैं।

कार्यकर्ताओं के सिर चढ़कर बोला गहलोत का जादू

पर्यवेक्षकों के सामने प्रस्ताव पारित किया

जोधपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर की सरदारपुर विधानसभा में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए आवेदन लेने पहुंचे कांग्रेस पर्यवेक्षकमंच से आवेदन के लिए बार-बार आह्वान करते रहे लेकिन कोई भी आवेदन करने नहीं पहुंचा। सभी ने एक ही लाइन का प्रस्ताव पारित किया कि जिसे भी अशोक गहलोत अध्यक्ष नियुक्त करेंगे, उन्हें स्वीकार होगा।

गहलोत को ऐसे ही सियासत का जादूगर नहीं कहा जाता, जब भी गहलोत और पर्यवेक्षक आमने-सामने होते हैं तो पर्यवेक्षकों को खाली हाथ लौटना ही पड़ा है। चाहे 2020 का मानेसर कांड हो चाहे 2022 में पायलट को मुख्यमंत्री बनने के लिए पर्यवेक्षक राजस्थान आए हों। इस बार भी फिर से कुछ ऐसा ही देखने को मिला। मौका था, जोधपुर में जिला अध्यक्ष के चुनाव का।

दिल्ली से बड़ी तैयारी के साथ पर्यवेक्षक जोधपुर पहुंचे लेकिन यहां पर उन्हें ढाक के तीन पात देखने को मिले। पर्यवेक्षक दावेदारों को बुलाते रह गए और कोई सामने तक नहीं आया और राहुल गांधी द्वारा भेजे गए पर्यवेक्षकों को मुंह की खानी पड़ी। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कह दिया गहलोत जो कहेंगे वह अंतिम निर्णय होगा यानी कि फिर से एक लाइन का प्रस्ताव।

इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक ट्वीट किया जो पूरे प्रदेश में काफी चर्चा का विषय बना। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा- संगठन सृजन अभियान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और एवं प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक नायाब प्रयोग है, जिसमें जिले के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की राय लेकर जिला अध्यक्ष चुना जाएगा। कई जगह पर किसी नेता को जिला अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव या किसी सीनियर लीडर को जिला अध्यक्ष बनाने के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव पास करने की खबरें आई हैं, जो उचित नहीं है।

किसी भी सीनियर लीडर द्वारा अपने प्रभाव का इस्तेमाल या कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्ताव पास करना हाईकमान की भावना के अनुरूप नहीं है। इस अभियान का उद्देश्य ही पर्यवेक्षकों द्वारा सभी से चर्चा कर जिला अध्यक्ष का चयन करना है, जिससे सभी कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

गौरतलब है कि सचिन पायलट के लिए कभी ऐसे कार्यकर्ताओं का डेडीकेशन देखने को नहीं मिला। शायद ये उन लोगों के लिए जवाब होगा जो सियासत में गहलोत को बार-बार रिटायर करने और उन्हें साइड लाइन करने की बात करते रहते हैं।

शेखावाटी में गैंगस्टर राज की वापसी

रंगदारी और हत्या की खुली चुनौती, विदेश में बैठकर चला रहे गिरोह

नागौर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। शेखावाटी की धरती पर फिर अपराध की परछाई गहराने लगी है। गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण की अगुवाई में उभरता नया गिरोह न सिर्फ युवाओं को अपराध की दलदल में धकेल रहा है, बल्कि सोशल मीडिया के जरिए हत्या की जिम्मेदारी लेकर दहशत का चेहरा गढ़ रहा है। बता दें कि 17 सितंबर को गाजियाबाद में इसी गिरोह के दो शूटरों का एनकाउंटर हुआ था, लेकिन महज 20 दिन में ही नए शूटर तैयार कर लिए गए। यह संकेत है कि अपराध की यह फै€क्ट्री तेजी से चल रही है। कुचामनसिटी में व्यापारी की हत्या, जयपुर में गोगामेड़ी कांड और बरेली में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग, तीनों घटनाएं इसी नेटवर्क की कड़ियां हैं।

आरोपी गोल्डी बरार और रोहित गोदारा गैंग से जुड़े थे। हाल ही कुचामनसिटी में व्यापारी रमेश रूलानिया की हत्या के लिए इस गैंग को लोकल शूटर मिल गया। गैंगस्टर आनंदपाल और राजू ठेहट के समय भी कई व्यापारियों से रंगदारी वसूलने की घटनाएं हुई थी।

रोहित गोदारा अब लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से अलग क्षेत्र तलाश रहा है। उसे शेखावाटी कंफर्ट इलाका लगा, क्योंकि आनंदपाल गिरोह के गुर्गे उसके संपर्क में हैं। जो रंगदारी वसूल चुके और गैंगवार की घटनाओं में शामिल रह चुके हैं।

शेखावाटी क्षेत्र पहला टारगेट

रोहित गोदारा बीकानेर का रहने वाला है। आनंदपाल गैंग के कई गुर्गे उसके संपर्क में हैं। उसने शेखावाटी क्षेत्र को टारगेट करना शुरू किया है।

समृद्ध क्षेत्र कुचामन और शेखावाटी के व्यापारियों को निशाने पर लिया जा रहा है। कई और शहरों में भी व्यापारियों से फिरौती मांगी गई, जिसकी शिकायतें पुलिस में दर्ज हैं।

आर्मी की जिप्सी पलटने से मेजर की मौत

लेफ्टिनेंट कर्नल समेत 4 अधिकारी घायल

जैसलमेर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के तनोट थाना क्षेत्र में सेना की जिप्सी पलटने से एक मेजर की मौत हो गई, जबकि लेफ्टिनेंट कर्नल और दो मेजर सहित चार अधिकारी घायल हो गए। हादसा रामगढ़-लोंगेवाला मार्ग पर गमनेवाला गांव के पास शाम करीब पांच बजे हुआ।

बता दें कि घायलों को पहले रामगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया। तनोट थाना के एएसआई अचलराम के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सड़क पर तेज मोड़ था। लेकिन जिप्सी मोड़ नहीं ले पाई और पलट गई।

हादसे के समय वाहन में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रशांत राय (32), मेजर टीसी भारद्वाज (33), मेजर अमित (30), मेजर प्राची शुक्ला और ड्राइवर नसीरुद्दीन सवार थे। गंभीर रूप से घायल मेजर टीसी भारद्वाज को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

वहीं, अन्य घायलों में मेजर अमित को आंख के पास चोट आई है। मेजर प्राची शुक्ला को सिर में गंभीर चोटें हैं, जबकि ड्राइवर नसीरुद्दीन का बायां कान कट गया। सभी का इलाज सेना अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

हादसे की सूचना पर तनोट और रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मेजर टीसी भारद्वाज का शव पोस्टमॉर्टम के बाद सेना को सौंपा गया। वे आंध्रप्रदेश के गुंटूर जिले के निवासी थे। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

27 साल बाद खुला फर्जी भर्ती घोटाला

जोधपुर सेना भर्ती में फर्जी प्रमाण पत्र से नौकरी पाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर में 27 साल पुराने एक फर्जीवाड़े के मामले में आखिरकार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। उदयमंदिर थाना पुलिस ने 1998 में हुई सेना भर्ती में फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी पाने वाले आरोपी इंद्रजीत सिंह कुशवाह को हरियाणा के गुड़गांव से गिरफ्तार किया है। यह वही मामला है जिसमें आरोपी पिछले करीब तीन दशकों से पुलिस की पकड़ से बाहर था।

पुलिस के अनुसार, साल 1998 में तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट की ओर से उदयमंदिर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। शिकायत में कहा गया था कि रक्षा भर्ती कार्यालय, रातानाडा (जोधपुर) में भर्ती के दौरान इंद्रजीत सिंह पुत्र उदय सिंह राजपूत ने लोडता तहसील शेरगढ़ का फर्जी मूल निवास प्रमाण पत्र बनवाकर भारतीय सेना में नौकरी हासिल की थी।

जांच के दौरान जब तहसील कार्यालय से जानकारी मांगी गई तो यह खुलासा हुआ कि उस नाम से कोई प्रमाण पत्र जारी ही नहीं किया गया था। दस्तावेज फर्जी पाए जाने पर मामला दर्ज हुआ, लेकिन आरोपी फरार हो गया था।

पुलिस टीम ने वर्षों तक लगातार जांच जारी रखी और आखिरकार तकनीकी निगरानी और पुराने रिकॉर्ड की मदद से आरोपी का पता ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में लगाया। वहां से उसकी लोकेशन बदलते हुए गुड़गांव तक पहुंची, जहां उसे दबोच लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बताया कि आरोपी ने न केवल सेना भर्ती में, बल्कि जिला पंचायत कार्यालय, राशन कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों में भी फर्जीवाड़ा किया था।

उदयमंदिर थाना अधिकारी ने बताया कि आरोपी को जोधपुर लाकर पूछताछ की जा रही है। जांच में यह भी सामने आ सकता है कि उसने फर्जी दस्तावेजों से सरकारी नौकरी पाने की इस पूरी प्रक्रिया में किन-किन की मदद ली थी।

इस कार्रवाई से जोधपुर पुलिस ने एक पुराने पेंडिंग केस को सुलझाने में बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिससे पुलिस रिकॉर्ड में 27 साल से लंबित मामला अब बंद होने की दिशा में है।

जमीनी विवाद में चाचाओं ने अपने ही भतीजे को मौत के घाट उतारा

भाई-भाभी समेत पांच आरोपी हिरासत में

टोंक, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में घाड़ थाना क्षेत्र के बेलहड़ी गांव में जमीनी विवाद के कारण रिश्ते में भाई, भाभी और तीन चाचाओं ने मिलकर भतीजे की लाठी और कुल्हाड़ी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया।

घाड़ थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि 10 अक्टूबर की शाम लगभग साढ़े पांच बजे आरोपियों ने सुरेश गुर्जर को घर बुलाकर कुल्हाड़ी और डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। गंभीर चोटों के कारण उसे राजकीय अस्पताल दूनी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मामले में रामेश्वर पुत्र देवालाल गुर्जर, बाबूलाल पुत्र देवालाल गुर्जर, छोटूलाल उर्फ विद्यानंद गिरी पुत्र देवालाल गुर्जर (हाल भजनानंद महाराज आश्रम, करीरिया नोहटा), भाई सोनू गुर्जर पुत्र रामेश्वर गुर्जर और भाभी लक्ष्मी देवी पत्नी सोनू गुर्जर को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

घटना की जांच में पता चला कि सुरेश गुर्जर अपने भाई के साथ गंगाप्रसादी में शामिल होने जा रहा था, तभी उसके काका सहित परिजनों ने उसे घर बुलाया और लाठी तथा कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दिया। अब आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस कार्रवाई में घाड़ थाना प्रभारी हरिराम वर्मा की टीम ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए सफलता प्राप्त की।

अचानक रणथंभौर पहुंचे वन मंत्री : पहचान छिपाकर 3 घंटे की जंगल सफारी; अधिकारियों को लगाई फटकार

सवाई माधोपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा बिना किसी पूर्व सूचना के सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर पहुंचे । इसके बाद सीधे जिप्सी से जंगल भ्रमण पर निकल गए। वन मंत्री संजय शर्मा सामान्य पर्यटक की तरह सफारी के लिए पहुंचे। उन्होंने ऑनलाइन टिकट बुक करवाया और तत्काल शेयरिंग स्लॉट में भुगतान कर टोपी, चश्मा और मास्क पहनकर शाम की सफारी की।

वन मंत्री ने जोन एक से पांच तक भ्रमण करते हुए बाघ टी-120 गणेश सहित कई बाघ-बाघिनों की गतिविधियां देखीं और पार्क में मॉनिटरिंग व ट्रैकिंग सिस्टम की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पर्यटकों से बातचीत कर उनके सफारी अनुभव और सुझाव भी जाने। वन मंत्री के अचानक दौरे से वन विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

उन्होंने रणथम्भौर के कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की, जिसमें एक कर्मचारी मौके पर मौजूद होने के बावजूद दर्ज नहीं था, जिस पर मंत्री ने नाराजगी जताई और नियमित उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए।

ड्राइवर ने यू-टर्न लेने से किया मना

बताते चलें कि जंगल भ्रमण के दौरान ड्राइवर भी मंत्री को नहीं पहचान पाया। इस दौरान वनमंत्री के यू-टर्न की कहने पर उसने नियमों का हवाला देते हुए जिप्सी को यू-टर्न लेने से मना कर दिया। इस पर मंत्री ने उससे कुछ नहीं कहा और वन-वे के माध्यम से ही पार्क का भ्रमण किया।

सफारी के दौरान उन्हें जंगल में वन विभाग का गश्ती वाहन नजर नहीं आया, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। वनकर्मियों से उन्होंने कहा कि इस तरह बाघों की निगरानी कैसे होगी? पार्क में पर्यटक भगवान भरोसे हैं। उन्होंने वनकर्मियों को निर्देश दिए कि उनके अधिकारियों को सर्किट हाउस भेजा जाए, जहां वे उनसे चर्चा करेंगे। साथ ही, बाघों की मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने के आदेश भी दिए।

सफारी पूरी कर पहचान उजागर की

बताते चलें कि वन विभाग को मंत्री की मौजूदगी की जानकारी तब हुई, जब उन्होंने सफारी पूरी कर अपनी पहचान उजागर की। उन्होंने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया ताकि वे एक आम पर्यटक के दृष्टिकोण से व्यवस्थाओं की हकीकत समझ सकें। सफारी के दौरान देखी गई कमियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

सूत्रों के अनुसार, वन मंत्री का यह आकस्मिक दौरा रणथम्भौर में संभावित प्रशासनिक बदलावों की भूमिका के रूप में देखा जा रहा है और जल्द ही बड़े फेरबदल की संभावना जताई जा रही है।

भारतमाला रोड पर हुआ भीषण सड़क हादसा

कार और ट्रक की टक्कर में जिंदा जला ड्राइवर, दो की मौत

बीकानेर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के नापासर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह भारतमाला रोड पर एक भीषण सड़क हादसे में बाड़मेर से लूणकरणसर जा रही तेज रफ्तार कार ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में तुरंत ही आग लग गई, जिससे कार चालक मौके पर ही जिंदा जल गया, जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति ने बीकानेर ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हादसे के समय कार में कुल छह लोग सवार थे। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका इलाज पीबीएम अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही नापासर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आग पर काबू पाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि कार लूणकरणसर की थी। हादसे की वजह वाहन की गति और सड़क पर ट्रक की मौजूदगी बताई जा रही है। पुलिस ने शवों को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जयपुर-अजमेर हाइवे पर सड़क हादसा, पाम ऑयल से फिसली एंबुलेंस, 2 की मौके पर दर्दनाक मौत, तीन लोग घायल

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर-अजमेर हाइवे पर बगरू छीतरोली स्टैंड के पास सोमवार की दरमियानी देर रात करीब ढाई बजे दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पाम ऑयल से फिसलते रास्ते के चलते एक एंबुलेंस अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। हादसे में एंबुलेंस में सवार पांच लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि छीतरोली स्टैंड पर एक पाम ऑयल का टैंकर खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आए बजरी के डंपर ने टैंकर को टक्कर मार दी, जिससे पाम ऑयल सड़क पर फैल गया। इसी समय किशनगढ़ की ओर से एक एंबुलेंस तेज गति में (लगभग 100 किमी प्रति घंटा) आ रही थी। चालक सतीश धामाणी ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सामने खड़े ट्रक से टकरा गया।

इस दुर्घटना में दिनेश कुमारी (55) और विक्की उर्फ वीरम सिंह (31), दोनों किशनगढ़ अजमेर के निवासी, की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए एंबुलेंस चालक सतीश धामाणी (31), अमित वैष्णव (30) और बिठुदास (60) को तत्काल बगरू सीएचसी और फिर एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना के समय एंबुलेंस में बिठुदास की तबीयत खराब थी, जिसे सतीश धामाणी मरीज को लेकर एसएमएस अस्पताल ले जा रहे थे। वाहन में मरीज के साथ उनकी पत्नी दिनेशी कुमारी, बेटा अमित वैष्णव और अमित का मित्र विक्की मौजूद थे। दुर्घटना की भीषणता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

बगरू थाना और वैस्ट थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल एवं मृतकों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। हादसे के कारण अजमेर-जयपुर हाइवे पर कुछ समय के लिए जाम लग गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सड़क पर फैलाए गए पाम ऑयल को हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़े 3 युवक गिरफ्तार

आम लोगों को फंसाकर खुलवाते थे खाते, फर्जी सिम भी बरामद

अजमेर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने साइबर ठगी के नेटवर्क को सहयोग देने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों ने भोले-भाले लोगों के नाम से बैंक खाते और सिम कार्ड खुलवाकर साइबर अपराधियों को बेच दिए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई बैंकों की पासबुक, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचा जा सके।

सिविल लाइन थानाधिकारी शंभू सिंह शेखावत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रितिक चौहान (21) पुत्र रामभारत चौहान, तरुण चिंटा (22) पुत्र कमलेन्द्र प्रताप चिंटा और सुनील आचरा (21) पुत्र रामेश्वरलाल आचरा के रूप में हुई है।

सीआई शंभू सिंह शेखावत ने कहा कि पुलिस जांच में सामने आया है कि ये युवक भोले-भाले लोगों से संपर्क कर उन्हें बैंक खाता खुलवाने और मोबाइल सिम जारी करवाने के लिए प्रेरित करते थे। बदले में उन्हें कुछ कमीशन का लालच दिया जाता था। खाते और सिम कार्ड मिलने के बाद आरोपी उन्हें साइबर अपराधियों को ऊंचे दामों पर बेच देते थे। ये अपराधी इन खातों और सिम का उपयोग ऑनलाइन ठगी और अन्य वित्तीय अपराधों में करते थे।

सिविल लाइन थाना पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से विभिन्न बैंकों की पासबुक, एटीएम कार्ड और कई मोबाइल सिम कार्ड जब्त किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह नेटवर्क अजमेर के साथ-साथ अन्य जिलों में भी सक्रिय था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि इन खातों और सिम का उपयोग किन साइबर फ्रॉड मामलों में किया गया है।

कार्रवाई में एएसआई सुवालाल, कांस्टेबल समित सहारण और अभय सिंह का विशेष योगदान रहा। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस गैंग से जुड़े अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा और पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जाएगा ।

गायब और चोरी हुए मोबाइल पाते ही लोगों के चेहरे खिल उठे

असली मालिकों को सौंपे गए सौ मोबाइल फोन

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गायब और चोरी हुए मोबाइल पाते ही लोगों के चेहर खिल उठे। पुलिस ने असली मालिकों को सौ मोबाइल फोन सौंपे।

हैदराबाद के पूर्वी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त, डॉ.बी. बाला स्वामी, आईपीएस के नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारियों और पूर्वी क्षेत्र के तकनीकी कर्मचारियों की सहायता से, पूर्वी क्षेत्र, हैदराबाद की सीमा में पिछले 30 दिनों में खोए, चोरी हुए और गुम हुए मोबाइल फोनों का पता लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान, पुलिसकर्मियों ने उपकरणों की पहचान और पता लगाने के लिए केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल, तकनीकी निगरानी और मोबाइल सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वय का उपयोग किया। इन सामूहिक प्रयासों से, विभिन्न शिकायतकर्ताओं के 25,00,000 रुपये (केवल पच्चीस लाख रुपये) मूल्य के कुल 100 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक खोजे और बरामद किए गए। आज डीसीपी पूर्वी क्षेत्र, अंबरपेट, हैदराबाद के कार्यालय में एक हस्तांतरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां बरामद मोबाइल फोनों को आईएमईआई नंबरों, स्वामित्व दस्तावेजों और संबंधित एफआईआर/शिकायत रिकॉर्डों के गहन सत्यापन के बाद उनके असली मालिकों को लौटा दिया गया। लाभार्थियों ने प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग और पूर्वी क्षेत्र, हैदराबाद के पुलिस विभाग द्वारा उनके मूल्यवान मोबाइल फोनों का पता लगाने और उन्हें वापस करने में किए गए त्वरित प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त डीसीपी, सभी एसीएसपी और पूर्वी क्षेत्र, हैदराबाद शहर के थाना प्रभारी उपस्थित थे।

गरीबी उन्मूलन में तेलंगाना को अग्रणी बनाएं : सीतक्का

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (बीआरएसी), गरीबी उन्मूलन के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार की पहलों का समर्थन करने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य सबसे गरीब परिवारों की पहचान करना और उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। सोमवार को बीआरएसी की एक टीम ने सचिवालय में सीतक्का से मुलाकात की।

अतिक्रमण के आरोप में दो रियल गिरफ्तार

आदिलाबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद पुलिस ने रविवार शाम को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कुर्क की गई और भारतीय स्टेट बैंक को गिरवी रखी गई जमीन पर कथित अतिक्रमण और जनता को धमकाने के आरोप में दो रियल एस्टेट एजेंटों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा आठ अन्य के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया।

डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के रमेश शर्मा और भुक्तपुर के इब्राहिम मोहम्मद उर्फ़ मामला को मनोज कुमार अग्रवाल की 2.10 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। ईडी ने यह ज़मीन एक वित्तीय अपराध के सिलसिले में ज़ब्त की थी। दोनों ने कथित रूप से रियल एस्टेट एजेंटों के एक गिरोह की मदद से यह काम किया। रमेश शर्मा, इब्राहिम मोहम्मद, यतेंद्रनाथ, हितेंद्रनाथ, राकेश शर्मा, मनोज कुमार अग्रवाल, पूनम व्यास, अनुमान व्यास, शिवाजी और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ फर्जी मालिकाना दस्तावेजों के आधार पर जमीन पर कब्जा करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मनोज कुमार ने कथित रूप से इब्राहिम और अन्य लोगों की मदद से पूनम व्यास को संपत्ति बेचने की बात स्वीकार की है।

वाहन व मोबाइल चोरी के आरोप में सात गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम ने दोपहिया और मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक किशोर समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हैदराबाद, राचकोंडा और साइबराबाद कमिश्नरेट में 6 मामलों का पता लगाया। आरोपियों की निशानदेही पर एक दोपहिया, एक यात्री ऑटो और दस मोबाइल फ़ोन बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद साजिद उर्फ एमडी साजिद निवासी हसन नगर, राजेंद्र नगर, हैदराबाद, शेख अब्दुल वसीम उर्फ वसीम, निवासी हकीमपेट कॉलोनी, टोलीचौकी, हैदराबाद, असलम बिन बरवास उर्फ आशु, निवासी जीएम चौनी, चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद, मोहम्मद शहजाद , निवासी बंडलागुडा, चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद, मोहम्मद मुकीद उर्फ मुकीत, निवासी याकूतपुरा, हैदराबाद, सोहेल मोहिउद्दीन उर्फ सोहेल, निवासी मदन्नापेट, हैदराबाद समेत एक नाबालिग शामिल है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, आयुक्त कार्य बल, हैदराबाद शहर आंदे श्रीनिवास राव ने बताया कि आरोपी आदतन संपत्ति अपराधी हैं और उनका पूर्व में भी अपराध का इतिहास रहा है।

वे विलासितापूर्ण जीवन जीने के आदी हैं, लेकिन उनकी कमाई पर्याप्त नहीं है। इसलिए, उन्होंने पीड़ितों का ध्यान भटकाकर दोपहिया वाहन और मोबाइल फोन चोरी करने की योजना बनाई। विभिन्न इलाकों में मोबाइल फोन व दोपहिया वाहन चोरी की वारदातें कीं। विश्वसनीय सूचना मिलने पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बीआरएस ने कांग्रेस पर जुबली हिल्स उपचुनाव में हेराफेरी का लगाया आरोप

पिछड़े वर्ग और मुसलमानों के साथ धोखाधड़ी के दोषी हैं रेवंत रेड्डी : केटीआर

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी झूठे वादों से मुसलमानों और पिछड़े वर्गों को धोखा दे रहे हैं और जुबली हिल्स उपचुनाव में हज़ारों फर्जी मतदाताओं का नामांकन कर हेराफेरी करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी नाकामियों के लिए विपक्षी दलों और अदालतों को दोष दे रही है।

रहमत नगर में बीआरएस कार्यकर्ताओं की सभा में रामाराव ने कहा कि कांग्रेस ने 42 प्रतिशत पिछड़े वर्ग आरक्षण देने का वादा किया, लेकिन यह अदालत में टिक नहीं पाया। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर विकास के नाम पर मुसलमानों के घर गिराने और उन्हें खोखले वादों से धोखा देने का भी आरोप लगाया। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को एमएलसी पद का वादा कर कांग्रेस द्वारा दरकिनार करने का उदाहरण भी उन्होंने दिया।

रामाराव ने दावा किया कि जुबली हिल्स में एक ही पते पर 43 फर्जी वोट दर्ज किए गए हैं और पूरे क्षेत्र में हजारों और वोट दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बीआरएस कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने और हर असली मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बतुकम्मा साड़ियां, रमजान उपहार और महालक्ष्मी योजना जैसी कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दीं, जिससे महिलाएं, किसान और युवा निराश हैं। रामाराव ने जुबली हिल्स उपचुनाव को 'कार और बुलडोजर की लड़ाई' करार देते हुए मतदाताओं से कांग्रेस को सबक सिखाने की अपील की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर मतदाताओं को लामबंद करने और कांग्रेस की अधूरी योजनाओं को उजागर करने का निर्देश भी दिया। रामाराव ने कहा, यह चुनाव तेलंगाना में छल और अहंकार के खिलाफ लड़ाई की शुरूआत है।

जुबली हिल्स उपचुनाव में तेलंगाना की अखंडता और विकास पर सवाल

टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार और बुलडोजर राजनीति का आरोप लगाया

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव ने कहा कि आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव सिर्फ़ एक सीट के लिए नहीं, बल्कि तेलंगाना की अखंडता, कल्याण और भविष्य की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि केवल दो सालों में उन्होंने राज्य को भ्रष्टाचार और छल-कपट का केंद्र बना दिया है। सोमवार को जुबली हिल्स के रहमतनगर में बीआरएस की सभा को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना, जो कभी पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में विकास का आदर्श मॉडल था, अब कांग्रेस शासन में अराजकता का शिकार हो गया है। उन्होंने दावा किया कि रेवंत रेड्डी ने सरकार बनने के बाद कई गारंटियां पूरी नहीं कीं और गरीबों के घरों को हाइड्रा के नाम पर तोड़ा जा रहा है।

हरीश राव ने कांग्रेस पर वित्तीय लेन-देन में कमीशन और भवन निर्माण की अनुमति के लिए अतिरिक्त रिश्वत लेने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अगर केसीआर ने तेलंगाना को आदर्श राज्य बनाया, तो रेवंत रेड्डी ने इसे भ्रष्ट राज्य बना दिया है।

नेचर वेलफेयर कॉउन्सिल का सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजीगुड़ा राजभवन रोड़ स्थित पर्यायवरण, वन एवं जलवायु संवर्धन परिषद हैदराबाद द्वारा सोमवार 13 अक्टूबर मध्यान् 12.30 बजे नेचर वेलफेयर कॉउन्सिल ऑफिस का विधिवत उद्घाटनकर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में वाईस चेयरमैन श्रीनिवास झाले ने बताया कि नेचर वेलफेयर कॉउन्सिल के ऑफिस का मुख्य अतिथि व सम्मानित अतिथियों के करकमलों द्वारा शुभारम्भ व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नेशनल चेयरमैन राहुल द्विवेदी, तेलंगाना चेयरमैन जामताराम चौधरी, वाईस चेयरमैन अनिल जैन का पधारे प्रवासी बन्धुओं की विभिन्न संस्थाओं व काउंसिल के पदाधिकारियों ने राजस्थानी परम्परा साफा, गुलदस्ता व शॉल से विशेष सम्मान किया।

अवसर पर केंद्रीय योजनाओं को लेकर चेयरमैन जमताराम के नेतृत्व मे प्रदेश कार्यकर्ताओं की विशेष मीटिंग आयोजिकर नए सदस्यों को नियुक्त किया गया। बतौर मुख्य अतिथि नेशनल चेयरमैन राहुल द्विवेदी ने पधारे सभी प्रवासी बन्धुओं का स्वागत के लिए तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि तेलंगाना मे नेचर वेलफेयर काउंसिल कार्यालय का उद्घाटनकर सभी के सहयोग से हरित कार्यक्रम के तहत विशेष वृक्षारोपन का कार्यक्रम हर घर एक पौधा लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मूसी नदी के किनारो पर बड़े पैमाने पर पेड़ लगाकर साफ-सफाई एवं केंद्रीय योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाकर सभी को लाभांवित किया जाएगा। पधारे सभी प्रवासी बन्धुओं के लिए भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन मे वाईस चेयरमैन श्रीनिवास झाले, सोहनसिंह राजपुरोहित, कैलाश शर्मा, हनुमान कुमावत, शंकरलाल चौधरी, अशोककुमार चौधरी, जवाराम, प्रभाताराम, खेदाराम, नवाराम, ठाकराराम, जगताराम, कांतीलाल, मेघाराम, भैराराम, प्रकाश कुमावत, रेखाराम, बजाराम, चेलाराम, रमेश कुमार, गोदाराम, वचनाराम, श्रीनिवास राव, जितेन्द्र कुमार, मनोज भाई, श्रवण कुमार, धनाराम, लोकेश भाई, पत्रकार परबत सोलंकी व बहुत से प्रवासी समाज बन्धु कार्यक्रम मे उपस्थित रहे।

चेयरमैन जामताराम चौधरी ने पधारे सभी प्रवासी बन्धुओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि काउंसिल के पदाधिकारियों की अगली मीटिंग अतिशीघ्र नेचर वेलफेयर काउंसिल के ऑफिस में आयोजित की जाएगी। सभी से निवेदन किया है कि हरित क्रांति के इस मिशन मे एक पौधा माँ के नाम हर घर मे लगाकर सहयोग करे। वाईस चेयरमैन अनिलकुमार जैन के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

डीएफजीसी ने वरनाम चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर को पुनः शुरू किया

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित डिविस फाउंडेशन फॉर गिफ्टेड चिल्ड्रन (डीएफजीसी) ने सोमवार को अपने वरनाम चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर (वीसीडीसी) को पुनः लॉन्च किया। इस केंद्र में विकासात्मक देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वरनाम बाल विकास केंद्र, जो पहले फर्नांडीज फाउंडेशन के अधीन था, अब डीएफजीसी के नेतृत्व में प्रशिक्षण, जागरूकता और अनुसंधान के क्षेत्र में विस्तार करते हुए बहु-विषयक विकासात्मक देखभाल प्रदान करेगा। डीएफजीसी का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से समावेशी प्रारंभिक बाल विकास को और सशक्त बनाना है।

डीएफजीसी के अनुसार, बाल विकास केंद्र एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करेगा, जहां प्रारंभिक हस्तक्षेप, वकालत, प्रशिक्षण और अनुसंधान स्पष्टता और करुणा के साथ एक साथ आएं, ताकि हर बच्चा अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ विकसित हो सके। उद्घाटन और वीसीडीसी के पुनः लॉन्च के अवसर पर डिविस लैबोरेटरीज लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. मुरली डिवी, डीएफजीसी की

सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए : संजय श्रीवास्तव

महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को पूरे क्षेत्र में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ सभी छह मंडलों, अर्थात सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक ने एक केंद्रित सुरक्षा समीक्षा बैठक का नेतृत्व किया जिसमें यात्रियों और ट्रेन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पटरियों से रिसाव सामग्री को हटाने के महत्व पर बल दिया गया।

उन्होंने स्टेशनों पर हिंगेड स्कॉच ब्लॉकों के परीक्षण कार्यान्वयन की समीक्षा की और बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन (टीआरडी) कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर बल दिया। महाप्रबंधक ने समपार फाटकों पर खुले सड़क यातायात की सतर्क निगरानी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला और गेटमैनों एवं मानवशक्ति की इष्टतम तैनाती एवं उपयोग का आह्वान किया। श्रीवास्तव ने उपद्रवियों द्वारा सिग्नल केबल कटने की घटनाओं को दूर करने में अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की और मवेशियों के कुचलने की घटनाओं से शीघ्र निपटने का आग्रह किया।

उन्होंने निगरानी बढ़ाने के लिए माल शेडों और निजी साइडिंगों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए और निर्बाध रेल संचालन के लिए फॉग सेफ डिवाइस और जीपीएस ट्रैकर्स की परिचालन तत्परता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए इंजनों, रोलिंग स्टॉक, बिजली प्रणालियों आदि पर सटीक डेटा बनाए रखने के महत्व पर भी बल दिया। बैठक का समापन करते हुए, महाप्रबंधक ने क्षेत्र-स्तरीय गहन पर्यवेक्षण और सुरक्षा संबंधी मुद्दों एवं दुर्घटना संबंधी पूछताछ के समय पर समाधान का आह्वान किया।

उन्होंने पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के माध्यम से सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण और संवेदीकरण की वकालत की। श्रीवास्तव ने दोहराया कि सुरक्षा एक सतत जिम्मेदारी है और इसे पूरे क्षेत्र में दैनिक कार्यों में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे एक सक्रिय और जवाबदेह सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा मिले।

हिंदी चेतना मास- पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप- भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत हिंदी में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि ने भाग लिया। उक्त चेतना मास के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्थान में सोमवार को हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिंदी कक्ष ने राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित विविध कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक ने श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी को वार्षिक नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

बीआरएस एमएलसी ने कांग्रेस सरकार पर वित्तीय कर्ज बढ़ाने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण कुमार ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना को अत्यधिक कर्ज में डालकर राज्य के भविष्य को जोखिम में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य का निर्माण नहीं कर रही, बल्कि इसे टुकड़ों में बेच रही है। यह टिप्पणी इस महीने की शुरूआत में कांग्रेस सरकार द्वारा अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में खुले बाजार से 9,000 करोड़ रुपये उधार लेने की योजना का खुलासा होने के बाद आई है। आरबीआई के बाजार उधारी कैलेंडर के अनुसार, राज्य अक्टूबर और नवंबर में 2,000-2,000 करोड़ रुपये और दिसंबर में 5,000 करोड़ रुपये उधार लेगा।

डिप्टी कलेक्टर श्राव्या ने पदभार संभाला

वनपर्थी, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप वन परीक्षा में श्रेष्ठ रैंक हासिल करने वाली श्राव्या ने वनपर्थी में डिप्टी कलेक्टर के रूप में कार्यभार संभाला है। उन्होंने कहा कि रात भर नींद और भोजन त्याग कर घंटों पढ़ाई करने के बजाय, यदि कोई मन लगाकर, लगन से और हर चीज को समझते हुए पढ़ता है, तो वह किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकता है।

एक गरीब परिवार से आने के बावजूद, उच्च शिक्षा प्राप्त करने की उनकी इच्छा को उनके माता-पिता और भाई ने प्रोत्साहित किया, जिसके सहयोग से आज वह डिप्टी कलेक्टर के रूप में अपनी ड्यूटी कर रही हैं, जो उनके व परिवार के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने पहले दो बार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लिया था, लेकिन उन्हें अपेक्षित रैंक नहीं मिली। तीसरी परीक्षा में उन्होंने आसानी से रैंक प्राप्त कर यह पद हासिल किया।

जान के लिए खतरा बनने वाले 8 लाख के पटाखे जब्त

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त कार्य बल, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने मलकपेट पुलिस के साथ मिलकर, मलकपेट पुलिस थाने के शालिवाहन नगर, हैदराबाद स्थित सहस्र फुटवियर नामक एक फुटवियर की दुकान पर छापा मारा और उपरोक्त परिसर में अवैध रूप से विस्फोटक पटाखों का भंडारण कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और विभिन्न ब्रांड के लगभग आठ लाख रुपये के पटाखे जब्त किए। पुलिस ने इस मामले में राम गुप्ता पुत्र स्वर्गीय नरसिंह राव, निवासी शालिवाहन नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी, राम गुप्ता, संबंधित अधिकारियों से कोई वैध लाइसेंस लिए बिना परिसर में अवैध रूप से विस्फोटक पटाखों का भंडारण कर रहा था और यह जानते हुए भी कि आवासीय क्षेत्र में पटाखों का भंडारण करने से, बिना किसी एहतियाती उपाय के, किसी भी अप्रिय घटना के घटित होने पर निवासियों के जीवन और संपत्ति को गंभीर नुकसान हो सकता है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम, हैदराबाद ने मलकपेट पुलिस के साथ मिलकर पटाखा गोदाम पर छापा मारा और आरोपी को पकड़ लिया। यह छापेमारी दक्षिण-पूर्व जोन टास्क फोर्स के पुलिस निरीक्षक एस. सैदाबाबू की देखरेख में उपनिरीक्षक एम. मधु, के. रामाराव, पीसी नईम खान और दक्षिण-पूर्व जोन टास्क फोर्स की टीम ने अफजलगंज पुलिस के साथ मिलकर की।

कांग्रेस में पूर्व विधायक के संभावित पुनः प्रवेश का जेडचेरला विधायक ने किया विरोध

महबूबनगर, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जेडचेरला से कांग्रेस विधायक जे अनिरुद्ध रेड्डी ने पूर्व विधायक एर्रा शेखर के कांग्रेस में संभावित पुनः प्रवेश का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने शेखर के विवादास्पद अतीत का हवाला देते हुए कहा कि अगर ऐसे व्यक्ति को पार्टी में शामिल किया गया, तो यह न केवल अनुशासन के खिलाफ होगा बल्कि उनकी सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकता है।

अनिरुद्ध रेड्डी ने मीडियाकर्मियों से कहा कि टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट रूप से कहा था कि जो लोग चुनाव से पहले पार्टी छोड़ चुके हैं, उन्हें वापस नहीं लिया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.जीटीएल-इएम-51-2025-26, दि.13-10-205 PUB/1284/25

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता /रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना सं.जीटीएल-इएम-51-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः एडीइइ/एम/टीपीटीवाय सब-डिवीजन में स्टाफ कालोनियों के लिए प्रस्तावित बिजली मरम्मत कार्य। अनुमानित मूल्य रू.99,06,401.60, बंद करने की तिथि व समयः 03-11-2025 के 15.00 बजे।

टेंडर बिड्डींग या निविदा बोली एवं अन्य विवरण हेतु http//www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकारों द्वारा निविदा दस्तावेज को वेबसाइटः http//www.ireps.gov.in से निःशुल्क रुप में डाउनलोड किया जा सकेगा। टिप्पणीः इस निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

निविदा सूचना सं.जीटीएल-इएम-53-2025-26, दि.13-10-205 PUB/1285/25

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता /रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना सं.जीटीएल-इएम-53-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः 28 नंबर के ट्रैक मशीन साइडिंग्स पर लाइटिंग फैसिलीटी या लाइटिंग सुविधा तथा तीन फेज पावर सप्लाई का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रू.6,51,18,684.68, बंद करने की तिथि व समयः 03-11-2025 के 15.00 बजे।

टेंडर बिड्डींग या निविदा बोली एवं अन्य विवरण हेतु http//www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकारों द्वारा निविदा दस्तावेज को वेबसाइटः http//www.ireps.gov.in से निःशुल्क रुप में डाउनलोड किया जा सकेगा। टिप्पणीः इस निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

ई-निविदा सूचना संख्याः जीएसयु-जीटीएल-टीसीएनआर-टीआऱआयपी-06-2025,दि.09-10-2025 PUB/1286/25

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं। बंद करने की तिथि व समयः 31-10-2025 के 11.00 बजे

क्रम संख्याः 1, निविदा सं.- जीएसयु-जीटीएल-टीसीएनआर-टीआऱआयपी-06-2025, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज का निरीक्षण या इंसपेक्शन एवं ऱखऱखाव हेतु गुंटकल डिवीजन के तिर्चानुर (टीसीएनआर) में नई ट्रीप शेड का निर्माण कार्य। विज्ञापित मूल्य रू.9,18,08,665.66, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.6,09,100.00

बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरण हेतु http//www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुंटकल

ई-निविदा सूचना संख्याः जीएसयु-जीटीएल-सीआरएस-एलएचबी-07-2025,दि.09-10-2025 PUB/1287/25

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं। बंद करने की तिथि व समयः 31-10-2025 के 11.00 बजे

क्रम संख्याः 1, निविदा सं.- जीएसयु-जीटीएल-सीआरएस-एलएचबी-07-2025, कार्य विवरणः सीआरएस /तिरुपति -स्टोर्स डिपो पर नई एलएचबी गोडाउन का निर्माण कार्य। विज्ञापित मूल्य रू.8,22,45,997.71, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.5,61,200.00

बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरण हेतु http//www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुंटकल

ई-निविदा सूचना संख्याः जीएनटी/एसजी/36/354, दि.10-10-2025 PUB/1288/25

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.03-11-2025 के 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आयडी नं.-354, कार्य विवरणः 1) गुंटूर डिवीजन के 97 स्थानों पर आटो फ्यूज चेंज ओवर सिस्टम का प्रावधान। 2) गुंटूर डिवीजन के 20 स्थानों पर आटो फ्यूज चेंज ओवर सिस्टम तथा डिजीटल डिस्प्ले सहित एर्थ लीकेज डिटेक्टर का प्रावधान। 3) गुंटूर डिवीजन में तुरंत मरम्मत तथा रखरखाव हेतु फाल्ट मेनेजमेंट एवम् रिमोट डायग्रोस्टिक इनफ्रास्ट्रक्चर का प्रावधान। विज्ञापित निविदा मूल्य रू.4,23,06,421.70, पूर्व धरोहर राशि/बोली-सुरक्षा रु.3,61,500.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

यदि निविदाओं के खोलने की तिथि को अवकाश घोषित रहता है तो निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस में तत्संबंधित नियत तिथि पर खोला जायेगा।

ई-बिड्स या ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 03-11-2025 के 12.00 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागआन करें।

अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से ही सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/गुंटूर

A1621

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरण जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

भारत दिल्ली टेस्ट जीतने से 58 रन दूर

दूसरी पारी में स्कोर 63/1, राहुल-सुदर्शन नाबाद लौटे; वेस्टइंडीज ने 121 रन का टारगेट दिया

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय गेंदबाज़ी आक्रमण को उपमहाद्वीप की ठंडी पिच पर कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ा, लेकिन वे विजयी रहे और सोमवार को दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन मेजबान टीम वेस्टइंडीज़ पर 2-0 से क्लीन स्वीप करने की दहलीज़ पर खड़ी है. 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप्स तक 1 विकेट पर 63 रन बनाने के बाद, भारतीय टीम को मैच जीतने के लिए आखिरी दिन 58 रनों की और ज़रूरत थी.

जसप्रीत बुमराह (17.5 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट), कुलदीप यादव (29 ओवर में 104 रन देकर 3 विकेट), रवींद्र जडेजा (33 ओवर में 102 रन देकर 1 विकेट), मोहम्मद सिराज (15 ओवर में 43 रन देकर 2 विकेट) और वाशिंगटन सुंदर (23 ओवर में 80 रन देकर 1 विकेट) ने दूसरी पारी में 118.5 ओवर से ज़्यादा समय तक कड़ी मेहनत की. उन्होंने अंततः वेस्टइंडीज़ को 390 रनों पर समेट दिया, जिससे घरेलू टीम को चौथे दिन बचे 18 ओवरों में 121 रनों का लक्ष्य मिला.

केएल राहुल (25 रन पर बल्लेबाजी) और साई सुदर्शन (30 रन पर बल्लेबाजी) सहज दिखे, लेकिन यशस्वी जायसवाल (8) के डीप में आउट होने के बाद उन्होंने ज़्यादा जोखिम नहीं उठाया. यह सिराज द्वारा दूसरी नई गेंद से निर्णायक प्रहार के बाद हुआ, जिसके बाद कुलदीप यादव ने निचले मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया और भारतीय गेंदबाजों ने चौथे दिन लंच के बाद के सत्र में अपनी लय पकड़ ली.

जॉन कैंपबेल (199 गेंदों पर 115 रन) और शाई होप (214 गेंदों पर 103 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन जोड़कर कैरेबियाई टीम की जुझारूपन का परिचय दिया, लेकिन लंच के बाद दूसरी नई गेंद के आने पर भारतीय गेंदबाज़ों का धैर्य जवाब दे गया, लेकिन जेडन सील्स (32) और जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद 50) ने अंतिम विकेट के लिए 79 रन जोड़कर मैच को पांचवें दिन तक पहुंचाया. वेस्टइंडीज़ के लिए इस मैच में एकमात्र सांत्वना दो शतक रहे, जिनकी बदौलत भारत को दूसरी बार बल्लेबाज़ी करनी पड़ी.

यह एक ईमानदार गेंदबाज़ी थी क्योंकि कुलदीप, जसप्रीत बुमराह, सिराज और जडेजा, सभी ने समय पर आउट होकर अपनी भूमिका निभाई. भारतीय गेंदबाज़ी इकाई इस बात से आश्वस्त हो सकती है कि उन्हें दो पारियों में ऐसी परिस्थितियों में लंबे समय तक गेंदबाज़ी करनी पड़ी जो न तो स्पिन के लिए और न ही तेज़ गेंदबाज़ों के लिए अनुकूल थीं.

वैभव सूर्यवंशी बिहार रणजी टीम के उपकप्तान

शुरुआती दो राउंड के लिए टीम का ऐलान, सकीबुल गनी कप्तानी करें

पटना, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार ने बुधवार से शुरू हो रहे आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के पहले दो मैचों के लिए प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान नियुक्त किया है, जबकि सकीबुल गनी टीम के कप्तान होंगे।

बिहार 15 अक्तूबर से मोइन-उल-हक स्टेडियम में प्लेट लीग सत्र के अपने पहले मैच में अरुणाचल प्रदेश से भिड़ेगा। टीम की घोषणा बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने की। पिछले रणजी सत्र में एक भी जीत दर्ज न कर पाने के कारण बिहार प्लेट लीग में खिसक गया था।

सूर्यवंशी ने 2023-24 सत्र में 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। बाद में वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अनुबंध हासिल करने वाले सबसे कम उम्र (13) के खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने भारत की अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी किया।

सूर्यवंशी को आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में चुना था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक लगाकर पुरुष क्रिकेट में टी 20 में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र (14) का विश्व रिकॉर्ड बनाया। यह आईपीएल का दूसरा सबसे तेज शतक भी था।

सूर्यवंशी के बिहार के लिए पूरा सत्र खेलने की संभावना नहीं है, क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनने की दौड़ में होंगे।

रणजी ट्रॉफी के लिए बिहार की टीमः सकीबुल गनी (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), पीयूष कुमार सिंह, भाष्कर दुबे, अर्नव किशोर, आयुष लोहारूका, बिपिन सौरभ, अमोद यादव, नवाज खान, साकिब हुसैन, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सचिन कुमार सिंह, हिमांशु सिंह, खालिद आलम, सचिन कुमार।

ऑस्ट्रेलिया की रिकॉर्ड जीत से हिली पॉइंट्स टेबल

क्या है टीम इंडिया का हाल?

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक और वर्ल्ड कप और ऑस्ट्रेलिया के हाथों टीम इंडिया की एक और हार. महिला वर्ल्ड कप 2017 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैरतअंगेज जीत दर्ज करने के बाद से ही टीम इंडिया को सफलता नहीं मिल पाई. इस बार अपनी ही जमीन पर टीम इंडिया के पास ये मौका था. ICC महिला वर्ल्ड कप 2025 में विशाखापट्टनम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम इसके करीब आती हुई भी दिखी लेकिन एक बार फिर वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने साबित कर दिया कि ये खिताब फिलहाल उनसे छीनना मुश्किल है. ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट के 13वें मैच में टीम इंडिया को 3 विकेट से हरा दिया. इस रिजल्ट का पॉइंट्स टेबल पर भी असर पड़ा लेकिन टीम इंडिया को पोजिशन में फिलहाल कोई नुकसान नहीं हुआ.

खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बैटिंग की और 330 रन बनाए. टीम इंडिया के लिए स्मृति मंधाना ने 80 और प्रतिका रावल ने 75 रन बनाए. इस ओपनिंग जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 25 ओवर के अंदर 155 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की बुनियाद रखी. फिर भी भारतीय टीम पूरे 50 ओवर नहीं खेल पाई और 48.5 ओवर में ऑल आउट हो गई. ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड ने 5 विकेट लिए. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने एलिसा हीली के 142 रन के तूफानी शतक के दम पर 49 ओवर में 7 विकेट खोकर ये मैच जीत लिया.

ऑस्ट्रेलिया नंबर-1, कहां है टीम इंडिया?

ऑस्ट्रेलिया की इस वर्ल्ड कप में ये तीसरी जीत थी. इस तरह उसके 4 मैच के बाद 7 पॉइंट्स हो गए हैं. ऑस्ट्रेलिया ने 4 में से 3 मैच जीते, जबकि श्रीलंका के खिलाफ उसका मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था और इसके चलते अंक बांटने पड़े थे. मगर भारत पर मिली जीत के साथ उसने पॉइंट्स टेबल में एक बार फिर पहला स्थान हासिल कर लिया. मौजूदा चैंपियन ने इंग्लैंड (6) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया. इंग्लैंड ने हालांकि अभी तक 3 ही मैच खेले हैं और तीनों जीते हैं.

वहीं टीम इंडिया की लगातार दूसरी हार थी. इससे पहले उसे साउथ अफ्रीका के खिलाफ भी शिकस्त मिली थी. मगर पिछले मैच की हार की तरह इस बार की हार का भी पॉइंट्स टेबल में उसकी पोजिशन पर कोई असर नहीं पड़ा और 4 मैच से 4 पॉइंट्स के साथ वो अभी भी तीसरे स्थान पर है. हालांकि, उसका नेट रनरेट काफी गिरा है लेकिन चौथे स्थान पर मौजूद साउथ अफ्रीका की तुलना में ये अभी भी काफी अच्छा है. मगर सोमवार 13 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका का मैच बांग्लादेश से है और यहां जीत के साथ वो भारत से आगे निकल सकती है.

पाकिस्तान सबसे नीचे बरकरार

बाकी टीम की बात करें तो टॉप-4 के अलावा बाकी चार टीम के 2 से ज्यादा पॉइंट्स नहीं हैं. पांचवें स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के 3 मैच से 2 पॉइंट्स हैं. वहीं बांग्लादेश के भी इतने मैच से इतने ही पॉइंट्स हैं लेकिन नेट रनरेट के फर्क के कारण वो छठे स्थान पर है. श्रीलंका के 3 मैच से सिर्फ एक पॉइंट है, जो उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच रद्द होने के चलते मिला था. टीम ने 3 में से 2 मैच गंवाए हैं और सातवें स्थान पर है. वहीं पाकिस्तान एकमात्र ऐसी टीम है, जिसका खाता अभी तक नहीं खुला है. फातिमा सना की टीम ने सभी 3 मैच गंवाए हैं और 0 पॉइंट के साथ 8 टीम में सबसे आखिरी स्थान पर है.

एशियाई टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप

हांगकांग ने भारत को 0-3 से हराया

भुवनेश्वर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की पुरुष टेबल टेनिस टीम को 28वीं आई टी टी ए फ - ए टी टी यू एशियाई टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हांगकांग से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर होने के बावजूद भारत पर छठे स्थान पर काबिज हांगकांग ने आसान जीत हासिल की। पिछले तीन चरण में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ा। अब पांचवें स्थान के लिए क्लासिफिकेशन दौर में भारत का सामना कोरिया से होगा।

विश्व रैंकिंग में 48वें स्थान पर काबिज वोंग चुन टिंग ने भारत के मानुष शाह को 11-5, 11-9, 13-11 से हराकर शानदार शुरुआत की। दूसरे मैच में भारत के सबसे अनुभवी खिलाड़ी मानव ठक्कर (विश्व नंबर 39) चैन बाल्डविन के खिलाफ दो गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की लेकिन निर्णायक गेम में लड़खड़ा गए, जिससे हांगकांग को 2-0 की बढ़त मिल गई। युवा अंकुर भट्टाचार्य ने लैम सिउ हैंग के खिलाफ तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत दिलाकर दो गेम जीते। लेकिन लैम के अनुभव के दम पर हांगकांग ने क्लीन स्वीप किया। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में जापान ने दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया।

'मैं 2026 वर्ल्ड कप खेलूंगा', टीम इंडिया में अब तक डेब्यू नहीं

फिर भी प्रीति जिंटा के चहेते ने ठोका बड़ा दावा

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2026 का टी20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होने वाला है. फरवरी-मार्च में ये प्रतियोगिता होगी और टीम इंडिया इसे जीतने के लिए फेवरेट नजर आ रही है. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में हाल ही में भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 की ट्रॉफी अपने नाम की. इस समय भारत में कई सारे टी20 स्पेशलिस्ट हैं, जो टीम में जगह नहीं बना पा रहे हैं. इसी बीच पंजाब किंग्स के खिलाड़ी और प्रीति जिंटा के चहेते शशांक सिंह ने बड़ा दावा ठोक दिया है. उन्हें लगता है कि वो ये टूर्नामेंट खेलेंगे.

'मैं 2026 वर्ल्ड कप खेलूंगा...

शशांक सिंह ने हाल ही में ईएसपीएन क्रिकइन्फो से बात की. इसी बीच उन्होंने सूर्यकुमार यादव और प्रवीण तांबे का उदाहरण दिया. उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है. उन्होंने हुंकार भरते हुए कह दिया कि वो न सिर्फ 2026 का वर्ल्ड कप खेलेंगे, बल्कि टीम को मैचों में जीत भी दिलाएंगे. उन्होंने कहा, 'मैं एक भविष्यवाणी करूंगा. भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में मैं खेलूंगा और टीम को मैच भी जीताकर दूंगा. मुझे नहीं पता कि ये कैसे होगा लेकिन मुझे भरोसा है कि ऐसा होगा.'

शशांक ने आगे कहा, 'सूर्यकुमार यादव ने अपनी पहली पारी में जोफ्रा आर्चर को छक्का जड़ा था और अब वो भारतीय टीम के कप्तान हैं. इसके अलावा प्रवीण तांबे हैं. उन्होंने भारत के लिए नहीं खेला लेकिन 41 साल की उम्र में अपना आईपीएल डेब्यू किया. क्या आप ये सोच सकते हैं?"

क्या शशांक को मिल पाएगा मौका?

अभी टीम इंडिया में काफी कंपटीशन है और शशांक के लिए जगह बनाना आसान नहीं होगा. हालांकि, उनका आईपीएल में रिकॉर्ड काफी अच्छा है. उन्होंने अब तक पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में खेला है. वो कुल 41 मैचों का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने 33 पारियों में 773 रन बनाए हैं.

14 बार वो नॉट आउट रहे हैं और उन्होंने 40.68 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है. शशांक ने आईपीएल में 5 अर्धशतक भी जड़े हैं. घरेलू सीजन में अगर वो धमाकेदार प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी किस्मत खुल सकती है.

400 मीटर दौड़ में गोल्ड जीत अलीगढ़ की नीरू ने बनाया रिकॉर्ड, ओलंपिक में पदक जीतना है सपना

अलीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ में इगलास क्षेत्र के गांव गदाखेड़ा की बेटी अंतरराष्ट्रीय एथलीट नीरु पाठक ने एक बार फिर अलीगढ़ जिले का नाम राष्ट्रीय पटल पर स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा दिया है। भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित 40वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरू ने अंडर-20 महिला वर्ग की 400 मीटर दौड़ में 53.38 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। साथ ही नया राष्ट्रीय मीट रिकॉर्ड भी बना डाला।

जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव विवेक कुमार ने बताया कि नीरु पाठक ने 2017 में जिन्सना मैथ्यू द्वारा बनाए गए 53.52 सेकंड के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड हिमा दास के नाम है, जिन्होंने 2018 में 50.79 सेकंड का समय दर्ज किया था। नीरु पाठक के नाम पहले से ही अंडर-18 बालिका वर्ग में भी 400 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है, जो 52.85 सेकंड का है।

लगातार रिकॉर्ड दर रिकॉर्ड तोड़कर नीरु पाठक ने साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से कुछ भी असंभव नहीं। 400 मीटर में नया मीट रिकॉर्ड बनाने पर उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन की सचिव नरेंद्र कुमार ने नीरू पाठक और उनके कोच विशाल सक्सेना को हार्दिक बधाई दी।

ओलंपिक में पदक जीतना है सपना : नीरू

नीरु पाठक कहतीं हैं कि उनका सपना ओलंपिक में पदक जीना है। उनके पिता किसान राजवीर पाठक बताते हैं कि नीरू बचपन में स्कूल दौड़कर जाती थी, तब लगता था कि बच्चे की चंचलता है, लेकिन आज वही नाम रोशन कर रही है। नीरू ने खेल की शुरुआत स्कूल की प्रतियोगिताओं से की थी। कोच विशाल सक्सेना ने प्रतिभा को पहचाना और उन्हें प्रशिक्षण देना शुरू किया। सुबह 4 बजे उठकर अभ्यास करना, फिर पढ़ाई और शाम को दोबारा ट्रैक पर उतरना, यही उनकी दिनचर्या बन गई। अब तक नीरु पाठक कई प्रादेशिक और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण जीत चुकी हैं।

पाकिस्तान की किरकिरी! नदीम को ओलंपिक स्वर्ण जीतने में मदद करने वाले कोच पर लगाया आजीवन प्रतिबंध

कराची, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम के कोच सलमान इकबाल को देश की एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ पाकिस्तान (PAAF) ने आजीवन प्रतिबंधित कर दिया है। फेडरेशन ने यह कार्रवाई पंजाब एथलेटिक्स एसोसिएशन के संविधान के उल्लंघन के आरोप में की है, जहां सलमान इकबाल अध्यक्ष के पद पर थे। बैन के बाद सलमान इकबाल अब किसी भी स्तर पर एथलेटिक्स गतिविधियों, कोचिंग या प्रशासनिक भूमिका में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। सलमान की देखरेख में ही अरशद ने 2024 में पेरिस में स्वर्ण पदक जीता था।

संविधान उल्लंघन और विवादित चुनाव की वजह से कार्रवाई

फेडरेशन के मुताबिक, यह उल्लंघन अगस्त 2025 में हुआ था जब इकबाल ने पंजाब एथलेटिक्स एसोसिएशन के चुनाव आयोजित किए, जो संगठन के नियमों के विरुद्ध थे। इस मामले की जांच के लिए सितंबर के मध्य में एक जांच समिति गठित की गई थी, जिसने 10 अक्टूबर को सलमान इकबाल पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की।

इस फैसले का एक और पहलू टोक्यो में हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप से जुड़ा माना जा रहा है, जहां अरशद नदीम का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था। इस प्रदर्शन पर पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (PSB) ने कोच सलमान इकबाल से जवाब मांगा था। साथ ही यह भी पूछा था कि अरशद के प्रशिक्षण और यात्रा पर खर्च हुए पैसों का विवरण दिया जाए।

इकबाल ने अपने जवाब में कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने बताया कि 'पिछले एक साल से पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स फेडरेशन ने अरशद नदीम से पूरी तरह किनारा कर लिया था। उसकी ट्रेनिंग, रिहैब और विदेशी कैंप का कोई खर्च फेडरेशन ने नहीं उठाया।'

खुद के खर्चे पर कराई ट्रेनिंग

सलमान इकबाल ने अपने जवाब में यह भी कहा कि उन्हें अरशद नदीम की ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन के लिए अपने दोस्तों से आर्थिक मदद लेनी पड़ी। उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में अरशद की ट्रेनिंग और काफ मसल की चोट के बाद रिकवरी कार्यक्रम के खर्च उन्हें खुद उठाने पड़े। यह बयान फेडरेशन के अधिकारियों को नागवार गुजरा और इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई।

सलमान इकबाल का यह बयान कि 'फेडरेशन ने अरशद की मदद करना बंद कर दिया है' ने पाकिस्तान एथलेटिक्स के प्रशासनिक ढांचे पर सवाल खड़े कर दिए। फेडरेशन ने उनके इस रुख को संविधान विरोधी और अनुशासनहीन आचरण बताया। आखिरकार, जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर पाकिस्तान एथलेटिक्स फेडरेशन ने आजीवन प्रतिबंध की घोषणा कर दी।

बाबर आजम के फैसले को बताया ड्रामा, मैच में की बेइज्जती, अब रमीज राजा की कमाई होगी बंद!

लाहौर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट लाहौर में खेला जा रहा है. टेस्ट मैच के पहले दिन पाकिस्तान ने 5 विकेट पर 313 रन बनाए. इसमें बाबर आजम का योगदान ज्यादा नहीं रहा. वो 48 गेंदों पर बस 23 रन ही बना सके. बाबर आजम के परफॉर्मेन्स पर सबकी निगाहें थी.

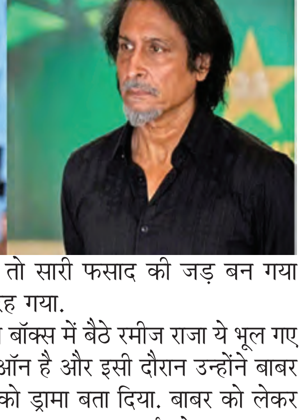

ऐसे में बल्ले से उनकी एक और नाकामी ने सबका ध्यान खींचा. मगर उनके विकेट गिरने के साथ ही कुछ ऐसा हुआ जो और बवालिया हो गया. और, जिसमें पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर रमीज राजा भी शामिल रहे.

भूल गए माइक ऑन है, हो गई बाबर की बेइज्जती

दरअसल, हुआ ये कि रमीज राजा ने बाबर आजम की सरेआम बेइज्जती कर दी. हालांकि, जब वो ऐसा कर रहे हैं, उन्हें उसका जरा भी इल्म नहीं था. अगर उन्हें पता होता तो शायद वो वैसा नहीं करते. अब सवाल ये है कि रमीज राजा ने किया क्या और उनसे गलती हुई कैसे? तो सारी फसाद की जड़ बन गया माइक, जो ऑन रह गया.

लाहौर के कमेंट्री बॉक्स में बैठे रमीज राजा ये भूल गए कि उनका माइक ऑन है और इसी दौरान उन्होंने बाबर आजम के फैसले को ड्रामा बता दिया. बाबर को लेकर उनके दिल की बात जुबा पर आ गई. ये पूरा मामला पाकिस्तान की इनिंग के 48वें ओवर से जुड़ा है. बाबर ने अभी खाता ही खोला था. वो 1 रन बनाकर खेल रहे थे, तभी उनके खिलाफ एलबीडब्ल्यू की जोरदार अपील हुई. अंपायर ने आउट दे दिया. जिसके खिलाफ बाबर ने डीआरएस लेने का फैसला किया. और, उनके इसी फैसले को रमीज राजा ने ड्रामा बताया.

मेरे सहयोगी मंत्रियों ने मेरे बारे में कोई शिकायत नहीं की : मंत्री

मंत्री ने मंदिर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के प्रभारी, वारंगल के प्रभारी मंत्री, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि सरकार श्रद्धालुओं के लिए एक समागम स्थल, सम्क्का सरलम्मा मंदिर के विकास के लिए 251 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

सोमवार को उन्होंने राज्य पंचायत राज मंत्री धनसारी अनसूया सीतक्का के साथ मुलुगु ज़िले के मेडारम स्थित सम्क्का सरलम्मा मंदिर के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ मंदिर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हालिया दौरे के दौरान 101 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 71 करोड़ रुपये के लिए निविदाएँ आमंत्रित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पूर्व में स्वीकृत 150 करोड़ रुपये के साथ, चरणबद्ध तरीके से मंदिर के स्थायी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मेडारम मेले के लिए प्राप्त धनराशि व्यर्थ नहीं जाएगी और आदिवासी व गैर-आदिवासी लोगों के देवी-देवताओं के परिसरों का विकास किया जाएगा, और इसके तहत सड़कें व अन्य निर्माण कार्य किए जाएँगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने कलेक्टर और एसपी को निर्देश दिए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि ये कार्य अगले 50 दिनों में बिना किसी बाधा के व्यवस्थित तरीके से पूरे हों। उन्होंने कहा कि वे मंदिर के विकास के लिए किसी भी सुझाव या विचार को स्वीकार करेंगे और मंत्री सीतक्का व्यक्तिगत रूप से इन कार्यों की निगरानी करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्षों में एक करोड़ से ज़्यादा लोग इस मेले में आए हैं और इस बार सरकार की विकास पहलों के चलते यह संख्या दोगुनी हो जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों द्वारा पूछे गए कई सवालों के जवाब में मंत्री पोंगुलेटी ने कहा, "सब जानते हैं कि मैं कौन हूँ, मुझे 70 करोड़ के ठेके के काम की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मेरे सहयोगी मंत्रियों ने मेरे बारे में कोई शिकायत की है। कोई संभावना नहीं है कि कोई भी किसी उच्च अधिकारी से शिकायत करेगा। मुझे भी नहीं लगता कि ऐसा होगा। हम मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विचारों के अनुसार विकास कार्य कर रहे हैं। मैं मंत्री सीतक्का और कोंडा सुरेखा के साथ इन कार्यक्रमों में शामिल होऊँगा।" सांसद बलराम नाइक और अन्य लोगों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

तेलंगाना में आत्महत्याओं में छह प्रतिशत वृद्धि

पारिवारिक विवाद और मानसिक बीमारी मुख्य कारण

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2023 के आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना में 2023 में आत्महत्याओं की संख्या 10,580 रही, जो 2022 की 9,980 आत्महत्याओं की तुलना में छह प्रतिशत अधिक है। इस वृद्धि के साथ तेलंगाना देश में आत्महत्या से मरने वाले लोगों के मामले में छठे स्थान पर है। राज्य में आत्महत्या दर प्रति लाख जनसंख्या 27.7 है, जो राष्ट्रीय औसत 12.3 से कई गुना अधिक है। आत्महत्याओं का मुख्य कारण पारिवारिक समस्याएँ हैं, जिनके चलते 4,680 लोग अपनी जान ले चुके हैं, जो कुल आत्महत्याओं का लगभग 44.2 प्रतिशत है। इसके बाद मानसिक और शारीरिक बीमारियों के कारण 1,904 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल का 18 प्रतिशत है।

मीसेवा के माध्यम से नए अनुसूचित जाति वर्गीकरण के कार्यान्वयन की घोषणा

मंत्री के कदम से 4 लाख अनुसूचित जातियों को लाभ

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने सोमवार को घोषणा की कि तेलंगाना सरकार ने मीसेवा नागरिक सेवा मंच के माध्यम से राज्य भर में नए अनुसूचित जाति (एससी) जाति समूह को सफलतापूर्वक लागू किया है। मंत्री ने कहा, "तेलंगाना अधिनियम संख्या 15, 2025 और 14 अप्रैल, 2025 के राज्य सरकार के आदेश संख्या 9, एससीडी (पीओए.ए2) विभाग के अनुरूप, हमने मीसेवा में नई अनुसूचित जाति वर्गीकरण प्रणाली का एकीकरण पूरा कर लिया है।" "यह यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है कि आरक्षण का युक्तिकरण प्रत्येक पात्र नागरिक तक कुशल और पारदर्शी तरीके से पहुँचे।" श्रीधर बाबू ने कहा कि अनुसूचित जाति विभाग के आयुक्त के परामर्श से किए गए इस सुधार से लगभग चार लाख नागरिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जो हर साल मीसेवा के माध्यम से अनुसूचित जाति समुदाय प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करते हैं। उन्होंने कहा, "तेलंगाना भर के सभी मीसेवा केंद्रों को नए उप-वर्गीकृत अनुसूचित जाति समूहों को दर्शाने के लिए अद्यतन किया गया है।"

"अब से, नागरिक नए ढांचे के तहत अपने समूह को सटीक रूप से दर्शाते हुए सामुदायिक प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकेंगे।" उन्होंने आगे कहा कि मीसेवा ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के प्रमाणपत्रों के लिए पुनः जारी करने की सुविधा भी शुरू की है, जिससे नागरिक बिना किसी नए अनुमोदन की आवश्यकता के सीधे प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से पुनः जारी प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "पुनः जारी किए गए प्रमाणपत्र में अनुमोदन अधिकारी का विवरण और पुनः जारी करने की तिथि स्पष्ट रूप से अंकित होगी।" "यह सरकारी सेवाओं को अधिक नागरिक-केंद्रित और कागज़ रहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" समावेशी डिजिटल शासन पर सरकार के फोकस पर ज़ोर देते हुए, मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य मीसेवा को प्रत्येक नागरिक के लिए एक सच्चा वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म बनाना है, जहाँ सरकारी सेवाएँ शीघ्रता, सटीकता और निष्पक्षता के साथ प्रदान की जाती हैं। ये नए उपाय तेलंगाना की समता और तकनीकी सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। नागरिक राज्य भर के सभी मीसेवा केंद्रों के माध्यम से या अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक मीसेवा वेबसाइट पर जाकर अद्यतन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

जुबली हिल्स उपचुनाव में एक पते पर 43 मतदाता दर्ज

कांग्रेस पर मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स उपचुनाव में मतदाता सूची को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यूसुफगुडा इलाके के कृष्णानगर बी ब्लॉक में एक ही पते पर 43 मतदाताओं के नाम दर्ज पाए गए हैं। यह जानकारी बूथ संख्या 246 की नवीनतम मतदाता सूची से सामने आई है।

इस पर कई लोगों ने चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। बीआरएस प्रवक्ता वाई सतीश रेड्डी ने सोशल मीडिया पर एक उदाहरण साझा करते हुए कहा कि एक ही पते पर 43 मतदाता दर्ज हैं, जिनमें कुछ मूल रूप से दूसरे विधानसभा क्षेत्रों के हैं। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस द्वारा 'वोट चोरी' का मामला है।

सूत्रों के अनुसार, मतदाता सूची में उप्पल क्षेत्र के शेख रसूल का नाम जुबली हिल्स में शेख नायब रसूल के रूप में दर्ज है, जबकि नाकरेकल के मतदाता नांगुनुरी क्रांति कुमार का नाम जुबली हिल्स में क्रांति कुमार नांगुनूरी के रूप में जोड़ा गया है। बताया जा रहा है कि जिस पते पर 43 लोगों का नाम दर्ज है, वहां असल में केवल दो ही लोग रहते हैं। यह मामला तब सामने आया जब कांग्रेस उम्मीदवार वी. नवीन यादव के इलाके में मतदाता पहचान पत्र बांटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद कई लोगों ने कांग्रेस पर चुनाव में हेराफेरी के आरोप लगाए हैं।

जुबली हिल्स उपचुनाव : नामांकन प्रक्रिया शुरू

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के लिए सोमवार को उम्मीदवारों से नामांकन प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई। दोपहर 12 बजे तक एक निर्दलीय उम्मीदवार सिलीवेरु श्रीकांत ने नामांकन के दो सेट दाखिल किए। उम्मीदवारों को दोपहर 3 बजे तक नामांकन जमा करने की अनुमति थी। इससे पहले, रिटर्निंग अधिकारी पी साईराम ने शेखपेट स्थित आरओ कार्यालय में उपचुनाव के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी की थी। नामांकन प्रक्रिया के दौरान पुलिस ने शेखपेट एमआरओ कार्यालय में सुरक्षा कड़ी कर दी थी। इसके कारण, विभिन्न उद्देश्यों से आए आगंतुकों को असुविधा का सामना करना पड़ा क्योंकि पुलिस ने मुख्य द्वार पर प्रवेश पर रोक लगा दी थी।

बीआरएस की कार अब सड़क पर नहीं, शेड में रहेगी : एन.वी. सुभाष

केटीआर की टिप्पणी का भाजपा प्रवक्ता ने दिया जबाव

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना राज्य के मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने कहा कि तेलंगाना में एक कार खराब हो गई है। लोगों ने उसे कबाड़ में भेज दिया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस की कार अब सड़क पर नहीं रहेगी। स्थायी शेड में शिफ्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आप जो सहानुभूति के आधार पर वोट मांगकर चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं, और हम जो कार्यकर्ताओं के बल पर केंद्र द्वारा किए गए विकास का बखान करके चुनाव में जा रहे हैं, दोनों में लोमड़ी और शेर जितना अंतर है। पूरा देश कमल के फूलों से खिलता है। आपकी कार इसी राज्य में खराब हो गई है।

केटीआर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सुभाष ने कहा कि केटीआर संसदीय चुनावों में जनता द्वारा दिए गए करारा झटके से बौखलाए हुए हैं। उन्होंने दोनों (कांग्रेस, बीआरएस) को सत्ता दी थी। अब भाजपा को मौका दीजिए। केटीआर अभी भी चुनाव जीतने की अपनी इच्छा की बात कर रहे हैं। लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि जनता अपना फैसला सुना चुकी है। बीआरएस की गाड़ी कबाड़खाने में भेज दी गई और कमल का फूल खिल गया। इसीलिए केटीआर की गाड़ी अब शेड से अपना आखिरी हॉर्न बजा रही है। पिछले संसदीय चुनावों में तेलंगाना की जनता ने साफ़ संदेश दिया था – बीआरएस बेकार है, गाड़ी खराब हो चुकी है। इसीलिए वह एक भी सीट नहीं जीत पाई। अब, गाड़ी हमेशा के लिए शेड में है। पिछले संसदीय चुनावों में तेलंगाना की जनता ने बीआरएस को पूरी तरह से नकार दिया था। कई जगहों पर तो ज़मानत भी नहीं बची।

एमआईएम का उम्मीदवार कांग्रेस से चुनाव लड़ रहा

भारतीय जनता पार्टी में बड़ी संख्या में नए सदस्य जुड़े

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन और विकसित भारत के उद्देश्य से किए जा रहे विकास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर, आज विभिन्न क्षेत्रों से भारतीय जनता पार्टी में बड़ी संख्या में नए सदस्य जुड़े। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने पार्टी में शामिल होने वालों का पार्टी का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। इसी क्रम में, खम्मम से डॉ. कासनी मारुति गौड़ और लंदन से एनआरआई शशि और उनकी टीम आज भाजपा में शामिल हुए।

इसी प्रकार, देवरकोंडा और नागरकुरनूल निर्वाचन क्षेत्रों के नेता भी भाजपा में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कि कई बुद्धिजीवी और शिक्षित लोग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के इच्छुक हैं। उच्च न्यायालय द्वारा पिछड़ा वर्ग आरक्षण अधिनियम 9 पर रोक लगाने के बाद, ऐसा लग रहा है कि यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँच सकता है।

न अब सबकी निगाहें जुबली हिल्स उपचुनाव पर टिकी हैं।नहम आज शाम या कल जुबली हिल्स के लिए भाजपा उम्मीदवार की घोषणा करेंगे। संसदीय बोर्ड से मंज़ूरी मिलने के बाद हम इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में, क्या जुबली हिल्स में कांग्रेस चुनाव लड़ेगी? या मजलिस लड़ेगी? या मजलिस पार्टी का उम्मीदवार कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेगा? इसमें संदेह है। क्योंकि, मौजूदा कांग्रेस उम्मीदवार पहले एमआईएम उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ चुके हैं। अब, कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर टिकट मिलने के बाद, वे सीधे एमआईएम प्रमुख के पास गए औरउनका आशीर्वाद लिया। इससे साफ़ है कि कांग्रेस से चुनाव लड़ रहा उम्मीदवार एमआईएम का ही है।

पहले, उन्होंने एमआईएम के चुनाव चिन्ह 'पतंगी' पर चुनाव लड़ा था। वे अब भी एमआईएम के उम्मीदवार हैं, लेकिन इस बार वे कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर हाथ मिलाकर चुनाव लड़ रहे हैं। यह जनता के साथ धोखा है। आज, एमआईएम पार्टी कांग्रेस के समर्थन से जीतने के इरादे से, कांग्रेस के टिकट पर एमआईएम का ही एक उम्मीदवार खड़ा कर रही है। एमआईएम और कांग्रेस के बीच का रिश्ता साफ़ दिखाई दे रहा है। पूर्व में, एमआईएम ने बीआरएस के साथ भी समझौता किया था। पूर्व में, बीआरएस ने एमआईएम के समर्थन से शहर में कुछ सीटें जीती थीं। पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार – दोनों ने शहर और जीएचएमसी की उपेक्षा की है। जुबली हिल्स में जल निकासी व्यवस्था और सड़कें अच्छी नहीं हैं। जुबली हिल्स एक ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहाँ एक भी सरकारी कार्यालय नहीं है। यह सरकार की लापरवाही का एक स्पष्ट उदाहरण है। पूर्व में, बीआरएस सरकार ने हैदराबाद को एक महानगरीय शहर बनाने का वादा किया था, लेकिन इसे त्रासदी के शहर में बदल दिया। कांग्रेस पार्टी ने जीतने के बाद कहा कि वे 100 दिनों के भीतर अपने वादे पूरे करेंगे। छह गारंटी और 420 वादे किए गए थे। लेकिन वे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। कांग्रेस सरकार की सारी बातें 420 मामलों की तरह ही रह गई हैं। उन्होंने तेलंगाना में 8 संसदीय सीटों पर भाजपा का समर्थन किया और उसे आगे बढ़ाया। इसी तरह, मैं चाहता हूँ कि जुबली हिल्स उपचुनाव में भी भाजपा जीत हासिल करें। कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश उपाध्यक्ष कल्याण नायक, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रवि नायक, भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष, पार्टी प्रदेश कोषाध्यक्ष देवकी वासुदेव राव और अन्य लोग शामिल रहे।

पटाखों के अवैध भंडारण पर छापा, 45 लाख के पटाखे जब्त

भीड़भाड़ वाले आवासीय परिसर में भंडारण करने वाला एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त कार्य बल, उत्तरी क्षेत्र टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने तिरुमलगिरी पुलिस के साथ तिरुमलगिरी पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत दुर्गा एजेंसी, टीचर्स कॉलोनी, तिरुमलगिरी, सिकंदराबाद के पास स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वह भीड़भाड़ वाले आवासीय परिसर में अवैध रूप से विस्फोटक पटाखों का भंडारण कर रहा था। उसके पास से विभिन्न ब्रांड के 45 लाख रुपए के पटाखों को जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार पटाखा व्यवसाय करने वाला अभिमन्यु कुमार शर्मा पुत्र बी. सी. शर्मा टीचर्स कॉलोनी, तिरुमलगिरी , सिकंदराबाद का रहने वाला है।

पुलिस उपायुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर, वाई.वी.एस. सुधींद्र ने बताया कि अभियुक्त अभिमन्यु कुमार शर्मा गोदाम परिसर में अवैध रूप से विस्फोटक पटाखों का भंडारण कर रहा था और वह गोदाम में इतने बड़े स्टॉक के लिए वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहा। उसने जानबूझकर, बिना किसी सुरक्षा मानदंडों का पालन किए, एक भीड़भाड़ वाले आवासीय इलाके में विस्फोटक पटाखे संग्रहीत किए, जिससे आग लगने का गंभीर खतरा पैदा हो गया, जिससे स्थानीय लोगों के जीवन और संपत्ति को खतरा हो सकता था। एक गुप्त सूचना के आधार पर, हैदराबाद के उत्तरी क्षेत्र की टीम, कमिश्नर टास्क फोर्स ने तिरुमलघेरी पुलिस के साथ मिलकर पटाखा गोदाम पर छापा मारा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी के. चंद्रशेखर, पुलिस निरीक्षक, उत्तर क्षेत्र टास्क फोर्स, सी. नागा राजू, पुलिस निरीक्षक, तिरुमलगिरी पुलिस स्टेशन, पी. ज्ञानदीप, पुलिस उपनिरीक्षक, उत्तर क्षेत्र टास्क फोर्स, डी. करुणाकर, पुलिस उपनिरीक्षक, तिरुमलगिरी पुलिस स्टेशन, तथा उत्तर क्षेत्र टास्क फोर्स की टीम द्वारा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीरंदाजी को बढ़ावा देने के लिए राम चरण और उपासना की सराहना की

आर्चरी प्रीमियर लीग को बताया युवाओं के लिए प्रेरणादायक पहल

चेन्नई, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीरंदाजी के खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए तेलुगु अभिनेता राम चरण, उनकी पत्नी उपासना और आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के अध्यक्ष अनिल कामिनेनी के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, उपासना और अनिल कामिनेनी गारू, आपसे मिलकर खुशी हुई।

तीरंदाजी को लोकप्रिय बनाने के आपके सामूहिक प्रयास सराहनीय हैं और इससे अनगिनत युवाओं को लाभ होगा।

राम चरण ने हाल ही में प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद ट्वीट किया था, अनिल कामिनेनी गारू के नेतृत्व में दुनिया की पहली आर्चरी प्रीमियर लीग की सफलता पर प्रधानमंत्री से मिलना सम्मान की बात थी। तीरंदाजी की विरासत को संरक्षित करने और इसे दुनिया भर में फैलाने की दिशा में यह हमारा छोटा सा कदम है।

नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात में एपीएल अध्यक्ष अनिल कामिनेनी, भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और अभिनेता राम चरण मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को एपीएल के पहले सीज़न की सफलता की जानकारी दी और उन्हें प्रतीकात्मक रूप से प्रणाम किया।

एपीएल की शुरूआत अनिल कामिनेनी के नेतृत्व में की गई है, जिसकाच उद्देश्य भारत में प्राचीन खेल तीरंदाजी को दोबारा लोकप्रिय बनाना है। आयोजकों के अनुसार, लीग भारतीय खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, प्रतियोगिता मंच और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का अवसर प्रदान करेगी। मुलाकात के बाद राम चरण ने कहा, प्रधानमंत्री से मिलना सम्मान की बात थी। तीरंदाजी हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है और हमारा लक्ष्य इसे वैश्विक पहचान दिलाना है। इस मौके पर राम चरण और उपासना ने प्रधानमंत्री को अभिनेता चिरंजीवी और सुरेखा की ओर से बालाजी की मूर्ति और एक पारंपरिक पूजा किट भेंट की।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में लगातार देरी से जनता असंतुष्ट

उप्पल एलिवेटेड कॉरिडोर और टीआईएमएस समेत कई प्रोजेक्ट अधर में

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार अपने दो साल के कार्यकाल के अंत के करीब है, लेकिन कई प्रमुख सड़क और फ्लाईओवर परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो पाई हैं। उप्पल-नारपल्ली एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण, जिसे सत्ता संभालते ही तेज़ी से पूरा करने का वादा किया गया था, अभी भी अधूरा है।

अगस्त 2024 में सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा था कि यह परियोजना 20 महीनों में पूरी हो जाएगी, लेकिन अब तक केवल 40 प्रतिशत ही काम पूरा हुआ है।

2018 में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस कॉरिडोर की आधारशिला रखी थी। केंद्र सरकार परियोजना के लिए धन मुहैया करा रही है, जबकि भूमि अधिग्रहण का काम राज्य सरकार का है। इस दौरान, अंबरपेट फ्लाईओवर समय पर पूरा हो गया, जबकि 6.25 किलोमीटर लंबा उप्पल कॉरिडोर अब भी कछुए की गति से चल रहा है।

इसी तरह, तेलंगाना आयुर्विज्ञान संस्थान (टीआईएमएस) परियोजनाओं में भी देरी हुई है। पहले यह जून 2025 तक पूरा होने वाला था, लेकिन अब सनथनगर का टीआईएमएस अक्टूबर, अलवाल मार्च और एलबी नगर जून 2026 तक शुरू होने की संभावना है। मंत्री ने निम्स अस्पताल और वारंगल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के कार्य भी क्रमशः दिसंबर 2025 और दिसंबर 2025 तक पूरा होने का वादा किया है। हालांकि ठेकेदारों के विरोध प्रदर्शन और लंबित बिलों के भुगतान में देरी के कारण संशोधित समय-सीमाओं के पालन पर संदेह जताया जा रहा है। जनता और विशेषज्ञ दोनों ही इन परियोजनाओं में लगातार हो रही देरी से असंतुष्ट हैं।

पुलिस ने शुरू किया हैजटैग सेफराइड चैलेंज अभियान

सड़क सुरक्षा को सोशल मीडिया पर लोकप्रिय आंदोलन बनाने की पहल

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद पुलिस ने एक नई पहल शुरू की है। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सोमवार को हैजटैग सेफराइड चैलेंज नामक सोशल मीडिया अभियान की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा को एक जन आंदोलन बनाना है। इस अभियान के तहत वाहन चालक अपनी यात्रा शुरू करने से पहले एक छोटा वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं या हेलमेट पहने या सीट बेल्ट लगाए हुए अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं। साथ ही, उन्हें अपने तीन दोस्तों या परिवार के सदस्यों को भी ऐसा करने के लिए टैग करने की अपील की गई है।

आयुक्त सज्जनार ने कहा, सुरक्षा कभी भी फैशन से बाहर नहीं जाती। हर सवारी की शुरूआत खुद को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखने के फैसले से होती है। हम सब मिलकर सुरक्षा को 2025 का सबसे अच्छा ट्रेंड बना सकते हैं। हैजटैग सेफराइड चैलेंज अभियान तीन मुख्य बातों पर जोर देता है-सीट बेल्ट बांधना, हेलमेट पहनना और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना। सोशल मीडिया की ताकत का उपयोग करते हुए, हैदराबाद पुलिस युवाओं और नियमित यात्रियों में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना बढ़ाना चाहती है।

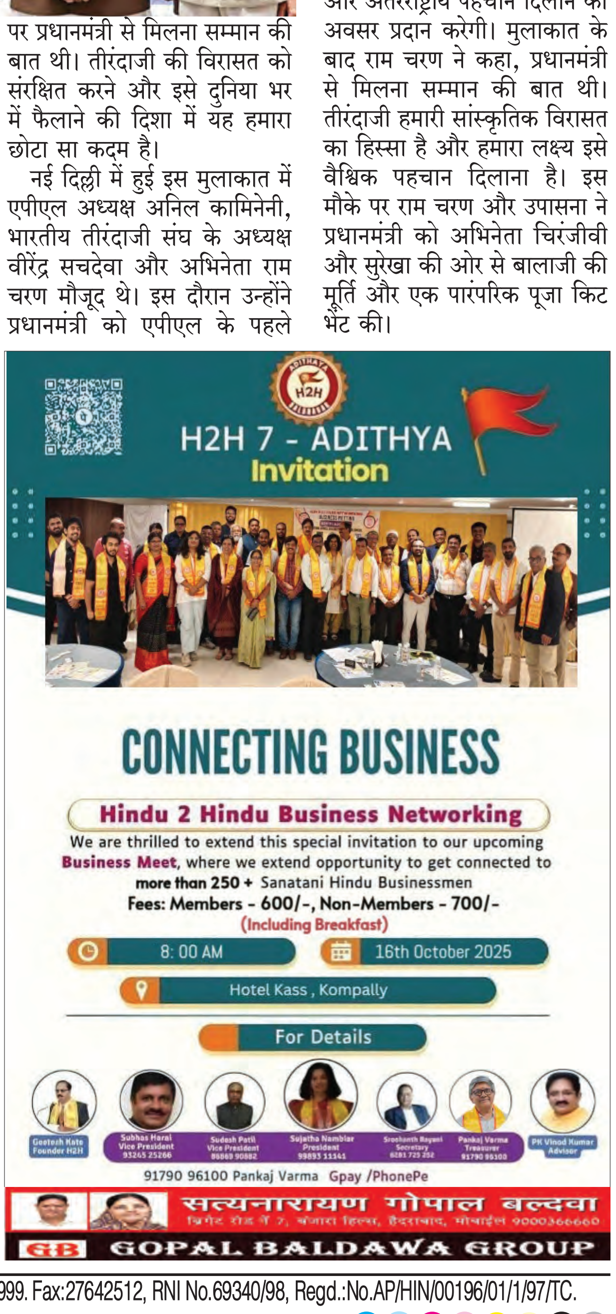

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.